मानक अधिगम की रूपरेखा कक्षा ११-१२

हिंदी (आधार)

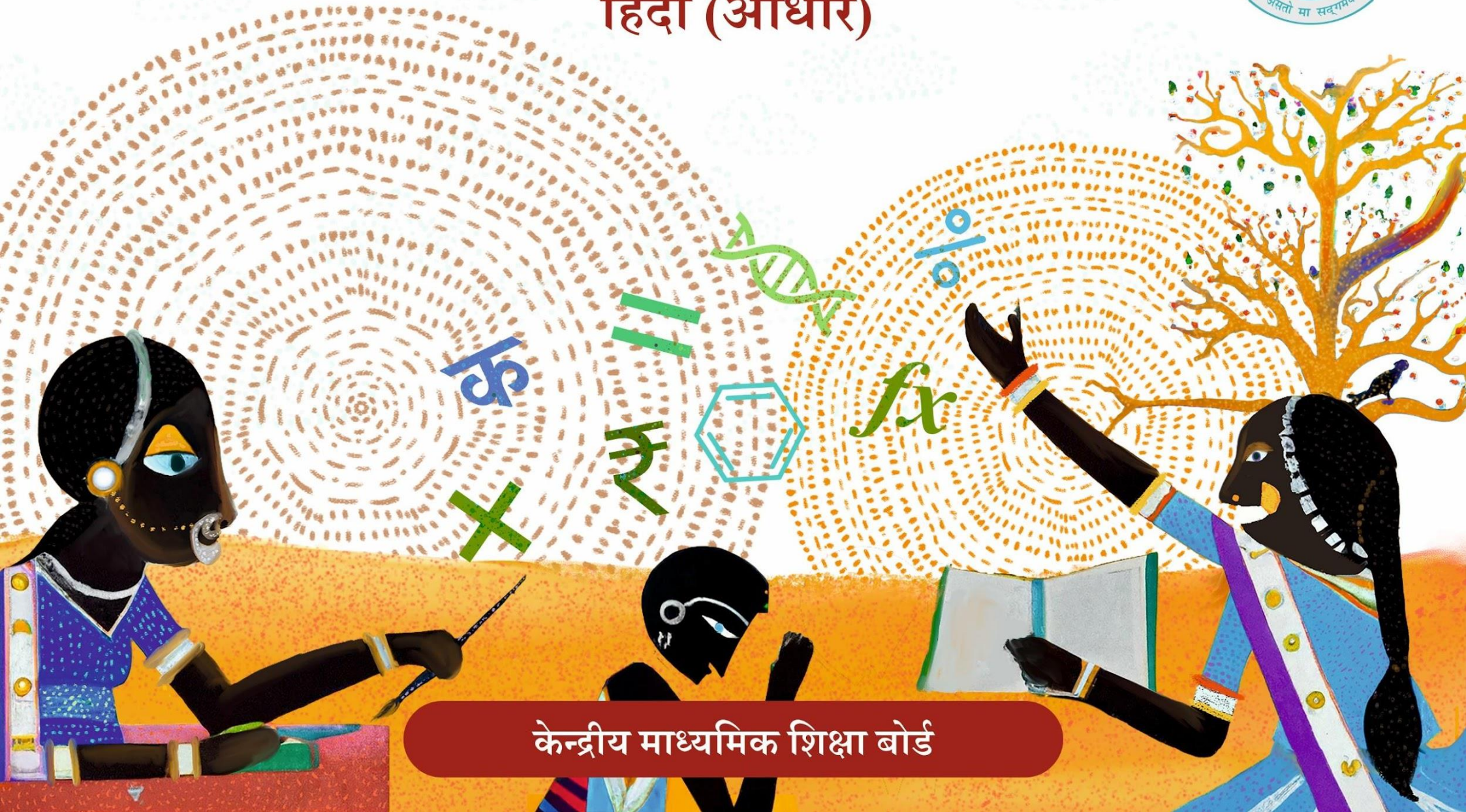

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
भारत
असतो मा सद्गमय
G20
Azadi Ka Amrit Mahotsav
fx

मानक अधिगम की रूपरेखा कक्षा ११-१२
हिंदी (आधार)

प्रथम संस्करण: जुलाई २०२३
निशुल्क ई प्रकाशन, अविक्रेय

सी.बी.एस.ई (CBSE) सेंटर फ़ॉर एक्सेलेन्स इन असेस्मेंट
और
एजुकेशनल इनिशिएटिव्ज़ (Ei)
द्वारा सह निर्मित

प्रस्तावना

भारत सरकार द्वारा जारी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) २०२० का दृष्टिकोण यह निर्देशित करता है कि छात्र न केवल सीखें बल्कि इससे भी महत्त्वपूर्ण बात यह है कि सीखने की प्रक्रिया सीखें। शिक्षा को कम सामग्री की ओर अग्रसर होना चाहिए और यह सीखने की ओर अधिक ध्यान केंद्रित होना चाहिए कि कैसे गहन (सूक्ष्म) चिंतन द्वारा समस्याओं का हल निकाला जा सकता है, कैसे रचनात्मक और बहु-विषयक बनना है, कैसे नवीन तथा बदलते क्षेत्रों में सामंजस्य स्थापित किया जा सकता है और नई सामग्री को अवशोषित किया जा सकता है। शिक्षा को अधिक अनुभवात्मक, समग्र, एकीकृत, पूछताछ-संचालित, खोज-उन्मुख (अनुसंधानात्मक), शिक्षार्थी-केंद्रित, चर्चा-आधारित, लचीला (अर्थग्राह्य) और निश्चित रूप से आनंददायक बनाया जाना चाहिए। शिक्षार्थियों द्वारा २१वीं सदी के महत्त्वपूर्ण कौशल के अधिग्रहण को बढ़ाने के लिए नीति में योग्यता-आधारित शिक्षा (सीबीई) के लिए एक स्पष्ट जनादेश है। सीबीई को कार्यांवित करने हेतु एक निर्धारित पाठ्यक्रम है जो सीखने के परिणामों को परिभाषित करने के लिए संरेखित है। यह स्पष्ट रूप से प्राप्त किए जाने वाले संकेतकों को बताता है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई) ने कक्षा ११ और १२ के अंग्रेज़ी, हिंदी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन और कंप्यूटर विज्ञान आदि विषयों में अधिगम रूपरेखा को विकसित करने के लिए एजुकेशनल इनीशिएटिव्स (ई.आई.) के साथ सहयोग किया है। अधिगम (सीखने) की रूपरेखा में ज्ञान, कौशल और स्वभाव सम्मिलित हैं, जिन्हें एक शिक्षा प्रणाली को प्राप्त करने का प्रयास करना चाहिए। ये रूपरेखाएँ शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों के बीच एक सामान्य समझ विकसित करने में सहायता करेंगे और देश भर में शिक्षण, अधिगम (सीखने) और मूल्यांकन के लिए एक सामान्य मानदंड के रूप में काम करेंगे।

ये रूपरेखाएँ ऐसे संकेतक प्रस्तुत करती हैं जो सीबीएसई के पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी के अधिगम कौशल (सीखने के परिणामों) से जुड़े होते हैं। वे वैज्ञानिक प्रवृत्ति को पोषित करने की दृष्टि से जिज्ञासा, वस्तुनिष्ठता, रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए शैक्षणिक प्रक्रियाओं और मूल्यांकन रणनीतियों के नमूनों की रूपरेखा तैयार करते हैं। यह रूपरेखा (ढाँचा) शिक्षकों के लिए एक महत्त्वपूर्ण संसाधन होगा क्योंकि वे पाठ्यचर्या को क्रियान्वित करता हैं। इन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है कि शिक्षक निर्धारित गुणवत्ता के मानकों को पूरा करने के लिए सीखने को संरेखित करें और इसका उपयोग छात्रों के सीखने के स्तर को पता करने के लिए भी करें। सीबीएसई के स्कूलों में मानकों की गुणवत्ता में एकरूपता लाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने का प्रयास किया गया है।

इस रूपरेखा ने बौद्धिक कार्यों और मूल्यांकन की सामग्री को ब्लूम के संज्ञानात्मक प्रक्रिया आयाम के वर्गीकरण की छह श्रेणियों (स्मरण, बोध, प्रयोग, विश्लेषण, मूल्यांकन और सृजन) के साथ संतुलित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया है। ये रूपरेखाएँ बौद्धिक कार्यों और मूल्यांकन की सामग्री को सीखने के परिणामों के साथ संरेखित करते हुए हमारे विशेषज्ञों द्वारा सावधानीपूर्वक बनाई गई हैं। इससे शिक्षकों को छात्रों के सीखने के स्तर का पता करने और प्रभावी रूप से सीखने के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्र को समझने में मदद मिलेगी।

हम आशा करते हैं कि ये रूपरेखाएँ न केवल देश भर में योग्यता-आधारित शिक्षा के लिए एक संदर्भ बिंदु बनेंगे वरन् शिक्षकों और अन्य हितधारकों द्वारा शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं और मूल्यांकन रणनीतियों की योजना और रचना की सुविधा भी प्रदान करेंगे।

कृपया ध्यान दें कि २०२२-२३ के पाठ्यक्रम के आधार पर मानक अधिगम की रूपरेखा को तैयार किया गया है। २०२३-२४ के पाठ्यक्रम में तर्कसंगत बनाए गए कुछ अध्यायों और विषयों को इस दस्तावेज़ में जारी रखा गया है। इस लर्निंग फ्रेमवर्क में कंटेंट यूनिट और विषय २०२२-२३ के पाठ्यक्रम पर आधारित हैं | २०२३-२४ के पाठ्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है |

रूपरेखा के संबंध में किसी भी प्रतिपुष्टि का स्वागत है। भविष्य में आने वाले फीडबैक और सुझावों को बाद के संस्करणों में शामिल किया जाएगा।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

भूमिका

राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० ने कक्षाओं में योग्यता-आधारित शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया है, जिससे स्कूल प्रणालियों में पाठ्यचर्या और शैक्षणिक सुधारों को बढ़ावा मिला है। यह नीति कक्षा के निर्देशों और सरेखित आकलन के माध्यम से विश्लेषण, आलोचनात्मक चिंतन और समस्या समाधान जैसे उच्च क्रम कौशल के विकास पर जोर देती है। ये कौशल महत्वपूर्ण संकेतक हैं जो स्कूलों और बोर्डों में शिक्षाशास्त्र और सीखने के परिणामों के प्रसार को आगे बढ़ाएंगे।

'सीखने की रूपरेखा' के माध्यम से संकेतक-आधारित शिक्षा को प्रचारित करने के लिए, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने एजुकेशनल इनीशिएटिवस (ई.आई.) के साथ सहयोग किया है। सीखने की रूपरेखा एक विस्तृत पिटारा है जो सीखने के परिणाम, संकेतक, मूल्यांकन के ढांचे, शैक्षणिक प्रक्रियाओं के नमूने, रचनात्मक मूल्यांकन के लिए उपकरण और तकनीक, ब्लूप्रिंट, मूल्यांकन के सामान और रूब्रिक प्रदान करता है। कक्षा ११ और १२ में अंग्रेजी, हिंदी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, लेखाशास्त्र, व्यवसाय अध्ययन और कंप्यूटर विज्ञान के लिए १२ ऐसी रूपरेखाएं विकसित की गई हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक के अनुसार, "बच्चों के स्कूली जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत के विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नई राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मज़बूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर करती है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने के दौरान अपने अनुभवों पर विचार करने का कितना अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह, समय और आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना-सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन कर सकेंगे। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों की अनदेखी किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सर्जना और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि हम बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार मानें और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।" एन.सी.ई.आर.टी. के उच्च माध्यमिक स्तर पर भाषा सीखने के प्रतिफल के अनुसार, "विद्यार्थी इस उम्र में पहुँच चुका है कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं पर विचार-विमर्श कर सके, एक जिम्मेदार नागरिक की तरह अपनी जिम्मेदारियों को समझ सके। ऐसे दृढ़ भाषिक और वैचारिक आधार के साथ जब विद्यार्थी आता है तो उसे विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की व्यापक समझ और प्रयोग में दक्ष बनाना सबसे पहला उद्देश्य होगा। इस स्तर पर विद्यार्थियों में भाषा के लिखित प्रयोग के साथ-साथ उसके मौखिक प्रयोग की कुशलता और दक्षता का विकास भी ज़रूरी है। “भाषा को सीखने-सिखाने के संदर्भ में कक्षा में भाषा कौशलों को एक साथ जोड़कर पढ़ने-पढ़ाने की दृष्टि विकसित होगी। यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषा कौशलों को बेहतर बनाने के लिए बच्चे के परिवेश में उस भाषा की उपयुक्त सामग्री उपलब्ध हो। खासतौर से द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी पढ़ने-पढ़ाने वाले के लिए यह ज़रूरी होगा। भाषा पढ़ने के माहौल और प्रक्रिया के अनुसार ही बच्चों में सीखने के प्रतिफल होंगे।"

विषय-सूची

1 विषय की प्रकृति १

2 स्तर विशिष्ट पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षाएँ ३

3 विषय वस्तु के क्षेत्र ४

4 विषय विशिष्ट संज्ञानात्मक पक्ष ८

संज्ञानात्मक पक्ष की श्रेणियाँ ८

विभिन्न संज्ञानात्मक पक्षों के लिए आकलन के कार्यों के प्रकार १०

विषय की एक इकाई के लिए विभिन्न संज्ञानात्मक पक्षों से नमूना कार्य १२

5 सीखने के प्रतिफल १५

कक्षा ११ हिंदी के लिए सीखने के प्रतिफल १५

कक्षा १२ हिंदी के लिए सीखने के प्रतिफल १६

6 विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल और क्षमताएँ १८

कक्षा ११ विषयवस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल और क्षमताएँ १९

कक्षा १२ विषयवस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल और क्षमताएँ ६१

7 नमूना शैक्षणिक प्रक्रियाएं और आकलन की रणनीतियाँ १०३

8 परीक्षा पत्र की रूपरेखा ११२

कक्षा १२ ..... ११२

9 प्रायोगिक/परियोजना कार्य का आकलन ११४

प्रायोगिक/परियोजना कार्य आधारित गतिविधियों की रूपरेखा ११५

सुझाई गई परियोजनाएं/गतिविधियां/प्रायोगिक – कक्षा ११/१२ ..... ११६

10 अंकन योजनाओं के साथ आकलन वस्तु के नमूने ११८

11 आवश्यक विचार और आकलन १३३

कक्षा११ और १२ – आवश्यक विचारों के आधार पर आकलन १३३

12 संदर्भ दस्तावेज़ १८४

अभिस्वीकृति १८५

1 विषय की प्रकृति

उच्चतर माध्यमिक स्तर में प्रवेश लेने वाला विद्यार्थी पहली बार सामान्य शिक्षा से विशेष अनुशासन की शिक्षा की ओर उन्मुख होता है। दस वर्षों में विद्यार्थी भाषा के कौशलों से परिचित हो जाता है। भाषा और साहित्य के स्तर पर उसका दायरा अब घर, पास-पड़ोस, स्कूल, प्रांत और देश से होता हुआ धीरे-धीरे विश्व तक फैल जाता है। वह इस अवस्था में पहुँच चुका है कि देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक समस्याओं पर विचार-विमर्श कर सके, एक ज़िम्मेदार नागरिक की तरह अपनी उत्तरदायित्वों को समझ सके तथा देश और स्वयं को सही दिशा देने में भाषा की ताकत को पहचान सके। ऐसे दृढ़ भाषिक और वैचारिक आधार के साथ जब विद्यार्थी आता है तो उसे विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की व्यापक समझ और प्रयोग में दक्ष बनाना सबसे पहला उद्देश्य होता है।

किशोरावस्था से युवावस्था के इस नाज़ुक मोड़ पर किसी भी विषय का चुनाव करते समय बच्चे और उनके अभिभावक इस बात को लेकर सबसे अधिक चिंतित रहते हैं कि चयनित विषय उनके भविष्य और जीविका के अवसरों में मदद करेगा कि नहीं। इस उम्र के विद्यार्थियों में चिंतन और निर्णय करने की प्रवृत्ति भी प्रबल होती है। इसी आधार पर वे अपने मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक और भाषिक विकास के प्रति भी सचेत होते हैं और अपने भावी अध्ययन की दिशा तय करते हैं। इस स्तर पर विद्यार्थियों में भाषा के लिखित प्रयोग के साथ-साथ उसके मौखिक प्रयोग की कुशलता और क्षमता का विकास भी ज़रूरी है। प्रयास यह भी होगा कि विद्यार्थी अपने बिखरे हुए विचारों और भावों की सहज और मौलिक अभिव्यक्ति की क्षमता हासिल कर सकें। विभिन्न विषयक्षेत्रों , जैसे इतिहास, भौतिक विज्ञान अथवा गणित को समझने के लिए हमें भाषा की आवश्यकता होती है। चाहे हम प्रकृति को देखें या समाज को हम काफ़ी हद तक उन्हें अपनी भाषा की संरचना के माध्यम से ही देखते हैं।

भाषा को सीखना-सिखाना

इस संदर्भ में हम यही कहेंगे कि अपनी बात दूसरों तक पहुँचाने के एक माध्यम के रूप में हम भाषा को पहचानते रहे हैं इसलिए हम सब यही परिभाषा पढ़ते हुए बड़े हुए कि भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है, यानी भाषा के जरिए ही हम कुछ कहते और लिखते हैं और किसी के द्वारा कहे और लिखे को सुनते और पढ़ते हैं। इसीलिए भाषा के चार कौशलों की बात इस तरह से प्रमुख होती चली गई कि हम भूल ही गए कि कहने-सुनने वाला सोचता भी है। इस संदर्भ में बेर्टोल्ट ब्रेष्ट की कुछ पंक्तियाँ ध्यान देने योग्य है जिसमें सोचने के कौशल की ओर संकेत किया गया है- 'जनरल, आदमी कितना उपयोगी है, वह उड़ सकता है और मार सकता है। लेकिन उसमें एक नुक्स है- वह सोच सकता है।' बच्चे जो कुछ देखते या सुनते हैं उसे अपनी समझ से देखते-सुनते हैं और अपनी ही दृष्टि और समझ के साथ बोलते और लिखते हैं। यह दृष्टि/समझ एक परिवेश और समाज के भीतर ही बनती है इसलिए परिवेश और समाज के बीच बन रही बच्चे की समझ को उपयुक्त अभिव्यक्ति में समर्थ बनाने की कोशिश होनी चाहिए। जबकि हो यह रहा है कि जब बच्चे स्कूल आते हैं तो घर की भाषा और स्कूल की भाषा के बीच एक द्वंद्व शुरू हो जाता है। इस द्वंद्व से माध्यमिक स्तर के बच्चे जो कि किशोर वय में पहुँच रहे होते हैं, को भी जूझना पड़ता है। उनके पास अनेक सवाल हैं, अपने आस-पास के समाज और संसार से जिनका जवाब वे ढूंढ़ रहे हैं। अगर हमारी भाषा की कक्षा उनके सवालो और जवाबों को उनकी अपनी भाषा दे सके तो यह इसकी सार्थकता होगी। इसलिए कक्षा में भाषिक कौशलों को एक साथ जोड़कर

पढ़ने-पढ़ाने की दृष्टि भी विकसित करनी होगी। 'कला के माध्यम से' और 'कला के साथ' भाषा सीखने से पाठ्यचर्या के विषय की अवधारणाओं को समझने में मदद मिलेगी। शिक्षार्थी विभिन्न अवधारणाओं के बीच दृश्य कला (चित्रकारी और कलाकारी) और प्रदर्शन कला (संगीत, नृत्य, रंगमंचआदि) के अनुभवों के माध्यम से संबंध बनाएंगे। शिक्षण-अधिगम के परिवेश में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का समावेश सूचनाओं के निर्माण, संग्रहण, संचारण साझा करने या आदान-प्रदान करने के लिए किया जाता है। इसके तकनीकी उपकरणों और संसाधनों में कंप्यूटर (वेबसाइट, ब्लॉग और ई-मेल), सीधे प्रसारण की प्रौद्योगिकी (रेडियो, टेलीविज़न और वेबकास्टिंग), रिकॉर्डेड प्रसारण प्रौद्योगिकी (पॉडकास्टिंग, ऑडियो और वीडियो प्लेयर और स्टोरेज उपकरण), और टेलीफ़ोन (फिक्स्ड/मोबाइल) उपग्रह, दृश्य/वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग आदि) शामिल हैं। यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषिक कौशलों को बेहतर बनाने के लिए बच्चे के परिवेश में उस भाषा की उपयुक्त सामग्री उपलब्ध हो। खासतौर से द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी पढ़ने-पढ़ाने वालों के लिए यह ज़रूरी होगा। भाषा पढ़ने के माहौल और प्रक्रिया के अनुसार ही बच्चों में सीखने के प्रतिफल होंगे।

2 स्तर विशिष्ट पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षाएँ

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी) द्वारा विकसित उच्चतर माध्यमिक स्तर पर हिंदी के लिए सीखने के प्रतिफल में निम्नलिखित पाठ्यचर्या संबंधी अपेक्षाओं का उल्लेख है-

सीई1. सृजनात्मक साहित्य के आलोचनात्मक आस्वाद की क्षमता का विकास।

सीई2. स्वतंत्र और मौखिक रूप से अपने विचारों की अभिव्यक्ति का विकास।

सीई3. साहित्य की विभिन्न विधाओं के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतर की पहचान।

सीई4. ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों के विमर्श की भाषा के रूप में हिंदी की विशिष्ट प्रकृति एवं क्षमता का बोध करवाना।

सीई5. साहित्य की प्रभावकारी क्षमता का उपयोग करते हुए सभी प्रकार की विविधताओं (राष्ट्रीयता, धर्म, जेंडर, भाषा) के प्रति सकारात्मक और संवेदनशील रवैये का विकास।

सीई6. जाति, धर्म, लिंग , राष्ट्रीयता, क्षेत्र आदि से संबंधित पूर्वग्रहों के चलते बनी रूढ़ियों की भाषिक अभिव्यक्तियों के प्रति सजगता एवं आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास।

सीई7. विदेशी भाषाओं समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं की संस्कृति की विविधता से परिचय करवाना।

सीई8. व्यावहारिक और दैनिक जीवन में विविध किस्म की अभिव्यक्तियों की मौखिक व लिखित क्षमता का विकास।

सीई9. संचार माध्यमों (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक) में प्रयुक्त हिंदी की प्रकृति से अवगत करवाना और उन्हें नए-नए तरीके से प्रयोग करने की क्षमता का परिचय करवाना।

सीई10. भाषा में अमूर्त अभिव्यक्ति को समझने की पूर्व अर्जित क्षमताओं का उत्तरोत्तर विकास।

सीई11. मतभेद, विरोध और टकराव की परिस्थितियों में भी भाषा के संवेदनशील और तर्कपूर्ण इस्तेमाल से शांतिपूर्ण संवाद की क्षमता का विकास।

सीई12. भाषा की समावेशी और बहुभाषिक प्रकृति के प्रति ऐतिहासिक और सामाजिक नज़रिए का विकास।

सीई13. शारीरिक और अन्य सभी प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे बच्चों में भाषिक क्षमताओं के विकास की उनकी अपनी विशिष्ट गति और प्रतिभा की पहचान करना।

सीई14. इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से जुड़ते हुए भाषा प्रयोग की बारीकियों और सावधानियों से अवगत रहना।

सीई15. साहित्य की व्यापक धारा के बीच रखकर रचनाओं का विश्लेषण और विवेचन करने की क्षमता हासिल करना।

3 विषय वस्तु के क्षेत्र

सीबीएसई के पाठ्यक्रम में कक्षा ११ के लिए हिंदी की विषय-वस्तु को विषय के इकाइयों के आसपास गठित किया गया है।

एन.सी.ई.आर.टी पाठ्यपुस्तकों के अध्यायों के साथ-साथ दोनों कक्षाओं के लिए विषय की इकाइयों का उल्लेख निम्नलिखित तालिकाओं में किया गया है-

तालिका I. कक्षा ११ के विषय की इकाइयाँ और पाठ्यपुस्तक के अध्याय

विषय की इकाइयाँ	**एन.सी.ई.आर.टी पाठ्यपुस्तक के अध्याय**
पाठ्य पुस्तक – आरोह	
गद्य खंड	नमक का दरोगा
	मियाँ नसीरुद्दीन
	अपू के साथ ढाई साल
	विदाई-संभाषण
	गलता लोहा
	रजनी
	जामुन का पेड़
	भारत माता
काव्य खंड	कबीर

	मीरा
	घर की याद
	चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती
	गज़ल
	अक्कमहादेवी
	सबसे खतरनाक
	आओ, मिलकर बचाएँ
पाठ्य पुस्तक – वितान	
	भारतीय गायिकाओं में सबसे बेजोड़-लता मंगेशकर
	राजस्थान की रजत बूँदें
	आलो-आँधारि
	भारतीय कलाएँ

तालिका II. कक्षा १२ के विषय की इकाइयाँ और पाठ्यपुस्तक के अध्याय

विषय की इकाइयाँ	एन.सी.ई.आर.टी पाठ्यपुस्तक के अध्याय
पाठ्य पुस्तक – आरोह	
काव्य खंड	1. हरिवंश राय बच्चन
	2. आलोक धन्वा
	3. कुँवर नरायण
	4. रघुवीर सहाय
	5. शमशेर बहादुर सिंह
	6. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
	7. तुलसीदास
	8. फ़िराक गोरखपुरी
	9. उमाशंकर जोशी
गद्य खंड	10. महादेवी वर्मा (भक्तिन)

	11. जैनेन्द्र कुमार (बाज़ार दर्शन)
	12. धर्मवीर भारती (काले मेघा पानी दे)
	13. फणीश्वर नाथ रेणु (पहलवान की ढोलक)
	14. हजारी प्रसाद द्विवेदी (शिरीष के फूल)
	15. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर (श्रम विभाजन और जाति-प्रथा, मेरी कल्पना का आदर्श समाज)
पाठ्य पुस्तक – वितान	
	1. सिल्वर वैडिंग
	2. जूझ
	3. अतीत में दबे पाँव

4 विषय विशिष्ट संज्ञानात्मक पक्ष

"चूंकि बोर्ड पाठ्य पुस्तक संचालित आकलन के स्थान पर 'सीखने के प्रतिफल पर आधारित' आकलन को उत्तरोत्तर अधिक स्थान दे रहा है, बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों में वास्तविक जीवन की स्थितियों पर आधारित प्रश्न अधिक होंगे, जिसमें विद्यार्थियों को निर्धारित परिणामों के अनुसार जानकारी को लागू करने, विश्लेषण करने, मूल्यांकन करने और संश्लेषित करने की आवश्यकता होगी। सभी प्रश्नों में मूल क्षमताओं का आकलन होगा, जो कि निर्धारित पाठ्यक्रम और उसमें अनुशंसित पाठ्य पुस्तकों से होंगी। यह काफ़ी हद तक पूर्वानुमेयता और रटने की शिक्षा को समाप्त कर देगा।"

[कक्षा ११-१२ के लिए सीबीएसई पाठ्यचर्या]

संज्ञानात्मक पक्ष की श्रेणियाँ

संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी (एंडरसन और क्रैथवोल, २००१) के वर्गीकरण में छह श्रेणियाँ हैं और प्रत्येक श्रेणी किसी विशिष्ट संज्ञानात्मक प्रक्रिया के एक समूह से जुड़ी है। सीबीएसई पाठ्यक्रम का इरादा है कि विषय के शिक्षण- अधिगम और सीखने के आकलन में बौद्धिक कार्यों की इन श्रेणियों का संतुलन रहे। संशोधित ब्लूम टैक्सोनॉमी के वर्गीकरण में वर्णित यह छह श्रेणियाँ, उनकी विशिष्ट संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं के साथ नीचे उल्लिखित हैं।

संज्ञानात्मक पक्ष – स्मरण

'स्मरण' में दीर्घकालिक स्मृति से प्रासंगिक ज्ञान को याद कर पाना शामिल है। इस संज्ञानात्मक पक्ष से जुड़े विशिष्ट संज्ञानात्मक कौशल पहचानना और याद रखना हैं। विद्यार्थियों से एक अवधारणा को परिभाषित करने के लिए कहना। उदाहरण के लिए 'आशंकित' शब्द का अर्थ लिखिए।

संज्ञानात्मक पक्ष – समझना

'समझना' से तात्पर्य है - निर्देशात्मक संदेशों से अर्थ का निर्माण करना, जिसमें मौखिक, लिखित और चित्र के माध्यम से संचार शामिल है।' इस संज्ञानात्मक पक्ष से जुड़े विशिष्ट संज्ञानात्मक कौशल व्याख्या करना, उदाहरण देना, वर्गीकृत करना, सारांशित करना, निष्कर्ष निकालना, तुलना करना, समझाना हैं। विद्यार्थियों से भौतिक अवधारणाओं/सिद्धांतों के संदर्भ में किसी घटना की व्याख्या करने के लिए कहना। उदाहरण के लिए, पथेर पांचाली फ़िल्म सत्यजीत राय के करियर के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण थी?

संज्ञानात्मक पक्ष – लागू करना

'लागू करना' में दी गई परिस्थिति में एक प्रक्रिया को पूरा करना या उसका उपयोग करना शामिल है। इस संज्ञानात्मक पक्ष से जुड़े विशिष्ट संज्ञानात्मक कौशल निष्पादन करना और कार्यान्वयन करना हैं। आकलन के कार्य जिसमें विद्यार्थियों को किसी समस्या को हल करने के लिए ज्ञान और प्रक्रियाओं का उपयोग करना होता है या किसी वास्तविक जीवन की स्थिति में निर्णय लेना होता है; ऐसे कार्य इस संज्ञानात्मक पक्ष में शामिल किए जाते हैं। उदाहरण के लिए, एक मिश्रित वाक्य बनाने के लिए निम्नलिखित वाक्यों को जोड़िए: मैंने बाग में एक घायल बिल्ली देखी। मैं उसे पशु चिकित्सक के पास ले गई।

संज्ञानात्मक पक्ष – विश्लेषण

'विश्लेषण' में शामिल है - सामग्री को छोटे-छोटे भागों में बाँटना और यह निर्धारित करना कि ये भाग एक दूसरे से और समग्र संरचना व उद्देश्य से कैसे संबंधित हैं। इस संज्ञानात्मक पक्ष से जुड़े विशिष्ट संज्ञानात्मक कौशल हैं - अंतर करना, व्यवस्थित करना और कारण व उसके प्रभाव को देख पाना। विद्यार्थियों को एक ही विषयवस्तु के क्षेत्र से दो भौतिक इकाइयों के बीच तुलना करने और उनके संबंध की व्याख्या करने के लिए कहना। उदाहरण के लिए- यशोधर बाबू आधुनिक व पाश्चात्य जीवन शैली को अपनाना नहीं चाहते थे, पर उन्होंने पार्टी में आए मेहमानों से अंग्रेज़ी में बात की। यह हमें उनके किन चारित्रिक लक्षणों के बारे में बताता है?

संज्ञानात्मक पक्ष – मूल्यांकन

'मूल्यांकन' में मानदंड और मानकों के आधार पर निर्णय लेना शामिल है। इस संज्ञानात्मक पक्ष से जुड़े विशिष्ट संज्ञानात्मक कौशल हैं - जाँच करना और समालोचना करना। ऐसे आकलन के कार्य जिनके लिए गहन स्तर की समझ की आवश्यकता होती है जिसमें विद्यार्थियों को अपनी पसंद के लिए औचित्य प्रदान करने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, क्या आपको लगता है कि लेखिका, भक्तिन की जितनी सराहना करती थी वह उसके लायक थी? अपने उत्तर का समर्थन दो कारणों से कीजिए।

संज्ञानात्मक पक्ष – सृजन

'सृजन' में शामिल है - विभिन्न तत्वों को एक साथ रखकर सुसंगता या कार्यात्मकता से संपूर्णता प्रदान करना; या तत्वों को एक नए प्रतिरूप या संरचना में पुनर्गठित करना। इस संज्ञानात्मक पक्ष से जुड़े विशिष्ट संज्ञानात्मक कौशल हैं - संगठित करना, आयोजित करना और निर्माण करना। ऐसे कार्य जिनके लिए विद्यार्थी सीखी गई चीज़ों के आधार पर नई रचनाएँ बनाते हैं। उदाहरण के लिए, कविता के विषय पर आधारित एक लघुकथा लिखिए। विषय को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रासंगिक पात्रों, परिस्थितियों और घटनाओं को शामिल कीजिए।

विभिन्न संज्ञानात्मक पक्षों के लिए आकलन के कार्यों के प्रकार

आकलन के कार्यों के कुछ और उदाहरण, जिन्हें विभिन्न संज्ञानात्मक पक्षों से जोड़ा जा सकता है, नीचे दिए गए हैं। निम्नलिखित सूची को संपूर्ण नहीं बल्कि एक संकेतक सूची के रूप में लिया जाना चाहिए।

तालिका III. संज्ञानात्मक पक्ष तथा आकलन के कार्य

संज्ञानात्मक पक्ष	आकलन के कार्य
स्मरण ● पहचानना ● याद रखना	● कहानी के प्रमुख पात्रों/घटनाओं/विवरणों को पहचानना ● किसी पाठ से विवरण को सही या गलत/सटीक या अस्पष्ट के रूप में पहचानना ● शब्दों के पर्यायवाची/विलोम को पहचानना ● वाक् के हिस्सों को पहचानना, जैसे किसी वाक्य या सूची में विशेषण/क्रिया विशेषण/ संज्ञा ● कहानी से पात्रों के संवाद, कार्य या विचार/घटनाओं/विवरणों का स्मरण ● सूचनात्मक गद्यों से तथ्यों का स्मरण
समझना ● व्याख्या करना ● उदाहरण देना ● वर्गीकृत करना ● सारांशित करना ● निष्कर्ष निकालना ● तुलना करना ● समझाना	● कहानी के कथानक/संदेश के आधार पर घटनाओं/कार्यों के गहरे अर्थों की व्याख्या करना ● नए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करते हुए उनके अर्थ का उदाहरण देना ● गद्य/पद्य को विभिन्न लेखन शैलियों में वर्गीकृत करना ● वाक्यों में प्रयुक्त शब्दों को शब्द-भेद के अनुसार वर्गीकृत करना ● संरचना के अनुसार वाक्यों का वर्गीकरण करना ● शब्दों या कार्यों के आधार पर पात्रों के इरादों/भावनाओं का अनुमान लगाना ● एक ही विषय पर आधारित, दो विभिन्न शैलियों में लिखी गई कहानियों की तुलना करना ● एक कहानी में दो पात्रों की तुलना करना ● यह समझाना ने कि किसी पात्र ने एक प्रकार का व्यवहार क्यों किया

	● एक कहानी के कथानक की व्याख्या करना
लागू ● निष्पादन करना ● कार्यान्वयन करना	● व्याकरण संबंधी त्रुटियों को सुधारने के लिए व्याकरण के नियमों की समझ को लागू करना ● व्याकरणिक रूप से सही वाक्यों को पूरा करने के लिए व्याकरण के नियमों के ज्ञान को लागू करना ● वाक्यों को अर्थपूर्ण रूप से पूरा करने के लिए शब्दावली का ज्ञान लागू करना
विश्लेषण ● अंतर करना ● व्यवस्थित करना ● गुणधर्म/विशेषता/ कारण-प्रभाव समझ पाना	● विभिन्न प्रकार के निबंधों की संरचना का विश्लेषण करना, जैसे प्रेरक, तर्कपूर्ण और वर्णनात्मक ● कथा-साहित्य की विभिन्न शैलियों में जैसे कि यथार्थवादी, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक आदि के कथानक के भागों की संरचना का विश्लेषण करना ● विभिन्न प्रकार के वाक्यों की संरचना और नियमों का विश्लेषण करना, जैसे कि सरल, संयुक्त, मिश्रित ● किसी पाठ की प्रमुख घटनाओं को एक समयरेखा पर व्यवस्थित करना
मूल्यांकन ● जाँच करना ● समालोचना करना	● कहानी में पात्रों के कार्यों/इरादों का मूल्यांकन ● प्रभावशीलता और गुणवत्ता के लिए भाषा और साहित्य के कार्यों की समालोचना करना ● नाटक, कविता-पठन, कथा-पठन जैसे कार्यों पर अपनी प्रतिक्रिया/फ़ीडबैक देना
सृजन ● संगठित करना ● आयोजित करना ● रचना करना	● योजना बनाकर निबंध, पत्र, कहानियाँ और लेख आदि को लिखना ● मौलिक रचनाएँ लिखना, जैसे कि निबंध, पत्र, कहानियाँ और लेख ● सूचना, पोस्टर या विज्ञापन डिज़ाइन करना ● एक प्रभावी सूचना, पोस्टर या विज्ञापन की रचना करना

विषय की एक इकाई के लिए विभिन्न संज्ञानात्मक पक्षों से नमूना कार्य

कक्षा ११-१२ की एन.सी.ई.आर.टी हिंदी पाठ्यपुस्तकों के दो अध्यायों के लिए विभिन्न संज्ञानात्मक पक्षों से कार्यों के कुछ विशिष्ट उदाहरण नीचे वर्णित हैं। ऐसा ज़रूरी नहीं है कि एक अध्याय में हमेशा सभी छह संज्ञानात्मक पक्षों को शामिल किया जा सके। इस सूची को संपूर्ण नहीं बल्कि एक सांकेतिक सूची के रूप में लिया जाना चाहिए।

अध्याय १ – कक्षा ११

तालिका IV: अध्याय १. (भारतीय गायिकाओं में सबसे बेजोड़-लता मंगेशकर)– कक्षा: ११

संज्ञानात्मक पक्ष	नमूना कार्य
स्मरण	● चित्रपट की वह मशहूर गायिका कौन थी जिसे लता मंगेशकर ने पीछे छोड़ दिया? ● लेखक ने पहली बार लता मंगेशकर को कब गाते सुना था?
समझना	● संगीत के बारे में लेखक के क्या विचार हैं? ● लेखक के अनुसार, आम लोगों में राग की समझ विकसित करने के लिए चित्रपट किस प्रकार उत्तरदायी है?
लागू	● लता मंगेशकर का वर्णन करने के लिए लेखक ने विशेषणों का प्रयोग किया है। उपयुक्त विशेषणों का प्रयोग करते हुए अपने/अपनी पसंदीदा गायक/गायिका के बारे में एक अनुच्छेद लिखें।
विश्लेषण	● आपके अनुसार लता मंगेशकर के आने से पहले भारत में संगीत उद्योग की क्या स्थिति थी? उनके संगीत ने इसे किस प्रकार बदल दिया? ● आपके विचार से लेखक के जीवन में संगीत का क्या महत्त्व है? कारण देते हुए अपने विचार लिखिए।
मूल्यांकन	● क्या आपको लगता है कि संगीत जगत में लता मंगेशकर का योगदान उतना ही महत्त्वपूर्ण रहा है जितना कि लेखक कहते हैं? क्यों या क्यों नहीं?

	● क्या आप इस बात से सहमत हैं कि फ़िल्मी संगीत के कारण संगीत का आनंद लेने का तरीका बदल दिया है? क्या आपको लगता है कि हमें शास्त्रीय संगीत अधिक सुनना चाहिए? क्यों या क्यों नहीं?
सृजन	● लता मंगेशकर का एक लोकप्रिय गीत सुनें। इसकी संरचना का विश्लेषण करें और उसी विषय पर दो पदों का एक नया गीत लिखें। ● जीवन में संगीत का महत्त्व - इस विषय के पक्ष में या विपक्ष में एक तर्कपूर्ण निबंध लिखें।

अध्याय ४ – कक्षा १२

तालिका V: अध्याय १५. (श्रम विभाजन और जाति-प्रथा: मेरी कल्पना का आदर्श समाज)– कक्षा: १२

संज्ञानात्मक पक्ष	नमूना कार्य
स्मरण	● डॉ. अम्बेडकर के अनुसार, समानता की दृष्टि से, मनुष्यों की क्षमता किन तीन बातों पर निर्भर करती है? ● डॉ. अम्बेडकर के अनुसार, एक आदर्श समाज के तीन तत्व कौन-से हैं?
समझना	● श्रम विभाजन की दृष्टि से जाति व्यवस्था के बारे में डॉ अम्बेडकर की राय को ५०-६० शब्दों में सारांशित करें। ● "…शाब्दिक अर्थ में 'समता' असंभव होते हुए भी यह नियामक सिद्धांत है।" डॉ अम्बेडकर के अनुसार राजनीतिज्ञ पुरुष को सभी के साथ समान व्यवहार करने के लिए किस प्रकार अनुसरण करना चाहिए? ● यदि जाति-प्रथा को श्रम विभाजन माना जाता है, तो यह स्वाभाविक विभाजन क्यों नहीं है? इसके संबंध में अंबेडकर क्या तर्क देते हैं?
लागू	● अम्बेडकर ने 'समता' के बारे में जो विचार प्रस्तुत किए हैं, उनको आधार बनाते हुए 'समता का महत्त्व' विषय पर एक अनुच्छेद लिखिए।

	● यदि आपको रेडियो पर अम्बेडकर जी का साक्षात्कर लेने का मौका मिलता, तो आप जाति-प्रथा, श्रम विभाजन और समता के संदर्भ में उनसे कौन-से प्रश्न पूछते और क्यों? कोई 3 प्रश्न, व उन प्रश्नों को पूछने के कारण लिखिए।
विश्लेषण	'श्रम विभाजन पसंद के आधार पर विभाजन नहीं है और व्यवसायों के पुन: समायोजन की अनुमति नहीं देने से जाति-प्रथा एक राक्षस बन जाती है, जिससे बेरोज़गारी होती है।'आपके विचार में आज के समाज में इस कथन का क्या महत्त्व है? ● जाति-प्रथा बेरोज़गारी और आर्थिक अस्थिरता की ओर ले जाती है। ८० - १०० शब्दों में इस कथन की व्याख्या कीजिए।
मूल्यांकन	● 'मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा।' क्या आप सहमत हैं कि इससे जाति व्यवस्था को खत्म किया जा सकता है? कारण देते हुए अपनी राय व्यक्त कीजिए। ● क्या आपको लगता है कि जाति-प्रथा देश के आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकती है? दो कारण देते हुए अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
सृजन	● क्या आपने भी अपने आस-पास जाति, सामाजिक स्थिति, लिंग, ओहदा आदि के आधार पर भेदभाव अनुभव किया है किसीके साथ इस प्रकार का भेदभाव होते हुए देखा है? ऐसी एक घटना का वर्णन करते हुए अपनी डायरी में एक पृष्ठ लिखें। अपने लेख में पीड़ित व्यक्ति की भावनाओं का उल्लेख करें। ● कार्यस्थल या समाज में महिलाओं के प्रति लैंगिक भेदभाव की घटनाओं और उन पर उनके प्रभाव के बारे में पढ़ें। लैंगिक भेदभाव और जाति-प्रता के बीच समानता और अंतर का मूल्यांकन करते हुए एक निबंध लिखें।

5 सीखने के प्रतिफल

"क्षमता-आधारित शिक्षण इस बात पर केंद्रित होता है कि सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में, विद्यार्थी, सीखने के वांछित प्रतिफल प्रदर्शित कर पाएँ। सीखने के प्रतिफल क्षमताओं के कथन हैं; विद्यार्थियों से अपेक्षा होती है कि किसी गतिविधि को करने के परिणामस्वरूप उनमें ये क्षमताएँ आ जाएँगी। दूसरे शब्दों में कहें तो, सीखने के प्रतिफल वे कथन हैं जो ये बताते हैं कि सीखने की प्रक्रिया पूरी होने पर विद्यार्थियों को क्या ज्ञात होना चाहिए, क्या समझ आना चाहिए और इनके आधार पर वे क्या-क्या कर सकते हैं। इसलिए, समय को मापने के बजाय निर्धारित सीखने के प्रतिफलों की प्राप्ति के माध्यम से यह मापा जाता है कि विद्यार्थियों ने 'क्या सीखा है'।

[उच्च विद्यालय पाठ्यक्रम, सीबीएसई]

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी) द्वारा विकसित उच्च माध्यमिक स्तर के लिए सीखने के प्रतिफल के बाद विद्यार्थियों को हिंदी सीखने के संदर्भ में कक्षा ११ और १२ में एक शैक्षणिक वर्ष के अंत में महत्वपूर्ण ज्ञान, कौशल और स्वभाव प्राप्त करने की आवश्यकता होती है।

कक्षा ११ हिंदी के लिए सीखने के प्रतिफल

(1) रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / स्थिति विशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- पानी के बिना एक दिन, बिना दृष्टि के एक दिन।

(2) पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर व बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।

(3) प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर व लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।

(4) विविध साहित्यक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।

(5) अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे- कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण, डायरी आदि लिखना।

(6) कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते हैं या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।

(7) कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली कामकाजी हिंदी की समझ प्रकट करते हैं।

(8) फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के समान दृश्य माध्यम की भाषा का प्रयोग अपनी रचनाओं में करते हैं।

(9) परिवेशगत भाषा प्रयोगों को सीखते हैं और उन पर सवाल करते हैं। जैसे- रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, बसस्टैंड, ट्रक, ऑटो रिक्शा के पीछे लिखी गई भाषा की शैली पर ध्यान देते हैं।

(10) हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते हैं और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।

(11) पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।

(12) सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।

(13) सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग-अलग माध्यमों के द्वारा करते हैं।

कक्षा १२ हिंदी के लिए सीखने के प्रतिफल

(1) हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।

(2) रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।

(3) पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार-पत्र इत्यादि पढ़ते और लिखकर बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।

(4) विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौन्दर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।

(5) पाठ में प्रयुक्त अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।

(6) पाठ में प्रयुक्त हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनका प्रयोग करते हैं। जैसे- जैविक खेती पर किसानों और कृषि विशेषज्ञों के साक्षात्कार या बातचीत, हस्तकला पर किसी लोक कलाकार से बातचीत के लिए कुछ सवालों के बिंदु तैयार करना।

(7) सभी प्रकार की विविधताओं धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र एवं भाषा के प्रति संबंधी तार्किक ढंग से चर्चा करते हैं।

(8) कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली कामकाजी हिंदी की समझ प्रकट करते हैं। जैसे- टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन इत्यादि।

(9) कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।

(10) प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों के विचार, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।

(11) फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के समान दृश्य माध्यम की भाषा का प्रयोग करते हैं। जैसे- पटकथा लेखन या विज्ञापन लेखन।

6 विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल और क्षमताएँ

एन.सी.ई.आर.टी द्वारा परिभाषित सीखने के प्रतिफल पाठ्यचर्या के लिए सामान्य हैं और मोटे तौर पर दिए गए हैं। वे शिक्षण विशिष्ट कौशल को स्पष्ट करते हैं जो विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में विभिन्न अवधारणाओं को सीखने के माध्यम से प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। एन.सी.ई.आर.टी पाठ्यपुस्तक अध्यायों में वर्णित प्रत्येक अवधारणा के लिए इन सीखने के प्रतिफलों के दायरे की स्पष्ट समझ, शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए शिक्षण और सीखने की बेहतर योजना बनाने में बहुत मददगार होगी। विषय की सभी इकाइयों और पाठ्यपुस्तक के अध्यायों के लिए विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफलों (सीएलओ) और क्षमताओं को सूचीबद्ध करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया गया है।

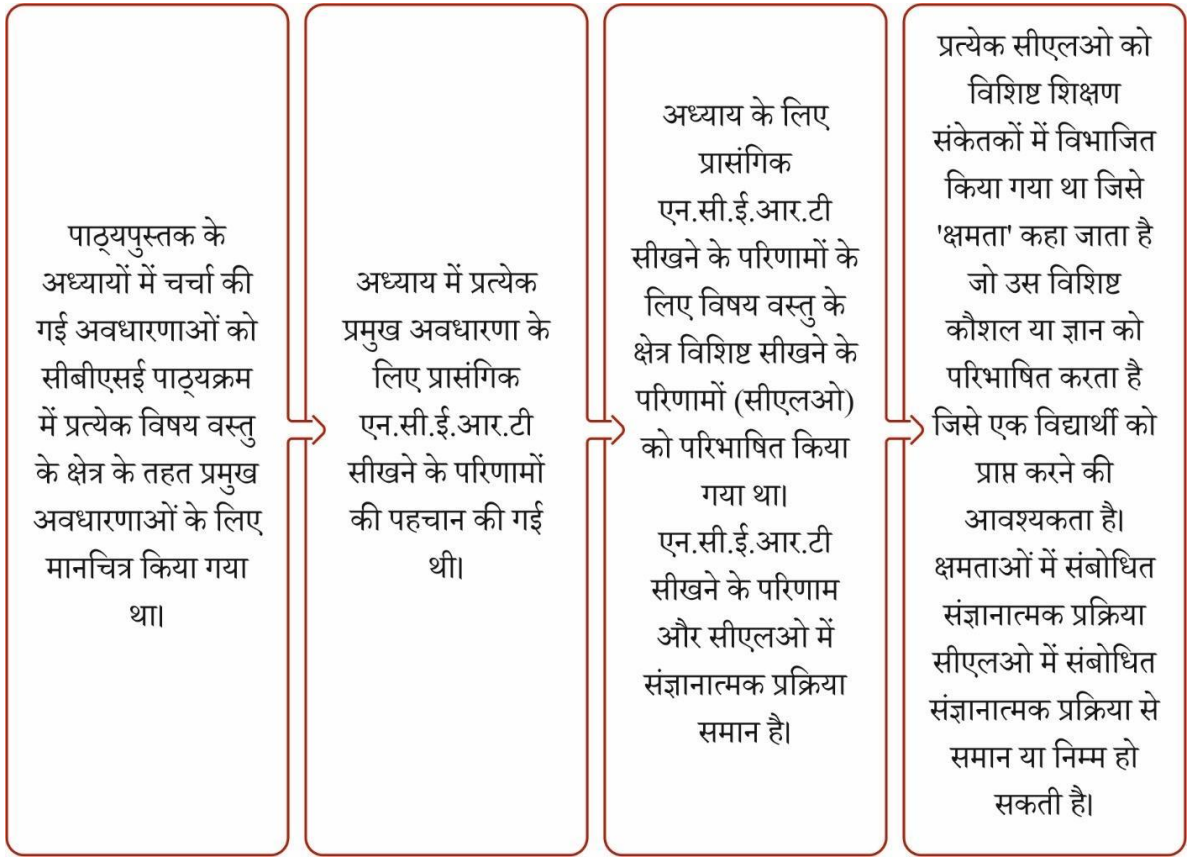

तालिका VI: विषयवस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल और क्षमता – कक्षा: ११

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
पाठ्य पुस्तक - आरोह				
गद्य खंड 1. नमक का दरोगा	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**1.** कहानी पढ़कर समझते हुए उससे जुड़े सामाजिक मुद्दों के बारे में बता पाएँगे
			सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**2.** कहानी में आए विभिन्न पात्रों के इरादों और मनोभाव पर अपने विचार साक्ष्य के साथ साझा कर पाएँगे
				सी**3.** कहानी के पात्रों का विश्लेषणात्मक अध्ययन कर उनकी भूमिका और मुख्य घटनाओं पर उनके प्रभाव स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ३. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी**4.** कहानी की घटनाओं को समाज की वर्तमान स्थिति से जोड़कर स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड **1.** नमक का दरोगा	**शब्दज्ञान**	एलओ७. कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली कामकाजी हिंदी की समझ प्रकट करते हैं।	सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी**5.** अप्रचलित मुहावरों का अर्थ व प्रयोग समझ पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ५. शब्द-भेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**6.** उर्दू शब्दों का अर्थ समझकर प्रयोग कर पाएँगे
	लेखन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/ बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों के बारे में अपनी राय लिखते हैं	सी**7.** पाठ के मुख्य और गौण चरित्र के बारे में बताते हुए चरित्र-चित्रण लिख पाएँगे
		एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**8.** संदर्भ के अनुसार उपयुक्त भाषा का प्रयोग करते हुए पक्ष और विपक्ष में अनुच्छेद लिख पाएँगे (विषय- घूसखोरी, न्याय-व्यवस्था)
	वाचन व श्रवण		सीएलओ८. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी**9.** न्याय व्यवस्था और उसकी भूमिका पर अपने विचार मौखिक रूप से बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 2. मियां नसीरुद्दीन	**पठन**	एलओ४. विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ३. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी**10.** कहानी की घटनाओं को वर्तमान जीवन से जोड़कर बता पाएँगे
			सीएलओ९. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी में घटनाओं की व्याख्या करते हैं	सी**11.** कहानी की घटनाओं का तर्क-सहित विवरण कर पाएँगे
			सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी के स्वर और संदेश का अनुमान लगाते हैं	सी**12.** कहानी में आए वाक्यांशों का भाव स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**13.** पाठ से संबंधित कथन का अभिप्राय स्पष्ट कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ११. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी**14.** अनेकार्थ शब्दों का अर्थ और प्रयोग स्पष्ट कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**15.** दिए गए लेख/अनुच्छेद में विशेषणों को पहचानकर लेखन में उसका महत्त्व स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 2. मियां नसीरुद्दीन	**लेखन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/ बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**16.** पाठ के मुख्य विषय पर अपनी राय देते हुए, पाठ से उपयुक्त उदाहरण लेकर एक लेख लिख पाएँगे
	लेखन	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**17.** अखबार में सूचना लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और	सीएलओ१३. कला के मुद्दों पर सुसंगत प्रस्तुतियाँ करते हैं	सी**18.** विभिन्न राज्यों की विभिन्न हस्त कलाओं का इतिहास व उनकी वर्तमान स्थिति को दर्शाते हुए प्रस्तुतीकरण कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।		
गद्य खंड 3. अपू के ढाई साल	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**19.** पात्रों की भूमिका और महत्व को स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**20.** फ़िल्म जगत की वास्तविकताओं और लेखक के अनुभवों के बारे में अपने विचार व्यक्त कर पाएँगे
			सीएलओ१४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी के कथानक का विश्लेषण करते हैं	सी**21.** विभिन्न घटनाक्रम का प्रभाव समझकर कहानी में आने वाले परिवर्तन को स्पष्ट कर पाएँगे
		एलओ८. फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के समान दृश्यमाध्यम की भाषा का प्रयोग अपनी रचनाओं में करते हैं।	सीएलओ१५. फ़िल्म को ध्यान से देखकर उसका विश्लेषण करते हैं	सी**22.** सिनेमा से संबंधित पात्रों और वस्तुओं का महत्व साझा कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 3. अपू के ढाई साल	**शब्दज्ञान**	एलओ१०. हिंदी के साथ साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ१६. हिंदी और अन्य भाषाओं का धाराप्रवाह उपयोग करते हैं	सी**23.** पाठ में तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्दों और उनके प्रयोग व भूमिका को स्पष्ट कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग- माध्यमों के द्वारा करते हैं।	सीएलओ१७. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**24.** सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्यों के उदाहरण देकर उनके नियम स्पष्ट कर पाएँगे
	लेखन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१८. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी**25.** किसी दृश्य को शब्दों में वर्णित कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 3. अपू के ढाई साल		एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**26.** पाठ से संबंधित विषय पर अनुच्छेद लिख पाएँगे (सिनेमा, सिनेमा का बदलता रूप)
	वाचन व श्रवण	एलओ८. फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के समान दृश्यमाध्यम की भाषा का प्रयोग अपनी रचनाओं में करते हैं।	सीएलओ१५. फ़िल्म को ध्यान से देखकर उसका विश्लेषण करते हैं	सी**27.** फ़िल्म के किसी दृश्य को सुनकर उसमें आए पात्रों के भावों के बारे में बता पाएँगे
गद्य खंड 4. विदाई-संभाषण	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे-	सीएलओ१९. पाठ्य पुस्तक में शामिल ऐतिहासिक पाठ में व्यक्त मुद्दों को समझते हैं	सी**28.** लेख की विधा और लेखक के विचारों को स्पष्ट रूप से वर्णित कर पाएँगे सी**29.** वाक्यांश/अनुच्छेद का आशय स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।		सी**30.** व्यंग्यात्मक लेख का वर्तमान काल से संबंध जोड़ते हुए लेख का औचित्य स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**31.** विषय-विस्तार के लिए प्रयुक्त उदाहरणों का विश्लेषण कर उनका अर्थ स्पष्ट कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ१०. हिंदी के साथ साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ११. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी**32.** आधुनिक शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य का अर्थ स्पष्ट कर पाएँगे
गद्य खंड 4. विदाई-संभाषण	**व्याकरण**		सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**33.** विशेषण और क्रिया विशेषण में अंतर समझते हुए उसका प्रयोग कर पाएँगे
	लेखन	एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**34.** किसी विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१८. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी**35.** व्यंग्यात्मक भाषा शैली का प्रयोग करते हुए रचना (छोटी कहानी/कविता) लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ२०. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों के बारे में अपनी राय बोलकर अभिव्यक्त करते हैं	सी**36.** पात्रों के व्यवहार और व्यक्तित्व से संबंधित चर्चा साक्ष्य के साथ कर पाएँगे
गद्य खंड 5. गलता लोहा	**पठन**	एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी के कथानक का विश्लेषण करते हैं	सी**37.** विषयवस्तु के आधार पर घटना और उसके प्रभाव का संबंध स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**38.** कहानी के अंत की सार्थकता पर अपने विचार व्यक्त कर पाएँगे
			सीएलओ२१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी में प्रस्तुत सामाजिक मुद्दे का विश्लेषण करते हैं	सी**39.** विभिन्न पक्षों की तुलना करते हुए उसके बारे में अपने विचार बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 5. गलता लोहा				सी**40.** कहानी का उद्देश्य व उसका सार अपने शब्दों में व्यक्त कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ२२. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**41.** अपनी पसंद/रुचि के दो व्यवसायों से संबंधित शब्दावली के बारे में पता लगाकर उसका प्रयोग सीख पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग- माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**42.** संज्ञा के स्थान पर उचित सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य को पुन: लिख पाएँगे (सर्वनाम के भेदों पर विशेष ज़ोर)
	लेखन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और	सीएलओ६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों के बारे में अपनी राय लिखते हैं	सी**43.** पाठ मे आए मुख्य पात्र का चरित्र-चित्रण कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		
गद्य खंड 5. गलता लोहा		एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**44.** पाठ से संबंधित विषय पर विज्ञापन लिख पाएँगे (विषय - शिक्षा सबका अधिकार)
	वाचन व श्रवण	एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ५०. दूसरों के साथ अनौपचारिक बातचीत करते हैं और उचित प्रतिक्रिया देते हैं	सी**45.** पाठ के विषय से संबंधित किसी के निजी अनुभवों को सुनकर उस पर अपनी राय दे पाएँगे
गद्य खंड 6. रजनी	**पठन**	एलओ४. विविध साहित्यिक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ२६. पाठ्य पुस्तक में शामिल नाटक के तत्वों को समझते हैं	सी**46.** नाटक को पढ़कर उसके अंग पहचान पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 6. रजनी		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		सी**47.** पटकथा का अर्थ और महत्व साझा कर पाएँगे
			सीएलओ२७. पाठ्य पुस्तक में शामिल नाटक पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**48.** पात्र, संवाद और भावों का संबंध साझा कर पाएँगे
				सी**49.** नाटक में पात्रों और उनके व्यवहार की भूमिका का विश्लेषण कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ१६. हिंदी और अन्य भाषाओं का धाराप्रवाह उपयोग करते हैं	सी**50.** कोड मिक्सिंग और कोड स्विचिंग का अर्थ समझते हुए उससे संबंधित उदाहरण ढूँढ़ पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ२८. विराम चिह्न के नियमों को समझते हैं और लागू करते हैं	सी**51.** पाठ का स्वर सेट करने के लिए पूर्ण विराम और अल्पविराम का सही ढंग से उपयोग कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 6. रजनी	**लेखन**	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ२९. एक नाटक और एक कहानी के बीच अंतर का विश्लेषण करते हैं	सी**52.** नाटक को कहानी में परिवर्तित कर लिख पाएँगे
		एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**53.** आधुनिक संचार माध्यम (मोबाइल, इंटरनेट) से संबंधित लेख लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ१. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / स्थितिविशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को	सीएलओ३०. विभिन्न भूमिकाओं में एक नाटक में भाग लेते हैं	सी**54.** एक लघु नाटक प्रस्तुत कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- पानी के बिना एक दिन, बिना आँखों के एक दिन।		
गद्य खंड 7. जामुन का पेड़	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**55.** संवाद के आधार पर पात्रों के मनोभाव व इरादों का अनुमान लगा पाएँगे
			सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**56.** विषयवस्तु में से महत्त्वपूर्ण/ विशिष्ट जानकारी छाँट पाएँगे
			सीएलओ१४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी के कथानक का विश्लेषण करते हैं	सी**57.** शीर्षक की सार्थकता पर अपने विचार साक्ष्य सहित बता पाएँगे
			सीएलओ९. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी में घटनाओं की व्याख्या करते हैं	सी**58.** विषयवस्तु की घटनाओं का तार्किक विश्लेषण कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ१०. हिंदी के साथ साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ१६. हिंदी और अन्य भाषाओं का धाराप्रवाह उपयोग करते हैं	सी**59.** अंग्रेज़ी शब्दों का हिंदी अनुवाद करते हुए उसका वाक्यों में प्रयोग कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 7. जामुन का पेड़	**व्याकरण**	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ१७. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**60.** वाक्य (संयुक्त वाक्य) निर्माण के नियम समझकर प्रयोग कर पाएँगे (प्रधान और उपप्रधान वाक्य के बारे में बताना, उचित योजक शब्द का प्रयोग करना)
	लेखन	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ३१. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों और घटनाओं पर सार्थक प्रश्न लिखते हैं	सी**61.** साक्षात्कार लेखन कर पाएँगे (साक्षात्कार से पहले, दौरान और बाद में की जाने वाली तैयारियों पर चर्चा)
		एलओ१. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / स्थितिविशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को		सी**62.** घटना के बारे में विस्तार से जानने के उद्देश्य से प्रश्न-निर्माण कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**63.** किसी घटना को सुनकर उसके पक्ष और विपक्ष में अपने विचार बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- पानी के बिना एक दिन, बिना आँखों के एक दिन।		
गद्य खंड 8. भारत माता	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**64.** लेखक के मनोभाव और उद्देश्य को समझकर अपने विचार साक्ष्य के साथ साझा कर पाएँगे
			सीएलओ३. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी**65.** स्वतंत्रत देश के स्वतंत्र नागरिक होने की भावना को साझा कर पाएँगे
			सीएलओ९. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी में घटनाओं की व्याख्या करते हैं	सी**66.** लेख की एक मुख्य घटना से संबंधित अपने विचार तर्क-सहित बता पाएँगे
			सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**67.** लेखकके अनुभवों को समझकर उससे जुड़े मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित	सीएलओ२३. संदर्भ के आधार पर रोज़मर्रा के हिंदी शब्दों को समझते हैं	सी**68.** देश-भक्ति व स्वतंत्रता से संबंधित प्रचलित शब्दों का अर्थ समझकर बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
गद्य खंड 8. भारत माता		शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।		
	व्याकरण	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**69.** भाववाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य-निर्माण कर पाएँगे
	लेखन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**70.** पाठ से संबंधित अनुच्छेद का अर्थ स्पष्ट करते हुए सार लिख पाएँगे
गद्य खंड	**लेखन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**71.** विषयवस्तु से संबंधित विभिन्न विषयों पर अनुच्छेद लेखन पर पाएँगे (अनेकता में एकता, एक हिंदुस्तान)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
8. भारत माता		लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।		
	वाचन व श्रवण	एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ८. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी**72.** वर्तमान काल में देश-प्रेम और 'भारत माता की जए' इस नारे की प्रासंगिकता पर अपने विचार और अवलोकन बता पाएँगे
काव्य खंड 9. कबीर	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**73.** पद को पढ़कर उनका आशय स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ३१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी**74.** रचना काल के संदर्भ को वर्तमान काल से जोड़कर उसका संबंध बना पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ१०. हिंदी के साथ- साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति	सीएलओ३४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी**75.** रस और उसके प्रकार को स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।		
	व्याकरण	एलओ४. विविध साहित्यक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ३५. कविताओं के गठन और संरचना को समझते हैं	सी**76.** छंद के प्रकार और नियम को समझकर उचित छंद का चयन कर पाएँगे
	लेखन	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३६. कविता का सारांश लिखते हैं	सी**77.** पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या लिख पाएँगे
				सी**78.** कबीर के अन्य दोहे ढूँढकर उनकी व्याख्या लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ३७. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी**79.** पद को उचित लय में सुना पाएँगे
	पठन	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है	सीएलओ३८. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**80.** मीरा के जीवन के बारे में धारणा बना पाएँगे
			सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**81.** मीरा के पद की अर्थ सहित व्याख्या कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।		
काव्य खंड 10. मीरा	**शब्दज्ञान**	एलओ१०. हिंदी के साथ साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ३४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी**82.** पद में प्रयुक्त लयबद्धता को स्पष्ट कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ४. विविध साहित्यक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**83.** भाववाचक संज्ञा शब्दों को पहचान पाएँगे
काव्य खंड 10. मीरा	**लेखन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं	सीएलओ३६. कविता का सारांश लिखते हैं	सी**84.** पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या लिख पाएँगे
			सीएलओ३९. एक कविता और एक लेख के बीच अंतर का विश्लेषण करते हैं	सी**85.** पदों में दिए गए वर्णन को लेख के रूप में लिख पाएँगे; उस समय के समाज/संस्कृति की कल्पना कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
	वाचन व श्रवण	और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३७. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी**86.** वाक्य/पंक्तियों को सुनकर उसमें निहित रस पहचान पाएँगे
काव्य खंड 11. घर की याद	**पठन**	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**87.** कविता पढ़कर उसके अर्थ का वर्णन कर पाएँगे
				सी**88.** कविता को पढ़कर उसका मानसिक चित्रण कर पाएँगे
			सीएलओ४१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता में घटनाओं की व्याख्या करते हैं	सी**89.** कविता के पदों/घटनाओं के बीच संबंध को स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ३४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी**90.** कविता के पदों में अनेकार्थी शब्दों के प्रयोग को समझ पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं	सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी**91.** प्राकृतिक उपादानों का विशेष संदर्भों में प्रयोग स्पष्ट कर पाएँगे (जैसे बादल का प्रयोग संदेशवाहक के रूप में)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 11. घर की याद		और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**92.** निपात शब्दों का प्रयोग और महत्व स्पष्ट कर पाएँगे
	लेखन	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३६. कविता का सारांश लिखते हैं	सी**93.** कविता का सार अपने शब्दों में लिख पाएँगे
		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर	सीएलओ६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों के बारे में अपनी राय लिखते हैं	सी**94.** कवि की मन:स्थिति का वर्णन अपने शब्दों में कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		
काव्य खंड 11. घर की याद	**वाचन व श्रवण**	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३७. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी**95.** कविता में समतुकांत शब्दों के प्रयोग की सराहना करते हुए 3-4 पदों का लयबद्ध वाचन कर पाएँगे
काव्य खंड 12. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती	**पठन**	एलओ४. विविध साहित्यक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ३४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी**96.** आधुनिक कविताओं की लेखन तकनीक के बारे में विस्तार से बात कर पाएँगे
		एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए	सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**97.** शब्दों/वाक्यांशों का भाव स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 12. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती		रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।		सी**98.** कविता के पात्रों के इरादों/ उद्देश्यों और मनोभाव को समझ पाएँगे
		एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।		सी**99.** कविता के काल और मूलभाव का समालोचनात्मक विश्लेषण कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ२२. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**100.** क्षेत्रित भाषाओं में प्रयोग होने वाले 3-4 वाक्यांशों को ढूँढ़कर उन्हें एक अनुच्छेद/पद में प्रयोग कर पाएँगे, जैसे कि हारे गाढ़े काम सरेगा

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 12. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती	**व्याकरण**	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ१७. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**101.** वाक्य परिवर्तन कर पाएँगे (सरल से संयुक्त, संयुक्त से सरल या मिश्रित)
	लेखन	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**102.** लेख (शिक्षा का महत्व) लिख पाएँगे
		एलओ१. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / स्थितिविशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट	सीएलओ१८. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी**103.** काल्पनिक लेखन कर पाएँगे (चंपा पढ़ना-लिखना सीख लेती और कलकत्ता से कवि को पत्र लिखती, तो उसमें क्या लिखती)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		करते हैं। जैसे- पानी के बिना एक दिन, बिना आँखों के एक दिन।		
काव्य खंड 12. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती	**वाचन व श्रवण**	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३७. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी**104.** कविता को हाव-भाव के साथ पढ़कर सुना पाएँगे
काव्य खंड 13. गज़ल	**पठन**	एलओ४. विविध साहित्यक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ४०. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी**105.** गज़ल की सामयिक सार्थकता पर तर्क-वितर्क कर पाएँगे
	पठन	एलओ४. विविध साहित्यक विधाओं के अंतर को समझते हुए उनके स्वरूप का विश्लेषण करते हैं।	सीएलओ४०. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी**106.** गज़ल और शेर के संबंध को समझ पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 13. गज़ल	**शब्दज्ञान**	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ१६. हिंदी और अन्य भाषाओं का धाराप्रवाह उपयोग करते हैं	सी**107.** गज़ल में आए उर्दू शब्दों का अर्थ संदर्भ के आधार पर स्पष्ट कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी**108.** मुहावरों (उर्दू भाषा में प्रयुक्त मुहावरे) का संदर्भ के अनुसार प्रयोग कर पाएँगे
	लेखन	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ२४. विषयों के बारे में वर्णनात्मक रूप से लिखते हैं	सी**109.** भूतकाल से वर्तमान काल में आए विभिन्न परिवर्तनों का अवलोकन करके उसके बारे में लिख पाएँगे
		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३६. कविता का सारांश लिखते हैं	सी**110.** गज़ल के दो शेरों के बीच संबंध स्थापित कर उसे अपने शब्दों में लिखकर समझा पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
	वाचन व श्रवण	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३७. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी**111.** एक-दो मशहूर गज़लों को सुनकर अपनी एक पसंदीदा गज़ल से कुछ शेर गाकर सुना पाएँगे
काव्य खंड 14. अक्क महादेवी	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ४१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता में घटनाओं की व्याख्या करते हैं	सी**112.** घटनाओं के संदर्भ में अपने तर्क दे पाएँगे
			सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**113.** पदों/पंक्तियों का आशय स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**114.** लेखिका के विचार पदों के आधार पर स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**115.** कविता के मूलभाव का आलोचनात्मक विश्लेषण कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 14. अक्क महादेवी	**शब्दज्ञान**		सीएलओ२२. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**116.** नए/कठिन शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य-निर्माण कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**117.** क्रिया-विशेषण शब्द और उसके विभिन्न भेदों का अर्थ समझकर उन्हें प्रयोग कर पाएँगे
	लेखन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३६. कविता का सारांश लिखते हैं	सी**118.** कविता के संदर्भ में जीवन में त्याग और समर्पण के महत्त्व के बारे में अपने विचार लिखकर व्यक्त कर पाएँगे
			सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**119.** विषयवस्तु के विषय से संबंधित अपने विचार लिख पाएँगे (क्या सब छोड़कर ईश्वर भक्ति करना सही है या नहीं? कारण सहित लेखन)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
	वाचन व श्रवण	एलओ६. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं। जैसे- कहानी का नाट्य रूपांतरण या कविता को कहानी का रूप देते है या किसी रचना को अपने ढंग से विस्तार देते हैं।	सीएलओ३७. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी**120.** कविता की पंक्तियों में भूख, प्यास आदि के मानवीकरण पर ध्यान देते हुए उस भाव को प्रकट करते हुए उन पंक्तियों को बोल पाएँगे
काव्य खंड 15. सबसे खतरनाक	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**121.** शीर्षक का अभिप्राय स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**122.** विषयवस्तु को पढ़कर उस काल में होनेवाली घटनाओं/परिस्थितियों की कल्पना कर पाएँगे
			सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी**123.** शब्द/वाक्यांश के दोहराव से विषयवस्तु पर पड़ने वाले प्रभाव की व्याख्या कर पाएँगे
			सीएलओ३३. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी**124.** विषयवस्तु को वर्तमान जीवन से जोड़कर उसके बारे में विचार व्यक्त कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 15. सबसे खतरनाक	**शब्दज्ञान**	एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ२२. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**125.** कविता से एक नया शब्द लेकर उसके दोहराव से 3-4 पंक्तियों क पद पद लिख पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी**126.** व्यंजना और अभिधा शब्द शक्ति का अर्थ और प्रयोग स्पष्ट कर पाएँगे।
	लेखन	एलओ१. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / स्थितिविशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**127.** विषयवस्तु (पात्र/घटना/क्रम) से संबंधित लेख लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 15. सबसे खतरनाक		करते हैं। जैसे- पानी के बिना एक दिन, बिना आँखों के एक दिन।		
		एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।		सी**128.** कविता से संबंधित विषय पर अपने मित्र को एक पत्र लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ६. अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे- कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण, डायरी आदि लिखना।	सीएलओ२५. अनुभवों के बारे में मौखिक रूप से साझा करते हैं	सी**129.** अपने ऐसे पलों के बारे में बता पाएँगे जब वे जीवन से निराश हुए थे
काव्य खंड 16. आओ मिलकर बचाएँ	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को	सीएलओ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**130.** शीर्षक का अभिप्राय स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**131.** विषयवस्तु को पढ़कर मुख्य मुद्दे के बारे में अपने विचार बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 16. आओ मिलकर बचाएँ		बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी**132.** शब्द/वाक्यांश के दोहराव से विषयवस्तु पर पड़ने वाले प्रभाव की व्याख्या कर पाएँगे
				सी**133.** विषयवस्तु में प्रयुक्त बिंबों की संरचनाओं पर तार्किक चर्चा कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ११. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी**134.** अक्खड़पन, जुझारूपन जैसी भाववाचक संज्ञाओं का प्रयोग करते हुए किसी व्यक्ति का चरित्र चित्रण कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ१७. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**135.** कविता में वाक्य संरचना को समझकर प्रयोग कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
काव्य खंड 16. आओ मिलकर बचाएँ	**लेखन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं । जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प ।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**136.** विषयवस्तु से संबंधित लेख लिख पाएँगे (भारतीय संस्कृति का बदलता स्वरूप)
				सी**137.** विषयवस्तु से संबंधित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**138.** विषयवस्तु को वर्तमान जीवन से जोड़कर उसके बारे में विचार व्यक्त कर पाएँगे
पाठ्य पुस्तक – वितान				
1. भारतीय गायिकाओं में सबसे बेजोड़- लता मंगेशकर	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं ।	सीएलओ४२. पाठ्य पुस्तक में शामिल सूचनात्मक पाठ पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी**139.** पात्र के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार बता पाएँगे
			सीएलओ४३. पाठ्य पुस्तक में शामिल सूचनात्मक पाठ पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**140.** जीवन-चक्र को स्पष्ट कर पाएँगे
				सी**141.** कथन और विषयवस्तु के मुख्य भाव का संबंध स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
1. भारतीय गायिकाओं में सबसे बेजोड़- लता मंगेशकर			सीएलओ४४. पाठ्य पुस्तक में शामिल सूचनात्मक पाठ के कथानक का विश्लेषण करते हैं	सी**142.** एक घटना का दूसरी घटना के साथ संबंध और प्रभाव पर चिंतन कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ८. फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के समान दृश्यमाध्यम की भाषा का प्रयोग अपनी रचनाओं में करते हैं।	सीएलओ११. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी**143.** संगीत से संबधित नए शब्दों को समझकर उनका प्रयोग कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**144.** विशेषण शब्दों का प्रयोग करते हुए किसी पात्र/व्यक्ति का परिचय दे पाएँगे
	लेखन		सीएलओ४५. पाठ का सारांश लिखते हैं	सी**145.** सार लेखन कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों के बारे में अपनी राय लिखते हैं	सी**146.** पाठ के भाव और लेखन शैली को समझते हुए लेखक का चरित्र-चित्रण कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ४०. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी**147.** लता मंगेशकर कोई एक गीत सुनकर उसका अर्थ अपने शब्दों में बता पाएँगे
2. राजस्थान की रजत बूँदें	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ४३. पाठ्य पुस्तक में शामिल सूचनात्मक पाठ पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**148.** विषयवस्तु पढ़कर उससे संबंधित जानकारी छाँट पाएँगे
				सी**149.** लेख के आधार पर स्थानीय जानकारी एकत्रित कर पाएँगे
			सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**150.** विषयवस्तु के पक्ष-विपक्ष में अपने तर्क बात पाएँगे
				सी**151.** विषयवस्तु के माध्यम से भाषा, समाज और संस्कृति का अध्ययन कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
2. राजस्थान की रजत बूँदें	**शब्दज्ञान**		सीएलओ२२. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**152.** विशेष कार्य/स्थान से संबंधित शब्दों को समझकर उनका वाक्यों में प्रयोग कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१०. हिंदी के साथ साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते हैं और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**153.** वाक्यों में आए मूल और परिवर्तित शब्द पहचानकर उनका अर्थ बता पाएँगे
	लेखन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ४५. पाठ का सारांश लिखते हैं	सी**154.** अपने शब्दों में अनुच्छेद का सार लिख पाएँगे
		एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**155.** विषयवस्तु से संबंधित लेख लिख पाएँगे (समाज का बदलता रूप)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
2. राजस्थान की रजत बूँदें		समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।		
	वाचन व श्रवण	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ४६. सीखी गई जानकारी के आधार पर राय बनाकर व्यक्त करते हैं	सी**156.** किसी स्थान के बारे में सुनकर वहाँ की जीवनशैली के बारे में अपने विचार बता पाएँगे
3. आलो-आँधारि	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ४७. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी**157.** विषयवस्तु के माध्यम से भाषा, समाज और संस्कृति का अध्ययन कर पाएँगे
				सी**158.** विषयवस्तु के विभिन्न अंश पढ़कर उसके सामाजिक संबंध पर चिंतन कर पाएँगे
				सी**159.** विषयवस्तु के आधार पर भिन्न व्यवसाय (घरेलू काम करने वाले) और उनकी कठिनाइयों पर तर्क-वितर्क कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
3. आलो-आँधारि				सी**160.** लेखक के मनोभाव और अनुभवों को समझकर पाठ से उपयुक्त उदाहरण लेते हुए उन्हें स्पष्ट कर पाएँगे
	शब्दज्ञान		सीएलओ११. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी**161.** कहानी में आए नए/कठिन शब्दों का अर्थ विषयवस्तु के आधार पर स्पष्ट कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१३. सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए भाषा एवं साहित्य के नवीन कौशलो को अर्जित करते हैं एवं उसकी भाषिक अभिव्यक्ति अलग अलग माध्यमों से करते हैं।	सीएलओ५. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**162.** वाक्यों में प्रयुक्त शब्दों में संधि पहचान पाएँगे
	लेखन	एलओ१. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / स्थितिविशेष में भाषा का काल्पनिक और सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट	सीएलओ१८. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी**163.** काल्पनिक लेखन कर पाएँगे (कहानी के किसी एक पात्र के न होने से कहानी पर क्या प्रभाव पड़ता, कोई पात्र अपनी प्रकृति के विरुद्ध काम करता तो क्या होता, कहानी को कोई नया अंत देना)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
3. आलो-आँधारि		करते हैं। जैसे- पानी के बिना एक दिन, बिना आँखों के एक दिन।		
		एलओ६. अपने अनुभवों एवं कल्पनाओं को सृजनात्मक ढंग से लिखते हैं। जैसे- कोई यात्रा वर्णन, संस्मरण, डायरी आदि लिखना।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**164.** लेख लिख पाएँगे (डूबते को तिनके का सहारा / जीवन में चुनौतियों से जूझना – ऐसे विषयों पर व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर लेख लिखना)
	वाचन व श्रवण	एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**165.** असंगठित क्षेत्र में कार्य/व्यवसाय करने की चुनौतियाँ – विषय पर सामूहिक चर्चा कर पाएँगे
4. भारतीय कलाएँ	**पठन**	एलओ३. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं	सीएलओ४३. पाठ्य पुस्तक में शामिल सूचनात्मक पाठ पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी**166.** विषयवस्तु पढ़कर उससे संबंधित जानकारी छाँट पाएँगे
				सी**167.** विभिन्न कलाओं के बारे में समझकर उसके बारे में अपने विचार बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
4. भारतीय कलाएँ		। जैसे- बदलती प्रकृति, डिजिटल शिक्षा एक विकल्प।	सीएलओ४७. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी**168.** विभिन्न कलाओं के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर चिंतन कर पाएँगे
				सी**169.** कला, संस्कृति और भाषा के संबंध पर अपने विचार बताते हुए तर्क-वितर्क कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ२२. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**170.** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करते हुए अर्थ स्पष्ट कर पाएँगे।
	व्याकरण	एलओ१०. हिंदी के साथ-साथ अन्य भाषाओं को भी सीखने का प्रयास करते है और उनकी प्रकृति और अंर्तसंबंधों के प्रति जागरूक रहते हैं।	सीएलओ१७. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी**171.** वाक्यों में आए मूल और परिवर्तित शब्द पहचानकर उनका अर्थ बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के प्रतिफल (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल (सीएलओ)	दक्षताएँ
4. भारतीय कलाएँ	**लेखन**	एलओ१२. सामाजिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से चुनौती प्राप्त समूहों के प्रति संवेदनशीलता एवं समानुभूति लिखकर एवं बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हैं	सी**172.** विषय के पक्ष/विपक्ष में अपने विचार और साक्ष्य लिख पाएँगे
		एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी**173.** लेख लिख पाएँगे (डिजिटल दौर में कला के रूप)
	वाचन व श्रवण		सीएलओ१३. कला के मुद्दों पर सुसंगत प्रस्तुतियाँ करते हैं	सी**174.** अपने पसंदीदा कला क्षेत्र के बारे में जानकारी एकत्रित करके कक्षा में एक-दूसरे के साथ साझा कर पाएँगे

तालिका VII: विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के प्रतिफल और क्षमता – कक्षा: १२

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
पाठ्य पुस्तक - आरोह				
काव्य खंड 1. हरिवंश राय बच्चन	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी1. कवि के कल्पना संसार, भावार्थ और जीवन से जुड़े उद्देश्य को स्पष्ट कर पाएँगे
				सी2. कवि द्वारा लिखी दो विपरीत विषय अनुसार प्रयोग हुए भावों को स्पष्ट कर पाएँगे
				सी3. दोनों कविताओं की तुलना कर पाएँगे
			सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी4. कविताओं के विषय से अपनी भावनाओं /अनुभवों को जोड़ पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं।	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी5. पर्यायवाची शब्दों के प्रभाव को पहचान पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।		
काव्य खंड 1. हरिवंश राय बच्चन	**व्याकरण**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ४. विराम चिह्न के नियमों को समझते हैं और लागू करते हैं	सी6. कविता में प्रयोग हुए विभिन्न विराम चिन्हों का प्रयोग पहचान पाएँगे
	लेखन	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ५. अपने अनुभवों, भावनाओं और विचारों के बारे में लिखते हैं	सी7. द्विधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंधों का मर्म उद्घाटित करते हुए अपना आत्मपरिचय लिख पाएँगे
		एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से	सीएलओ६. विषयों के बारे में वर्णनात्मक रूप से लिखते हैं	सी8. प्रकृति की परिवर्तनशीलता का वर्णन लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।		
काव्य खंड 1. हरिवंश राय बच्चन	**वाचन व श्रवण**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ७. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी9. कविता रचना, लय और ताल को स्पष्ट कर पाएँगे
काव्य खंड 2. आलोक धन्वा	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी10. लंबी/ बड़ी कविता के एक हिस्से/ भाग को पढ़ कर स्पष्ट कर पाएँगे (पाठ्यपुस्तक में सिर्फ तीसरा भाग शामिल किया गया है)
			सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी11. कविता रचना में प्रस्तुत चित्रण की कल्पना कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
				सी12. कविता की की गई तुलना का विश्लेषण कर पाएँगे - पतंग, संघर्ष, कठिनाइयाँ, सफलता आदि
				सी13. कविता में आए बिंबों को सही ढंग से पढ़ पाएँगे
काव्य खंड 2. आलोक धन्वा	**शब्दज्ञान**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी14. ऋतु चित्रण के शब्दों, उपमा तथा रूपक को परिभाषित कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी15. कविता में विशेषताओं की सूची बना पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	लेखन	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ६. विषयों के बारे में वर्णनात्मक रूप से लिखते हैं	सी16. प्रकृति का वर्णन, चित्रण अपने शब्दों में लिख पाएँगे
काव्य खंड 2. आलोक धन्वा		एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना / विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी17. पतंग की उड़ान और जीवन के मूल्यों और संघर्ष को आपस में जोड़ कर व्याख्या कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	वाचन व श्रवण	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलगअलग क्षेत्रों के लोगों प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी18. अपने आस-पास प्राकृतिक बदलाव का चित्रण और वर्णन अपने शब्दों में कर पाएँगे
काव्य खंड 3. कुँवर नरायण	**पठन**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी19. कवि की भाषा में उनका संयम, परिष्कार और साफ-सुथरापन का अनुभव कर पाएँगे
				सी20. कविताओं में छुपे – संशय , संभ्रम, प्रश्नाकुलता पर विश्लेषण कर पाएँगे
				सी21. कविताओं में प्रस्तुत की गई बातों/ तुलनाओं को स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 3. कुँवर नरायण				सी22. कविताओं में भाषा की सादगी और सहूलियत का मूल्य जान पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी23. कविताओं द्वारा बताए रूपक और उपमा शब्दों के चयन का संकरण कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी24. कविता की पंक्तियों में व्याकरणिक विशेषताओं को पहचान पाएँगे
	लेखन		सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी25. एक कवि से प्रेरित होकर सरल, सादी भाषा का प्रयोग करते हुए बिंबों की व्याख्या कर पाएँगे
		एलओ९. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी26. कविता से प्रेरित होते हुए उपमाओं के प्रयोग के साथ जीवन के किसी अन्य पड़ाव (बुढ़ापा, जवानी) पर लेख लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी27. दोनों कविताओं में शब्दों, पंक्तियों के बदलाव को सुन कर स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 3. कुँवर नरायण		सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		
काव्य खंड 4. रघुवीर सहाय	**पठन**	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी28. कविता में प्रस्तुत विषय और समस्या को जान पाएँगे
				सी29. कविता के माध्यम से समाज पर टिप्पणी करने की शक्ति से परिचित हो पाएँगे
			सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी30. कवि की संवेदनशीलता का पता लगा पाएँगे
			सीएलओ१४. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता में घटनाओं की व्याख्या करते हैं	सी31. कवि द्वारा प्रस्तुत घटनाओ की विडंबना और त्रासदी का पता लगा पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ६. पाठ में आयी हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी32. प्रश्न पूछने वाले संवेदनशील शब्दों का चयन कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		ध्यान देते हैं और उनका प्रयोग करते हैं। जैसे- जैविक खेती पर किसानों और कृषि विशेषज्ञों के साक्षात्कार, बातचीत या हस्तकला पर किसी लोक कलाकार से बातचीत के लिए कुछ सवालों के बिंदु तैयार करना।		
काव्य खंड 4. रघुवीर सहाय	**व्याकरण**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ१६. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी33. कोष्ठकों में लिखी पंक्तियाँ और बाकी पंक्तियों में अंतर पढ़ कर अंतर बता पाएँगे
	लेखन	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रया को बोलकर लिखकर	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी34. शारीरिक चुनौतियों को झेलने वाले व्यक्तियों की त्रासदी को समझ कर अपने विचार व्यक्त कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 4. रघुवीर सहाय		व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रया व्यक्त करते हैं	सी35. पत्रकारिता और दृश्य- संचार माध्यम की शक्ति और ज़िम्मेदारी पर आलेख कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ९. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।	सीएलओ१८. मौखिक अभिव्यक्ति में सही स्वर और गति का उपयोग करते हैं	सी36. नाटकीय रूप कविता का वाचन कर पाएँगे
काव्य खंड 5. शमशेर बहादुर सिंह	**पठन**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिब और अलंकार इत्यादि ।	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी37. कविता के मिज़ाज को स्पष्ट कर पाएँगे
				सी38. शब्दों द्वारा केवल प्रकृति का बदलाव ही नहीं, परंतु उसकी गति की भी कल्पना कर पाएँगे
		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता		सी39. सूर्योदय और जीवंत परिवेश की तुलना पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 5. शमशेर बहादुर सिंह		सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२१. संदर्भ के आधार पर रोज़मर्रा के हिंदी शब्दों को समझते हैं	सी40. कविता में आसान और रोज़ की बातचीत में आने वाले शब्दों का आनंद ले पाएँगे ।
	शब्दज्ञान	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी41. गतिशील वर्णन और शब्द वर्णन के लिए विशिष्ट शब्दज्ञान की रचना कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ१६. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी42. कविता में कोष्ठक, विराम चिन्ह और पंक्तियों की लंबाई का प्रयोग और परिवर्तन स्पष्ट कर पाएँगे
	लेखन	एलओ९. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।	सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी43. कविता के विषय – सूर्योदय पर अपने शब्दों में रचनात्मक शैली प्रस्तुत कर पाएँगे
		एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से	सीएलओ६. विषयों के बारे में वर्णनात्मक रूप से लिखते हैं	सी44. क्रियाओं का उपयोग करते हुए एक प्राकृतिक गतिशीलता का वर्णन लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 5. शमशेर बहादुर सिंह		बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।		
	वाचन व श्रवण	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी45. शब्द चित्रण और गतिशील चित्रण पर संवाद कर पाएँगे
काव्य खंड 6. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी46. बादल के क्रांतिदूत रूप के चित्रण की कल्पना कर पाएँगे
				सी47. प्रकृति के मानवीय रूप को पढ़ कर अनुभव कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 6. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला		हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी48. कविता के विषय अनुसार जीवन और समाज की श्रेणी स्थापित कर पाएँगे
			सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी49. वाक्यांशों को समझते हुए समाज निर्माण की प्रक्रिया से स्वयं को जोड़ पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी50. कविता में प्रतीकों को स्पष्ट कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ४. विराम चिह्न के नियमों को समझते हैं और लागू करते हैं	सी51. कविता में अल्पविराम, विस्मयादिबोधक चिन्ह के प्रयोग का कारण जान पाएँगे
	लेखन	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक	सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी52. प्रकृति के किसी दृश्य पर सौन्दर्यपरक शब्दों के मानवीकरण को लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 6. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला		प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ२०. कविता का सारांश लिखते हैं	सी53. कविता में दर्शाए गए पंक्तियों पर व्याख्या कर पाएँगे जैसे- सुख को अस्थिर
	वाचन व श्रवण	एलओ७. सभी प्रकार की विविधताओं धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र एवं भाषा के प्रति संबंधी तार्किक ढंग से चर्चा करते हैं।	सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी54. प्रगतिवादी विचारधारा और लघुमान संप्रदाय पर चर्चा कर पाएँगे
काव्य खंड 7. तुलसीदास	**पठन**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी55. छंद (दोहा, सोरठा, कवित्त) पढ़कर उसके अर्थ पर चिंतन कर पाएँगे
				सी56. छंद में आए शब्दों का अर्थ स्पष्ट कर पाएँगे
		एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी57. विषयवस्तु के आधार पर सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों का विश्लेषण कर उसका औचित्य बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 7. तुलसीदास		व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।		
	शब्दज्ञान	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी58. मानवीकरण अलंकार को समझकर उसका प्रयोग कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ२२.हिंदी में शब्द संरचना और गठन के नियमों को समझते हैं	सी59. विभिन्न छंदों में प्रयुक्त मात्राओं के बारे में समझकर उन्हें पहचान पाएँगे
	लेखन		सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी60. विभिन्न रसों से संबंधित पंक्तियाँ लिख पाएँगे
		एलओ९. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।		सी61. छंदों का सार अपने शब्दों में लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 7. तुलसीदास	**वाचन व श्रवण**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी62. छंदों को सुनकर उनका अर्थ स्पष्ट कर पाएँगे
काव्य खंड 8. फ़िराक गोरखपुरी	**पठन**	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ७. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी63. रुबाई की छंद शैली को जान पाएँगे
		एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी64. कवि द्वारा की गई तुलनाओं की काल्पनिक उपमा कर पाएँगे (गोदऔर आसमान का चाँद)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 8. फ़िराक गोरखपुरी		सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी65. कवि की काल्पनिक शैली को अपनी भावनाओं से जोड़ पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ२३. हिंदी और अन्य भाषाओं का धारा प्रवाह उपयोग करते हैं	सी66. उर्दू/ लोकभाषा शब्दों का प्रयोग अनुसार अर्थ स्थापित कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ२४. कविताओं के गठन और संरचना को समझते हैं	सी67. रुबाई में काफ़िया मिलाने वाली और स्वतंत्र पंक्तियों के मध्य अंतर स्थापित कर पाएँगे।

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 8. फ़िराक गोरखपुरी	**लेखन**	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ२०. कविता का सारांश लिखते हैं	सी68. रुबाई के छंद पर व्याख्या लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी69. कवियों के लिखने के अंदाज और एक दूसरे के प्रभाव पर चर्चा कर पाएँगे
	पठन	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी70. सुंदर दृश्य बिंबयुक्त कविता को पढ़ कर कपलनिक छवि बना पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		सी71. कविता में प्रयोग हुए संदर्भों को स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी72. कविताओं का मूल रूप समझ कर कवि की भवनाओ के साथ जुड़ पाएँगे
काव्य खंड 9. उमाशंकर जोशी		एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।	सीएलओ७. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसके तत्वों को समझते हैं	सी73. प्रत्येक छंद की भिन्न लंबाई के कारण को पहचान पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी74. कविता में रूपक अलंकार के प्रयोग और भाव को जान पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।		
	व्याकरण	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर/ बोलकर एवं विचारविमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१६. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी75. वाक्यों में सरल, संयुक्त और मिश्रित वाक्य का चयन कर पाएँगे
काव्य खंड 9. उमाशंकर जोशी	**लेखन**	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी76. खेतों में आँधी और भावनात्मक आँधी पर टिप्पणी दे पाएँगे
			सीएलओ२०. कविता का सारांश लिखते हैं	सी77. कविता में प्रयोग हुए संदर्भों (छोटे खेत और काग़ज़ के पन्नों) पर व्याख्या कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ६. पाठ में आई हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी78. कविता सुन कर प्राकृतिक दृश्यों को किसी कला के माध्यम से दर्शा पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
काव्य खंड 9. उमाशंकर जोशी		ध्यान देते हैं और उनका प्रयोग करते हैं। जैसे- जैविक खेती पर किसानों और कृषि विशेषज्ञों के साक्षात्कार, बातचीत या हस्तकला / पर किसी लोक कलाकार से बातचीत के लिए कुछ सवालों के बिंदु तैयार करना।		
गद्य खंड 10. महादेवी वर्मा (भक्तिन)	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२५. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी79. शीर्षक पढ़ कर पाठ के मुख्य पात्र का अनुमान लगा पाएँगे सी80. लेखिका द्वारा प्रस्तुत पात्र की पीड़ा को महसूस कर व्यक्त कर पाएँगे सी81. पात्र के जीवन के विभिन्न परिच्छेदों की विभिन्न चुनौतियों को स्पष्ट कर पाएँगे सी82. लेखिका और भक्तिन के व्यक्तित्व पर अपने विचार प्रकट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
गद्य खंड 10. महादेवी वर्मा (भक्तिन)	**शब्दज्ञान**	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी83. वाक्यांशों की अर्थ-छवि लिख कर व्याख्या कर पाएँगे
	व्याकरण		सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी84. वर्तमान और भूतकाल के वाक्यांशों और गद्यों में भिन्नता स्पष्ट कर पाएँगे
	लेखन	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखते हैं।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी85. समाज की पक्षपात सोच पर अपने विचार लिख पाएँगे (स्त्री की भूमिका, बाल विवाह, बेटियों के पैदा होना, पुरुष के न होने पर नारी के सामने की कठिनाइयाँ आदि)
			सीएलओ५. अपने अनुभवों, भावनाओं और विचारों के बारे में लिखते हैं	सी86. समाज के आगे “हिम्मत” न हारने की प्रेरणा पाठ को लेते हुए अपने अनुभवों/ सुझावों को बयान कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	वाचन व श्रवण	एलओ७. सभी प्रकार की विविधताओं धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र एवं भाषा के प्रति संबंधी तार्किक ढंग से चर्चा करते हैं।	सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी87. संवेदनशीलता के साथ एक दूसरे के साथ हुए विभिन्न प्रकार के भेद भावों को सुन सकेंगे तथा समाजिक रोग से लड़ने के लिए अपने विचार दे पाएँगे
गद्य खंड 11. जैनेन्द्र कुमार (बाज़ार दर्शन)	**पठन**	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखते हैं ।	सीएलओ२६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी88. पाठ में लिखी गई वैचारिकता को स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ२७. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी89. कई दशक पुराने इस निबंध को आज के दौर से जोड़ पाएँगे
			सीएलओ२५. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी90. ग्राहक के मन के उतार-चढ़ाव, लालच और आवश्यकता के बीच की दुविधा की व्याख्या कर पाएँगे
			सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी91. वर्तमान दुनिया में विज्ञापनों का हमारी खरीदारी पर असर बता पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	शब्दज्ञान	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ२३. हिंदी और अन्य भाषाओं का धारा प्रवाह उपयोग करते हैं	सी92. पाठ में उर्दू, हिंदी और कोड मिश्रण के शब्दों के प्रयोग और प्रभाव को स्पष्ट कर पाएँगे
गद्य खंड 11. जैनेन्द्र कुमार (बाज़ार दर्शन)	**व्याकरण**	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर/ बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१६. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी93. वाक्यांशों में वाक्य-निर्माण का रूप और नियम स्पष्ट कर पाएँगे
	लेखन	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी94. ज़रूरत और ख्वाहिशों पर लेख लिखते हुए इनकी तुलना कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		एलओ११. फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के समान दृश्य माध्यम की भाषा का प्रयोग करते हैं । जैसे- पटकथा लेखन या विज्ञापन लेखन ।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी95. विज्ञापन लिखने के मूल्य, आदर्शों को समझते हुए किसी वस्तु का विज्ञापन बना पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं । जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए ।	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी96. एक दूसरे की आयोजित खरीदारी और बाज़ारवाद के कारण हुई खरीदारी के किस्से सुन पाएँगे
गद्य खंड	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी,	सीएलओ२५. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी97. लेखक के जीवन में विश्वास के प्रभाव का अंदाज़ा लगा पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
12. धर्मवीर भारती (काले मेघा पानी दे)		एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी98. विश्वास और आपत्ति / आपातकालीन समय के बीच के रिश्ते को समझा पाएँगे
		एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी99. समाजिक मुद्दों के लेखनी को पहचान पाएँगे
				सी100. पानी जैसी अनिवार्य चीज़ के लिए एक आम आदमी के प्रयासों और विश्वासों में छिपे उसकी मजबूरी और ज़रूरत पता लगा पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौन्दर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी101. गद्य में हुए रूपकों की सूची बना अपने शब्दों में समझा पाएँगे।

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		या कविता में बिम्ब और अलंकार इत्यादि।		
	व्याकरण	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी102. अकर्मक और सकर्मक क्रिया की पहचान कर पाएँगे
गद्य खंड 12. धर्मवीर भारती (काले मेघा पानी दे)	**लेखन**	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/ लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी103. भारत देश में अलग अलग मौसमों को लेकर स्थापित विश्वासों पर पर टिप्पणी दे पाएँगे
			सीएलओ१७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रया व्यक्त करते हैं	सी104. किसी प्राकृतिक आपदा के प्रभाव लिखते हुए उसमें सुधार लाने के लिए उपाय लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी105. भारतीय समाज के दृष्टिकोण से विज्ञान और विश्वास के मुठभेड़ पर चर्चा कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
गद्य खंड 13. फणीश्वर नाथ रेणु (पहलवान की ढोलक)	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ२७. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं	सी106. पात्रों और परिवेश के चित्रण में वास्तविकता को महसूस कर व्यक्त कर पाएँगे
			सीएलओ२६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी107. कहानी के संदेश, मनोदशा और संदेश का अनुमान लगा पाएँगे
				सी108. कहानी में कारण और प्रभाव को स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी109. लेखनी में पैदा हुए संगीत को स्पष्ट कर पाएँगे
			सीएलओ२५. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी110. पाठ के मुख्य पात्र का रेखाचित्र कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं।	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी111. संगीतमय शब्दों का चुनाव कर शब्दज्ञान में उन्हें प्रयोग कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।		
गद्य खंड 13. फणीश्वर नाथ रेणु (पहलवान की ढोलक)	**व्याकरण**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी112. कर्ता के लिए प्रयुक्त विशेषण वाले शब्दों का चयन कर पाएँगे
	लेखन	एलओ६. पाठ में आयी हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनका प्रयोग करते हैं। जैसे- जैविक खेती पर किसानों और कृषि विशेषज्ञों के साक्षात्कार/ बातचीत या हस्तकला पर किसी लोक कलाकार से बातचीत के लिए कुछ सवालों के बिंदु तैयार करते हैं।	सीएलओ३२. पाठ का सारांश लिखते हैं	सी113. कहानी के पात्र के आधार पर चरित्र-चित्रण और रेखाचित्र लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
गद्य खंड 13. फणीश्वर नाथ रेणु (पहलवान की ढोलक)		एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखते हैं।	सीएलओ१७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रया व्यक्त करते हैं	सी114. गाँव-शहर / अमीर-ग़रीब वर्ग पर महामारी के प्रभाव पर लेख लिख पाएँगे
	वाचन व श्रवण			सी115. देश के खेल, खिलाड़ियों की परिस्थितियों, चुनौतियों तथा देश में मिली सहूलतों पर चर्चा कर पाएँगे
गद्य खंड 14. हजारी प्रसाद द्विवेदी (शिरीष के फूल)	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३१. पाठ्य पुस्तक में शामिल लेखन पढ़कर गहन विश्लेषण करते हैं	सी116. शिरीष की तुलना कर पाएँगे
				सी117. शिरीष के फूल पाठ का प्रतिपाद्य कर विश्लेषण कर पाएँगे
				सी118. लेखनी में आई प्रगति को जान पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
			सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी119. पाठ के सबसे महत्वपूर्ण मुद्दे को स्पष्ट कर पाएँगे
गद्य खंड 14. हजारी प्रसाद द्विवेदी (शिरीष के फूल	**शब्दज्ञान**	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ८. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं	सी120. लोकोक्तियों को स्पष्ट कर पाएँगे और स्पष्टता से उनको अपने शब्दों में संजो पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर/बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३०. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी121. तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचान पाएँगे
	लेखन	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति		सी122. शिरीष के अवधूत रूप और महात्मा की तुलना की व्याख्या कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१०. पाठ्य पुस्तकों में शामिल विषय के बारे में रचनात्मक और कल्पनाशील रूप से लिखते हैं	सी123. शिरीष के फूल की तरह किसी और प्राकृतिक वस्तु से जीवन की प्रेरणा स्थापित कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण		सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी124. व्यक्तिगत विशेषता के रूप में कोमलता और कठोरता पर चर्चा कर पाएँगे
गद्य खंड 15. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर (श्रम विभाजन और जाति-प्रथा, मेरी कल्पना का आदर्श समाज)	**पठन**	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ२९. पाठ्य पुस्तक में शामिल वास्तविक लेख पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी125. लेखक की क्रांतिकारी दृष्टि को स्पष्ट कर पाएँगे
				सी126. एक समाजिक मुद्दे पर लिखे गद्य के पैटर्न को पहचान पाएँगे
			सीएलओ३०. पाठ्य पुस्तक में शामिल वास्तविक लेख पढ़कर मुद्दे का गहन विश्लेषण करते हैं	सी127. विषय से जुड़े साहित्यिक और समाजिक मुद्दों को पढ़ पाएँगे
				सी128. भारत देश में जातिवाद के कारण आई विपदाओं को स्पष्ट कर पाएँगे और इनके बारे में पढ़ने का प्रयास कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	शब्दज्ञान	एलओ८. कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली कामकाजी हिंदी की समझ प्रकट करना जैसे- टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन इत्यादि ।	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी129. अपने शब्दज्ञान में विषय अनुसार औपचारिक भाषा को जोड़ पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी130. क्रिया का मुख्य सम्बन्ध कर्ता, कर्म या भाव की पहचान कर पाएँगे
गद्य खंड 15. बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर (श्रम विभाजन और जाति-प्रथा, मेरी कल्पना का	**लेखन**	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१२. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर सूचनात्मक और राय आधारित निबंध या लेख लिखते हैं	सी131. एक जिम्मेदार नागरिक के व्यवहार व कर्तव्यों पर लेख लिख पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
आदर्श समाज)		एलओ७. सभी प्रकार की विविधताओं, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र एवं भाषा के प्रति संबंधी तार्किक ढंग से चर्चा करते हैं।	सीएलओ१७. सामाजिक मुद्दों के पक्ष और विपक्ष में लिखकर अपनी प्रतिक्रया व्यक्त करते हैं	सी132. जाति प्रथा से पैदा हुई समाजिक परेशानियों पर उल्लेख कर पाएँगे
	वाचन व श्रवण	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी133. राजनीतिज्ञों के उचित व्यवहार पर अपनी बात सामने रख पाएँगे
पाठ्य पुस्तक – वितान				
1. सिल्वर वैडिंग	**पठन**	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर / बोलकर एवं		सी134. विषयवस्तु के माध्यम से भाषा, समाज और संस्कृति का अध्ययन कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	
		एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिंब और अलंकार इत्यादि।		सी135. विषयवस्तु पढ़कर उससे संबंधित जानकारी छाँट पाएँगे
			सीएलओ२५. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों का गहन विश्लेषण करते हैं	सी136. पात्रों की भूमिका का तार्किक विश्लेषण कर पाएँगे
			सीएलओ३१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी के स्वर और संदेश का अनुमान लगाते हैं	सी137. लेखक के वाक्यों का अर्थ/भाव समझकर कहानी का मूलभाव स्पष्ट कर पाएँगे
1. सिल्वर वैडिंग	**शब्दज्ञान**	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ१९. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी138. कहानी में आए नए/कठिन शब्दों का अर्थ विषयवस्तु के आधार पर स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	व्याकरण	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर / बोलकर एवं विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी139. सर्वनाम और सर्वनामिक विशेषण का अंतर समझकर वाक्यों में उनका प्रयोग कर पाएँगे
	लेखन	एलओ३. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं , कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते और लिखकर/ बोलकर अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ३२. पाठ का सारांश लिखते हैं	सी140. पात्र के बारे में अपने विचार साक्ष्य सहित बता पाएँगे
		एलओ४. विभिन्न साहित्यिक विधाओं को पढ़ते हुए उनके सौंदर्य पक्ष एवं काव्यशास्त्रीय संरचनाओं पर चर्चा करते हैं। जैसे- कहानी और कविता में अंतर या कविता में बिंब और अलंकार इत्यादि।		सी141. विभिन्न पदों/वाक्यों के बारे में व्याख्या कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
1. सिल्वर वैडिंग	**वाचन व श्रवण**	एलओ७. सभी प्रकार की विविधताओं धर्म, जाति, लिंग , क्षेत्र एवं भाषा के प्रति संबंधी तार्किक चर्चा करते हैं।	सीएलओ३३. सीखी गई जानकारी के आधार पर राय बनाकर व्यक्त करते हैं	सी142. लेख के आधार पर स्थानीय जानकारी एकत्रित कर उसके पक्ष-विपक्ष में तर्क दे पाएँगे
2. जूझ	**पठन**	एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	सी143. विषयवस्तु पढ़कर उससे संबंधित जानकारी छाँट पाएँगे
				सी144. विषयवस्तु की विशेषताओं के बारे में अपने विचार बता पाएँगे।
			सीएलओ२९. पाठ्य पुस्तक में शामिल वास्तविक लेख पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी145. शीर्षक का अर्थ और औचित्य का वर्णन कर पाएँगे
				सी146. लेखक के वाक्यों का अर्थ/भाव समझकर कहानी का मूलभाव स्पष्ट कर पाएँगे
	शब्दज्ञान	एलओ६. पाठ में आई हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर	सीएलओ१९. अपरिचित शब्दों के अर्थ को समझने के लिए रणनीतियों का उपयोग करते हैं	सी147. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करते हुए अर्थ स्पष्ट कर पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
2. जूझ	**व्याकरण**	ध्यान देते हैं और उनका प्रयोग करते हैं। जैसे- जैविक खेती पर किसानों और कृषि विशेषज्ञों के साक्षात्कार/ बातचीत या हस्तकला पर किसी लोक कलाकार से बातचीत के लिए कुछ सवालों के बिंदु तैयार करना।	सीएलओ९. शब्दभेद के प्रकार को उचित रूप से समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी148. सर्वनाम और क्रिया शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाकर लिख पाएँगे
	लेखन	एलओ९. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।	सीएलओ३२. पाठ का सारांश लिखते हैं	सी149. विभिन्न पात्रों और उनके व्यवहार का विश्लेषण करके अपने विचार बता पाएँगे
		एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ५. अपने अनुभवों, भावनाओं और विचारों के बारे में लिखते हैं	सी150. विषयवस्तु से संबंधित अपने अनुभव लिख पाएँगे (विद्यालय में पहला दिन, लॉक डाउन में कक्षा का रूप)

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
	वाचन व श्रवण	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१३. भाषा और साहित्य के विषयों पर बातचीत करते हैं	सी151. घटनाक्रम में आए परिवर्तन से कहानी में आए प्रभाव की व्याख्या कर पाएँगे
3. अतीत में दबे पाँव	**पठन**	एलओ९. कविता या कहानी को अपनी समझ के आधार पर नए रूप में प्रस्तुत करते हैं।	सीएलओ२९. पाठ्य पुस्तक में शामिल वास्तविक लेख पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	सी152. पात्रों की भूमिका का तार्किक विश्लेषण कर पाएँगे
				सी153. शीर्षक का अर्थ और औचित्य का वर्णन कर पाएँगे
				सी154. विभिन्न वक्तव्यों के पक्ष और विपक्ष में विषयवस्तु में से तथ्य की खोजकर

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सीएलओ१५. पाठ्य पुस्तक में शामिल विषय या अन्य मुद्दों पर विश्लेषण करते हैं और एक राय बनाते हैं	पाएँगे (सिंधु सभ्यता पुरानी है - कैसे पता चलता है?)
				सी155. विषयवस्तु की विशेषताओं के बारे में अपने विचार बता पाएँगे
3. अतीत में दबे पाँव	**शब्दज्ञान**	एलओ५. पाठ में आई अलग-अलग भाषाओं की सामग्री के ज़रिए भाषा, समाज, संस्कृति का अध्ययन करते हैं। जैसे- भाषाई समानताओं और विभिन्नताओं पर चर्चा करते हैं।	सीएलओ२२.हिंदी में शब्द संरचना और गठन के नियमों को समझते हैं	सी156. शब्दों में आए उपसर्ग-प्रत्यय छाँटकर अलग कर पाएँगे
	व्याकरण	एलओ१. हिंदी भाषा एवं साहित्य की परंपरा की समझ लिखकर/ बोलकर एवं	सीएलओ१६. हिंदी में वाक्य निर्माण के नियमों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं	सी157. विभिन्न वाक्यों में निहित काल और उनका भेद पहचान पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		विचार-विमर्श के माध्यम से अभिव्यक्त करते हैं।		
	लेखन	एलओ२. रोज़मर्रा के जीवन से अलग किसी घटना विशेष में भाषा का काल्पनिक और स्थिति सृजनात्मक प्रयोग करते हुए भावनाओं को लिखित एवं मौखिक रूप से प्रकट करते हैं। जैसे- कोरोना काल के बाद स्कूल, संचार माध्यम के बिना एक दिन शहर से गाँव तक चलते हुए।	सीएलओ६. विषयों के बारे में वर्णनात्मक रूप से लिखते हैं	सी158. वाक्यों को पढ़कर उसका चित्रण कर पाएँगे सी159. यात्रा-वृतांत लिख पाएँगे
3. अतीत में दबे पाँव	**वाचन व श्रवण**	एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक	सीएलओ११. सामाजिक मुद्दों के प्रति अपने विचारों को बोलकर व्यक्त करते हैं	सी160. विषयवस्तु के आधार पर भूतकाल के सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्टभूमि पर टिप्पणी दे पाएँगे

इकाई और अध्याय	प्रमुख अवधारणा	एन.सी.ई.आर.टी सीखने के परिणाम (एलओ)	विषय वस्तु के क्षेत्र विशिष्ट सीखने के परिणाम (सीएलओ)	क्षमताओं
		दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।		

7 नमूना शैक्षणिक प्रक्रियाएं और आकलन की रणनीतियाँ

"शैक्षणिक अभ्यास शिक्षार्थी केंद्रित होना चाहिए। एक शिक्षक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह विद्यार्थियों को प्रश्न पूछने के लिए स्वतंत्र महसूस करने का माहौल सुनिश्चित करे। वे विद्यार्थियों के बीच विचार व्यक्त करने, अपने आस-पास की दुनिया के साथ जुड़ने, ज्ञान का निर्माण और व्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित कर सक्रिय अधिगम को बढ़ावा देंगे। शिक्षक की भूमिका एक ऐसे सूत्रधार की होनी चाहिए जो पाठ्यचर्या के संचालन के लिए विविध दृष्टिकोणों के माध्यम से संसाधनों के उदार उपयोग के माध्यम से सहयोगात्मक अधिगम और विविध कौशल के विकास को प्रोत्साहित करे।"

[कक्षा ११-१२ के लिए सीबीएसई पाठ्यचर्या]

एन.सी.ई.आर.टी उच्च माध्यमिक स्तर के सीखने के प्रतिफल के दस्तावेज़ प्रत्येक विषय के लिए शैक्षणिक प्रक्रियाओं का एक सामान्य समूह प्रदान करता है। इन्हें दिशा-निर्देशों के रूप में रखते हुए कक्षा ११ और १२ के एक-एक अध्याय से एक विषय के लिए विशिष्ट शैक्षणिक प्रक्रियाओं और मूल्यांकन रणनीतियों को सुझावों के रूप में विकसित किया गया है और इस खंड में साझा किया गया है। शैक्षणिक प्रक्रिया और मूल्यांकन रणनीतियों के इन उदाहरणों से शिक्षकों को अपनी कक्षाओं में सीखने के परिणामों, शैक्षणिक अभ्यासों और आकलन के बीच संरेखण बनाने और अपनी पाठ योजना बनाने के लिए इनका उपयोग करने के लिए सिद्धांतों को प्राप्त करने में सक्षम बनाना चाहिए। शैक्षणिक प्रक्रियाओं और मूल्यांकन रणनीतियों की रचना करते समय जिन प्रमुख सिद्धांतों पर विचार किया गया है, वे निम्नलिखित हैं:

१. **शिक्षार्थी को केंद्र में रखना**

- चूंकि नया ज्ञान मौजूदा ज्ञान के आधार पर निर्मित किया है, इसलिए शिक्षणशास्त्र और आकलन दोनों को विद्यार्थियों के पूर्व-आवश्यक ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और विश्वासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो वे कक्षा की स्थापना में लाते हैं।
- ज्ञान के एक सक्रिय निर्माता के रूप में सीखने की प्रक्रिया के केंद्र में विद्यार्थी के साथ सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया जाना चाहिए।
- चूंकि विद्यार्थी क्रियामूलक ज्ञान से प्रभावी ढंग से सीखते हैं, इसलिए कक्षा की प्रक्रियाओं में गतिविधियों, विश्लेषण और चर्चाओं को शामिल करना चाहिए। सैद्धांतिक सिद्धांतों की खोज/सत्यापन के लिए एक उपकरण के रूप में व्यवस्थित परीक्षण को शामिल किया जाना चाहिए।

२. **सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना**

- सीखने के परिणाम संकेत करते हैं कि प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थी एक निर्देश इकाई के अंत में हिंदी शिक्षा (विचारणीय समझ विकसित करने, प्रक्रिया कौशल और प्रयोगात्मक, अवलोकन, जोड़-तोड़, निर्णय लेने और जांच कौशल आदि विकसित करने के लिए तर्क लागू करें) के व्यापक लक्ष्यों को और अधिक मापने योग्य और अवलोकनीय व्यवहार में सटीक रूप से तोड़ने में कितने सक्षम है।

- विद्यार्थी तब बेहतर सीखते हैं जब शिक्षण की पद्धति, सीखने की गतिविधियाँ और आकलन की रणनीतियाँ सभी सीखने के परिणामों के साथ अच्छी तरह से संरेखित हों। शैक्षणिक प्रक्रियाओं और मूल्यांकन की रणनीतियों को विषय वस्तु के क्षेत्र और संज्ञानात्मक कौशल दोनों के साथ संरेखित किया जाना चाहिए जैसा कि इस दस्तावेज़ में पहले उल्लेख किया गया है।

३. **आकलन का प्रभावी उपयोग करना**

- आकलन को शिक्षाशास्त्र के एक अभिन्न अंग के रूप में देखा जाना चाहिए और इसे छात्रों को समय पर व्यक्तिगत प्रतिक्रिया देने पर ध्यान देना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण रचनात्मक मूल्यांकन की रचना की जानी चाहिए क्योंकि यह विद्यार्थियों की अपने सीखने की समझ को संशोधित करने में मदद करता है और शिक्षकों को विद्यार्थियों के वास्तविक सीखने के आधार पर उनके शिक्षण को अनुकूलित करने में मदद करता है।

- एक विद्यार्थी की व्यक्तिगत क्षमताओं को दर्शाने के लिए पोर्टफोलियो, परियोजना कार्य, प्रस्तुतीकरण, लिखित और मौखिक कार्य सहित आकलन के कई तरीकों का उपयोग किया जाना चाहिए।

४. **एक सामाजिक और समावेशी सीखने का माहौल बनाना**

- विद्यार्थियों को अपने स्वयं के सीखने का प्रभार लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए सहकारी और सहकर्मी समर्थित शिक्षण- अधिगम की गतिविधियों का उपयोग किया जाना चाहिए।

- निर्धारित मूल्यांकन मानदंडों के विरुद्ध अपने साथियों के कार्य का आकलन करने वाले विद्यार्थियों को शामिल करते हुए सहकर्मी मूल्यांकन का उपयोग किया जाना चाहिए।

कक्षा में विशिष्ट शैक्षणिक प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाना चाहिए जो उन विद्यार्थियों की मदद करें जिन्हें भाषा, दृश्य-स्थानिक, या मिश्रित प्रसंस्करण समस्याओं सहित सीखने की कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

कक्षा ११ के लिए सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रियाएं और आकलन की रणनीतियां

विषय के क्षेत्र: राय निबंध

अध्याय १: भारतीय गायिकाओं में सबसे बेजोड़-लता मंगेशकर

तालिका VIII: सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रियाएं और आकलन की रणनीतियां– कक्षा: ११

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।	सी१४०. पात्र के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार बता पाएँगे सी१४१. जीवन-चक्र को समझ पाएँगे सी१४२. कथन और विषयवस्तु के मुख्य-भाव का संबंध समझ पाएँगे सी१४३. एक घटना का दूसरी घटना के साथ संबंध और उसपर पड़ने वाले प्रभाव पर चिंतन कर पाएँगे	● संगीत, लोक कलाओ, फ़िल्म , खेल आदि की भाषा पर पाठ पढ़ने या कार्यक्रम के दौरान गौर करने/सुनने के बाद संबंधित गतिविधियाँ कक्षा में हो। ● विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाए कि वे आसपास की ध्वनियों और भाषा को ध्यान से सुनें और समझें।	● छात्रों को किसी अन्य प्रसिद्ध कलाकार के बारे में एक लेख दें और उनसे लेखक के स्वर और कलाकार के प्रति दृष्टिकोण की पहचान करने के लिए कहें। ● छात्रों से यह अनुमान लगाने के लिए कहें कि लता मंगेशकर के संघर्ष क्या रहे होंगे क्योंकि उन्होंने उद्योग में अन्य संगीतकारों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की कोशिश की थी।
एलओ८. फ़िल्म एवं विज्ञापनों को देखकर उनकी भाषा और शैली के	सी१४४. कहानी में आए नए/कठिन शब्दों का अर्थ विषयवस्तु के आधार पर समझ पाएँगे	● भाषा लगातार ग्रहण करने की क्रिया में बनती है, इसे प्रदर्शित करने का एक तरीका यह भी है कि शिक्षक खुद यह सिखा सकें कि वे भी शब्दकोश,	● जैसे ही आप पाठ पढ़ते हैं, रुकें और विद्यार्थियों से पूछें कि अभी पढ़े गए नए शब्द का अर्थ क्या है।

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
समान दृश्य माध्यम की भाषा का प्रयोग अपनी रचनाओं में करते हैं।		साहित्यकोश, संदर्भग्रंथ की लगातार मदद ले रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में इसका इस्तेमाल करने को लेकर तत्परता बढ़ेगी।	● छात्रों को इस विषय पर एक नया लेख दें और उन्हें विषय के अपने ज्ञान के आधार पर अपरिचित शब्दों के अर्थ निकालने के लिए कहें।
एलओ११. पाठ में आए हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी एवं अन्य व्यवसायों से संबंधित शब्दावली पर ध्यान देते हैं और उनकी उपयोगिता पर चर्चा करते हैं।	सी१४५. विशेषण शब्दों का प्रयोग करते हुए परिचय दे पाएँगे	● वृत्तचित्रों और फ़ीचर फिल्मों को शिक्षण सामग्री के तौर पर इस्तेमाल करने की ज़रूरत है। ● इनके प्रदर्शन के क्रम में इन पर लगातार बातचीत के जरिये सिनेमा के माध्यम से भाषा के प्रयोग की विशिष्टता की पहचान कराई जा सकती है और हिंदी की अलग-अलग छटा दिखाई जा सकती है।	● छात्रों को पाठ से विशेषणों को पहचानने और सूचीबद्ध करने के लिए कहें। ● छात्रों से किसी व्यक्ति का वर्णन करने के लिए समान विशेषणों का उपयोग करके एक छोटा पैराग्राफ लिखने के लिए कहें।
एलओ२. पाठ्य पुस्तकों में शामिल रचनाओं के साथ ही पाठ्यकविता सामग्री से इतर रचनाओं, कहानी, एकांकी और समाचार पत्र इत्यादि पढ़ते	सी१४६. सार लेखन कर पाएँगे सी१४७. चरित्र-चित्रण कर पाएँगे सी१४८. विभिन्न गाने सुनकर उसका अर्थ अपने शब्दों में बता पाएँगे	● कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों जैसे अभिनय, भूमिका निर्वाह (रोल-प्ले), कविता पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हो तथा उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट	● पाठ और स्वतंत्र शोध के आधार पर छात्रों से लता मंगेशकर का चरित्र / रेखाचित्र लिखने को कहें।

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
हैं और लिखकर/बोलकर अपनी राय अभिव्यक्त करते हैं।		(पटकथा) लेखन और रिपोर्ट लेखन के अवसर हो। ● छात्र कक्षा के सामने एक नाटक या किसी पुस्तक के कुछ हिस्सों को फिर से प्रदर्शित करने के लिए आवाज़ का उतार-चढ़ाव का उपयोग करके चरित्र की भावनाओं को व्यक्त करते हैं। ● उन्हें इस बात के अवसर मिले कि वे रेडियो, टेलीविज़न पर खेल, फ़िल्म , संगीत आदि से संबंधित कार्यक्रम देखें और उनकी भाषा, लय आदि पर चर्चा करें।	● छात्रों से शास्त्रीय संगीत और फ़िल्म संगीत के बारे में लेखक के विचारों को संक्षेप में लिखने के लिए कहें।

कक्षा १२ के लिए सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रियाएं और आकलन की रणनीतियां

विषय के क्षेत्र: निबंध

अध्याय १५: श्रम विभाजन और जाति-प्रथा: मेरी कल्पना का आदर्श समाज

तालिका IX: सुझाई गई शैक्षणिक प्रक्रियाएं और आकलन की रणनीतियां– कक्षा: १२

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।	सी१२५. लेखक की क्रांतिकारी दृष्टि को स्पष्ट कर पाएँगे सी१२६. एक समाजिक मुद्दे पर लिखे गद्य के पैटर्न को पहचान पाएँगे	● अप्रत्याशित विषयों पर चिंतन करने और सोचे हुए की मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति करने की योग्यता का विकास शिक्षक के सचेत प्रयास से ही संभव है। ● इसके लिए शिक्षक को एक निश्चित अंतराल पर नए-नए विषय प्रस्तावित कर लेख एवं अनुच्छेद लिखने तथा संभाषण करने के लिए पूरी कक्षा को प्रेरित करना होगा। यह अभ्यास ऐसा है, जिसमें विषयों की कोई सीमा तय नहीं की जा सकती। ● कक्षा में सिर्फ एक पाठ्यपुस्तक की भौतिक उपस्थिति से बेहतर यह है कि शिक्षक के हाथ में तरह-तरह की	● छात्रों से लेखक की आदर्श-समाज की विशेषताएँ और परिवेश का वर्णन अपने शब्दों में करने को कहें। ● विद्यार्थियों से यह कल्पना करने के लिए कहें कि वे निचली जाति से हैं। उनसे पूछें कि काम करने की उनकी प्रेरणा के बारे में वे कैसा महसूस करेंगे। ● छात्रों से पूछें कि जाति व्यवस्था के बारे में डॉ भीम राव के विचार और राय क्या थी और यह हमें एक व्यक्ति के रूप में उनके बारे में क्या बताती है। ● छात्र निबंध की संरचना के बारे में अपनी समझ को प्रदर्शित करने के लिए

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
		पाठ्यसामग्री को विद्यार्थी देख सकें और शिक्षक उनका कक्षा में अलग-अलग मौकों पर इस्तेमाल कर सके। ● कक्षा में भाषा-साहित्य की विविध छवियों/विधाओं के अन्तर्सबन्धों को समझते हुए उनके परिवर्तनशील स्वरूप पर चर्चा हो जैसे -आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, कविता, कहानी, निबंध आदि।	ग्राफिक आयोजकों का निर्माण करेंगे जिसका उपयोग लेखक ने अपने तर्कों को प्रभावी ढंग से सामने रखने के लिए किया है। ● छात्रों से पाठ की संरचना, स्वर और व्याकरण का विश्लेषण करने के लिए कहें।
सीएलओ३३. पाठ्य पुस्तक में शामिल वास्तविक लेख पढ़कर मुद्दे का गहन विश्लेषण करते हैं	सी१२७. विषय से जुड़े साहित्यिक और समाजिक मुद्दों को पढ़ पाएँगे सी१२८. भारत देश में जातिवाद के कारण आई विपदाओं को स्पष्ट कर पाएँगे और इनके बारे में पढ़ने का प्रयास कर पाएँगे	● कक्षा का वातावरण संवादात्मक हो ताकि अध्यापक, विद्यार्थी और पुस्तक तीनों के बीच एक रिश्ता बन सके। ● वृत्तचित्रों और फ़ीचर फिल्मों को शिक्षण सामग्री के तौर पर इस्तेमाल करने को ज़रूरत है। ● इनके प्रदर्शन के क्रम में इन पर लगातार बात-चीत के जरिये सिनेमा के माध्यम से भाषा के प्रयोग की विशिष्टता की पहचान कराई जा सकती है और हिंदी	● छात्रों को समाचार पढ़ने और सुनने और कुछ हफ्तों के लिए एक डायरी रखने और देश में जातिवाद के कारण विभिन्न समस्याओं के बारे में लिखने के लिए कहें। ● छात्रों को जातिगत भेदभाव पर आधारित कुछ आत्मकथात्मक पुस्तकों और फिल्मों का सुझाव दें। उन्हें जाति व्यवस्था के बुरे प्रभाव पर एक समीक्षा देखने और लिखने के लिए कहें।

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
		की अलग-अलग छटा दिखाई जा सकती है।	
एलओ८. कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली कामकाजी हिंदी की समझ प्रकट करना जैसे- टिप्पणी लेखन, पत्र लेखन इत्यादि।	सी१२९. अपने शब्दज्ञान में विषय अनुसार औपचारिक भाषा को जोड़ पाएँगे	● भाषा लगातार ग्रहण करने की क्रिया में बनती है, इसे प्रदर्शित करने का एक तरीका यह भी है कि शिक्षक खुद यह सिखा सकें कि वे भी शब्दकोश, साहित्यकोश, संदर्भग्रंथ की लगातार मदद ले रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में इसका इस्तेमाल करने को लेकर तत्परता बढ़ेगी।	● छात्रों से पाठ से सभी भावपूर्ण शब्दों को पहचानने के लिए कहें। फिर, उनसे उन वस्तुओं के चित्र बनाने के लिए कहें जो उन भावनाओं का प्रतीक हैं। ● छात्रों से पाठ में नए शब्दों की पहचान करने के लिए कहें। फिर, उनसे उनके अर्थ अपने शब्दों में लिखने को कहें। ● छात्रों को पाठ में पढ़े गए नए शब्दों का उपयोग करके कुछ वाक्य लिखने के लिए कहें।
एलओ१०. प्राकृतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मुद्दों, घटनाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बोलकर/लिखकर व्यक्त करते हैं। जैसे- महामारी से बदलती प्रकृति और समाज की परिस्थितियों पर अलग-अलग क्षेत्रों के	सी१३१. एक जिम्मेदार नागरिक के व्यवहार व कर्तव्यों पर लेख लिख पाएँगे	● कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों जैसे - अभिनय, भूमिका निर्वाह (रोल-प्ले), कविता पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हो तथा उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट	● छात्रों से यह कल्पना करने के लिए कहें कि वे निचली जाति के लोग हैं और कम से कम पांच विशिष्ट भावनाओं की सूची बनाएं जिनका वे अनुभव करेंगे। ● छात्रों से कहें कि वे सभी जाति के लोगों के प्रति समावेशी होने के लिए अपने

सीखने के प्रतिफल	क्षमताओं	शैक्षणिक प्रक्रियाएं	आकलन की रणनीतियां
लोगों, प्राकृतिक आपदा और सामाजिक दायित्व जैसे विषयों पर अपनी राय लिखना।		(पटकथा) लेखन और रिपोर्ट लेखन के अवसर हो।	स्तर पर एक नागरिक के रूप में क्या कर सकते हैं। उन्हें नाटक की पटकथा लिखने और अभिनय करने के लिए कहें। ● जाति व्यवस्था के साथ समाज और अंबेडकर की आदर्श-समाज के बीच तुलना दिखाने के लिए छात्रों से एक पटकथा लिखने के लिए कहें। उन्हें दर्शकों के सामने इसे पेश करने के लिए प्रोत्साहित करें।

8 परीक्षा पत्र की रूपरेखा

कक्षा १२

तालिका X: परीक्षा पत्र की रूपरेखा और अध्यायवार अंक वितरण – कक्षा: १२

विषय के क्षेत्र	अंक वितरण
पाठ बोधन	१३-१७
सृजनात्मक लेखन और व्यावहारिक लेखन	२३-२७
पाठ्यपुस्तक	३८-४२
कुल	**८०**

तालिका XI: परीक्षा पत्र की रूपरेखा और प्रश्न-प्रकार के अंक वितरण – कक्षा: १२

प्रश्न की प्रकार	प्रश्नों की संख्या	प्रश्न की श्रेणी	अंक वितरण
वस्तुपरक प्रश्न	४०	बहुविकल्पात्मक प्रश्न	३५-४५
वर्णनात्मक प्रश्न	४	अति लघु उत्तरीय प्रकार का प्रश्न	६-१०
	८	दीर्घ उत्तरीय प्रकार का प्रश्न	१९-२९
	१	निबंध प्रकार का प्रश्न	५-७

तालिका XII: परीक्षा पत्र की रूपरेखा और संज्ञानात्मक पक्ष का अंक वितरण – कक्षा: १२

संज्ञानात्मक पक्ष	अंक वितरण
वैचारिक समझ, डिकोडिंग, विश्लेषण, अनुमान लगाना, व्याख्या करना, सराहना करना, साहित्यिक, परंपराएं और शब्दावली, सारांशित करना और उपयुक्त प्रारूपों का उपयोग करना	२०
अवधारणात्मक समझ, नियमों का अनुप्रयोग, विश्लेषण, तर्क, शैली और स्वर की उपयुक्तता, उपयुक्त प्रारूप और प्रवाह, अनुमान, विश्लेषण, मूल्यांकन और रचनात्मकता का उपयोग करना	१६
स्मरण करना, तर्क करना, साहित्यिक परंपरा की सराहना करना, अनुमान, विश्लेषण, प्रवाह के साथ रचनात्मकता	४४
कुल	८०

प्रश्न-पत्र के अन्य विवरण

- अधिकतम अंक: ८०
- परीक्षा की अवधि: ३ घंटे

9 प्रायोगिक/परियोजना कार्य का आकलन

कामकाजी हिंदी के उपयोग के कौशल के लिए विद्यार्थी के हिंदी भाषा के श्रवण और वाचन को महत्त्व देना जरूरी है। । इस उद्देश्य के लिए हिंदी बोलने और सुनने के कौशल के परीक्षण को समग्र परीक्षण प्रतिरूप का एक महत्वपूर्ण घटक बनाया जाना चाहिए। यह शिक्षकों को विद्यार्थियों के मौखिक कौशल को साकार करने में मार्गदर्शक होगा। परियोजना कार्य विद्यार्थी में स्तरीय हिंदी साहित्य की समझ और उसका आनंद उठाने की क्षमता तथा साहित्य को श्रेष्ठ बनाने वाले तत्वों की संवेदना का विकास करेगा।

विद्यार्थी में श्रवण (सुनना) के कौशल के परीक्षा का अधिगम उद्देश्य है कि उनमें -

1. परिचित संदर्भों में प्रयुक्त शब्दों और पदों को समझने की सामान्य योग्यता है।
2. छोटे सुसंबद्ध कथनों को परिचित संदर्भों में समझने की योग्यता है।
3. परिचित या अपरिचित दोनों संदर्भों में कथित सूचना को स्पष्ट समझने की योग्यता है।
4. दीर्घ कथनों की श्रृंखला को पर्याप्त शुद्धता से समझने के ढंग और निष्कर्ष निकाल सकने की योग्यता है।
5. जटिल कथनों के विचार-बिंदुओं को समझने की योग्यता प्रदर्शित करने की क्षमता है।

विद्यार्थी में वाचन (बोलना) के कौशल के परीक्षा का अधिगम उद्देश्य है कि वे -

1. केवल अलग-अलग शब्दों और पदों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करते हैं।
2. परिचित संदर्भों में केवल छोटे संबद्ध कथनों का सीमित एवं शुद्धता से प्रयोग करते हैं।
3. अपेक्षाकृत दीर्घ भाषण में जटिल कथनों के प्रयोग की योग्यता प्रदर्शित करते हैं।
4. अपरिचित स्थितियों में विचारों को तार्किक ढंग से संगठित कर धारा-प्रवाह रूप में प्रस्तुत करते हैं।
5. उद्देश्य और श्रोता के लिए उपयुक्त शैली को अपना सकते हैं।

प्रायोगिक/परियोजना कार्य आधारित गतिविधियों की रूपरेखा

विद्यार्थियों से परियोजना-आधारित गतिविधियों की अपेक्षा की जाती है और पूरे २ वर्षों के दौरान सुनने (श्रवण) और बोलने (वाचन) के कौशल के लिए आकलन किया जाएगा।

तालिका XIII. परियोजनाओं/पीपीटी/प्रायोगिक कार्य के लिए अंकों का वितरण

परियोजना कार्य	अंकों का वितरण
विषय वस्तु	५ अंक
भाषा एवं प्रस्तुति	३ अंक
शोध एवं मौलिकता	२ अंक
कुल अंक	**१० अंक**

तालिका XIV. श्रवण (सुनने) और वाचन (बोलने) के कौशल में आकलन के लिए अंकों का वितरण

श्रवण तथा वाचन परीक्षा	अंकों का वितरण
श्रवण (सुनना)	५ अंक
वाचन (बोलना)	५ अंक
कुल अंक	**१० अंक**

सत्र के प्रारंभ में ही विद्यार्थी को परियोजना कार्य के लिए विषय चुनने का अवसर मिले ताकि उसे शोध, तैयारी और लेखन के लिए पर्याप्त समय मिल सके।

वाचन - श्रवण कौशल एवं परियोजना कार्य का मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर आंतरिक परीक्षक द्वारा ही किया जाएगा।

सुझाई गई परियोजनाएं/गतिविधियां/प्रायोगिक – कक्षा ११/१२

श्रवण तथा वाचन परीक्षा के लिए सुझाई गई गतिविधियाँ

श्रवण (सुनना) : वर्णित या पठित सामग्री को सुनकर अर्थग्रहण करना, वार्तालाप करना, वाद-विवाद, भाषण, कविता पाठ आदि को सुनकर समझना, मूल्यांकन करना और अभिव्यक्ति के ढंग को समझना।

वाचन (बोलना): भाषण, सस्वर कविता पाठ, वार्तालाप और उसकी औपचारिकता, कार्यक्रम प्रस्तुति, कथा-कहानी अथवा घटना सुनाना, परिचय देना, भावानुकूल संवाद वाचन।

1. परीक्षक किसी प्रासंगिक विषय पर एक अनुच्छेद का स्पष्ट वाचन करेगा। अनुच्छेद तथ्यात्मक या सुझावात्मक हो सकता है। अनुच्छेद लगभग २५० शब्दों का होना चाहिए। विद्यार्थी ध्यानपूर्वक परीक्षक को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से मौखिक उत्तर देंगे।
2. परीक्षक २-३ मिनट का श्रव्य अंश (ऑडियो क्लिप) सुनवाएगा। अंश रोचक, कथ्य / घटना पूर्ण एवं स्पष्ट होना चाहिए। वाचक का उच्चारण शुद्ध, स्पष्ट एवं विराम चिह्नों के उचित प्रयोग सहित होना चाहिए। विद्यार्थी ध्यानपूर्वक ऑडियो क्लिप को सुनने के पश्चात परीक्षक द्वारा पूछे गए प्रश्नों का अपनी समझ से मौखिक उत्तर देंगे।
3. विद्यार्थी किसी निर्धारित विषय पर बोलेंगे जिससे अपने व्यक्तिगत अनुभवों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी कोई कहानी सुनाएंगे या किसी घटना का वर्णन करेंगे।
5. विद्यार्थी स्व/ परिवार वातावरण / वस्तु / व्यक्ति / पर्यावरण / कवि/लेखक आदि का परिचय देंगे।

परियोजना कार्य के लिए सुझाए गए विषय

1. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध विषयों पर
2. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध साहित्यकारों पर
3. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध समकालीन लेखन पर
4. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध साहित्यिक वादों पर
5. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध प्रभावों पर

6. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध अनुप्रयोगों पर

7. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध साहित्य के सामाजिक संदर्भों एवं जीवन मूल्य संबंधी प्रभावों पर

8. हिंदी भाषा और साहित्य से जुड़े विविध भाषा के तकनीकी पक्षों पर

10 अंकन योजनाओं के साथ आकलन वस्तु के नमूने

१. बहुविकल्पात्मक प्रश्न (एमसीक्यू)

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	नमक का दरोगा
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं
क्षमता	सी५. मुहावरे और लोकोक्तियों का अर्थ व प्रयोग स्पष्ट कर पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	समझना
सोचने की प्रक्रिया	व्याख्या करना
कठिनाई का स्तर	मध्यम
अंक	२
समय	३ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	दिए गए वाक्यों में से वह वाक्य चुनिए जिसमें अनुच्छेद में रेखांकित मुहावरे का सही प्रयोग **नहीं** हुआ है।

	*पंडितजी ने धर्म को धन का ऐसा निरादर करते कभी न देखा था। विचार किया यह अभी उद्दंड लड़का है। माया-मोह के जाल में अभी नहीं पड़ा। अल्हड़ है, झिझकता है। बहुत दीन-भाव से बोले- बाबू साहब, ऐसा न कीजिए, हम मिट जाएँगे। **इज्जत धूल में मिल जाएगी**। हमारा अपमान करने से आपके हाथ क्या आएगा। हम किसी तरह आपसे बाहर थोड़े ही हैं।*	
सही उत्तर	रमा ने घर खरीदकर इज़्ज़त मिट्टी में मिला दी।	कारण: पूरा मुहावरा प्रयोग हुआ है पर अर्थ और संदर्भ अनुचित है। विद्यार्थी मुहावरे के शाब्दिक अर्थ समझते हैं , सांकेतिक अर्थ नहीं।
विचलित करने वाला उत्तर १	मीता की गलत आदतों के कारण परिवार की इज़्ज़त धूल में मिल गई।	व्याख्या: इस वाक्य में भले ही मुख्य शब्द अलग हो, लेकिन मुहावरे का सही प्रयोग हुआ है।
विचलित करने वाला उत्तर २	रामू की शराब की आदत ने उसके परिवार की इज्जत मिट्टी में मिला दी है।	व्याख्या: इस वाक्य में मुहावरे का सही प्रयोग हुआ है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	अंकित ने चोरी करके घर की इज़्ज़त मिट्टी में मिला दी।	व्याख्या: इस वाक्य में मुहावरे का सही प्रयोग हुआ है।

२. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**नमक का दरोगा**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ१. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं
क्षमता	सी१. कहानी पढ़कर समझते हुए उससे जुड़े प्रश्नों के उत्तर बता पाएँगे।
संज्ञानात्मक स्तर	समझना
सोचने की प्रक्रिया	निष्कर्ष निकालना, समझाना
कठिनाई का स्तर	मध्यम
अंक	३
समय	३ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	जाड़े के दिन थे और रात का समय। नमक के सिपाही, चौकीदार नशे में मस्त थे। मुंशी वंशीधर को यहाँ आए अभी छह महीनों से अधिक न हुए थे, लेकिन इस थोड़े समय में ही उन्होंने अपनी कार्यकुशलता और उत्तम आचार से अफ़सरों को मोहित कर लिया था। अफ़सर लोग उन पर बहुत विश्वास करने लगे। नमक के दफ़्तर से एक मील पूर्व की ओर जमुना बहती थी, उस पर नावों का एक पुल बना हुआ था। दारोगाजी किवाड़ बंद किए मीठी नींद से सो रहे थे। अचानक आँख खुली तो नदी के प्रवाह की जगह गाड़ियों की गड़गड़ाहट तथा मल्लाहों का कोलाहल सुनाई दिया। उठ बैठे। इतनी रात गए गाड़ियाँ क्यों नदी के पार जाती हैं? अवश्य कुछ न कुछ गोलमाल है। **तर्क ने भ्रम को पुष्ट किया।**

	(1) अनुच्छेद में रेखांकित वाक्यांश का अर्थ अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (2) गाड़ियों की आवाज़ सुनकर वंशीधर को कैसा महसूस हो रहा होगा?
अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
१	वाक्यांश का अर्थ स्पष्ट करते हुए अपने विचार लिखते हैं
२	अनुच्छेद के आधार पर पात्र के भाव लिखते हैं

३. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**नमक का दरोगा**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसके पात्रों के बारे में अपनी राय लिखते हैं
क्षमता	सी७. पाठ के मुख्य और गौण चरित्र के बारे में बताते हुए चरित्र-चित्रण लिख पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	मूल्यांकन
सोचने की प्रक्रिया	समालोचना करना

कठिनाई का स्तर	कठिन
अंक	१०
समय	१५ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	कहानी के सभी पात्र समाज के किसी-न-किसी पक्ष को उजागर करते हैं। कहानी 'नमक का दरोगा' के आधार पर नीचे दिए गए पात्रों के बारे में अपने विचार और उनके व्यवहार से उजागर होता सामाजिक पक्ष के बारे में विस्तार से बताइए- (क) पंडित अलोपीदीन (ख) वकील
अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
१ x २	कहानी में पात्रों की भूमिका के बारे में अपने विचार लिखते हैं
२ x २	पात्रों की मदद से उजागर होता सामाजिक पक्ष लिखते हैं
२ x २	पात्रों की भूमिका और और सामाजिक पक्ष का संबंध लिखते हैं

४. बहुविकल्पात्मक प्रश्न (एमसीक्यू)

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	आओ मिलकर बचाएं	
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ ३२. पाठ्य पुस्तक में शामिल कविता पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं	
क्षमता	सी१३१. विषयवस्तु को पढ़कर उसका अर्थ और भाव स्पष्ट कर पाएँगे	
संज्ञानात्मक स्तर	याद	
सोचने की प्रक्रिया	याद करना	
कठिनाई का स्तर	सरल	
अंक	२	
समय	३ मिनट	
प्रश्न की पंक्ति	‘आओ मिलकर बचाएं’ कविता में कवयित्री क्या बचाने की बात करती हैं?	
सही उत्तर	आदिवासी जीवन और वातावरण को	कारण: इस उत्तर में सभी उत्तर शामिल है जिसकी कविता में बात की गई है।
विचलित करने वाला उत्तर १	नाचने के लिए खुले आँगन और मिट्टी को	व्याख्या: कविता में इनकी बात की गई है पर इसका उद्देश्य एक बड़े विचार का अंश बताना है।
विचलित करने वाला उत्तर २	बाग, बगीचे और बचपन को	व्याख्या: कविता में इनकी बात की गई है पर इसका उद्देश्य एक बड़े विचार का अंश बताना है।

विचलित करने वाला उत्तर ३	जीवन में उम्मीद और विश्वास को	व्याख्या: कविता में इनकी बात की गई है पर इसका उद्देश्य एक बड़े विचार का अंश बताना है।

५. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**आओ मिलकर बचाएं**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ४. आलंकारिक भाषा को उचित रूप से समझते और उपयोग करते हैं
क्षमता	सी१३३. विषयवस्तु में प्रयुक्त बिंबों की संरचनाओं पर तार्किक चर्चा कर पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	विश्लेषण
सोचने की प्रक्रिया	जांच करना, संबंध बनाना
कठिनाई का स्तर	मध्यम
अंक	४
समय	५ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	पंक्तियाँ में रेखांकित सांकेतिक शब्दों का अर्थ कविता के संदर्भ में अपने शब्दों में लिखिए। **भीतर की आग**

	धनुष की डोरी तीर का नुकीलापन कुल्हाड़ी की धार जंगल की ताजा हवा **नदियों की निर्मलता** **पहाड़ों का मौन** गीतों की धुन **मिट्टी का सोंधापन** फसलों की लहलाहट आओ, मिलकर बचाएँ कि इस दौर में भी बचाने को बहुत कुछ बचा है, अब भी हमारे पास !
अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
१ X ४	प्रत्येक वाक्यांश का उचित अर्थ समझते हुए कविता के संदर्भ में उसकी व्याख्या लिखते हैं।

६. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**पहलवान की ढोलक**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ २६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं
क्षमता	सी१०८. कहानी में कारण और प्रभाव को स्पष्ट कर पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	समझना
सोचने की प्रक्रिया	समझाना
कठिनाई का स्तर	सरल
अंक	१
समय	२ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	दिए गए वाक्यों को पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए: लुट्टन के माता-पिता उसे नौ वर्ष की उम्र में ही अनाथ बनाकर चल बसे थे। सौभाग्यवश शादी हो चुकी थी, वरना वह भी माँ-बाप का अनुसरण करता। विधवा सास ने पाल-पोस कर बड़ा किया। नौ वर्ष की उम्र में ही शादी हो जाने को सौभाग्यपूर्ण क्यों माना गया है?
अंकन योजना	

अंक	उत्तर
१	वाक्यों के आधार पर तार्किक उत्तर देते हैं

७. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	पहलवान की ढोलक
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ३. हिंदी में विशिष्ट शब्दों को समझते हैं और उनका उपयोग करते हैं
क्षमता	सी१११. संगीतमय शब्दों का चुनाव कर शब्दज्ञान में उन्हें प्रयोग कर पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	याद
सोचने की प्रक्रिया	पहचानना
कठिनाई का स्तर	सरल
अंक	२
समय	३ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	उचित शब्द चुनकर वाक्यों को पूरे कीजिए।

	(सूर्यास्त, ढाढ़स, विभीषिका, सूर्योदय) (क) _____ होते ही लोग अपनी-अपनी झोंपड़ियों में घुस जाते। (ख) रात्रि की _____ को पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। (ग) सूर्य के प्रकाश में _____ होते ही लोग काँखते-कूँखते-कराहते अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर अपने पड़ोसियों और आत्मीयों को _____ देते थे।
अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
०.५	सही शब्द चुनते हैं (सूर्यास्त)
०.५	सही शब्द चुनते हैं (विभीषिका)
१	सही शब्द चुनते हैं (सूर्योदय, ढाढ़स)

८. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**पहलवान की ढोलक**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ २७. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे अपने जीवन से जोड़ते हैं
क्षमता	सी१०६. पात्रों और परिवेश के चित्रण में वास्तविकता को महसूस कर व्यक्त कर पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	समझना
सोचने की प्रक्रिया	समझाना
कठिनाई का स्तर	मध्यम
अंक	२
समय	४ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	दिए गए वाक्यों को पढ़कर प्रश्न का सही उत्तर लिखिए। एक बार वह 'दंगल' देखने श्यामनगर मेला गया। पहलवानों की कुश्ती और दाँव-पेंच देखकर उससे नहीं रहा गया। जवानी की मस्ती और ढोल की ललकारती हुई आवाज ने उसकी नसों में बिजली उत्पन्न कर दी। उसने बिना कुछ सोचे-समझे दंगल में 'शेर के बच्चे' को चुनौती दे दी। 'बिजली उत्पन्न होना' का आशय बताइए। इसका कारण क्या था?

अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
१	वाक्यांश का आशय स्पष्ट करते हैं
१	संदर्भ के आधार पर उचित कारण देते हैं

९. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**पहलवान की ढोलक**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ २६. पाठ्य पुस्तक में शामिल कहानी पढ़कर उसे गहराई से समझते हैं
क्षमता	सी१०७. कहानी के संदेश, मनोदशा और संदेश का अनुमान लगा पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	विश्लेषण
सोचने की प्रक्रिया	जांच करना, प्रश्न पूछना
कठिनाई का स्तर	मध्यम
अंक	४

समय	६ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	दिया गया अंश पाठ 'पहलवान की ढोलक' से लिया गया है। इसे पढ़कर लेखक का आशय स्पष्ट कीजिए। रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी।
अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
१	व्याख्या का आरंभ व अंत संरचित तरीके से करते हैं
१	अंश में कठिन शब्दों का सरलीकरण करते हैं
२	अंश की अपने शब्दों में व्याख्या करते हैं

१०. निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

विषय के क्षेत्र (अध्याय का नाम)	**पहलवान की ढोलक**
विषय के क्षेत्र सीखने के प्रतिफल	सीएलओ ३२. पाठ का सारांश लिखते हैं

क्षमता	सी११३. कहानी के पात्र के आधार पर चरित्र-चित्रण और रेखाचित्र लिख पाएँगे
संज्ञानात्मक स्तर	विश्लेषण
सोचने की प्रक्रिया	जांच करना, व्याख्या करना
कठिनाई का स्तर	कठिन
अंक	५
समय	८ मिनट
प्रश्न की पंक्ति	'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लुट्टन का चरित्र-चित्रण कीजिए। शब्द-सीमा: १००-१५० शब्द
अंकन योजना	
अंक	**उत्तर**
१	कहानी में पात्र की भूमिका की व्याख्या करते हैं
२	पात्र की आंतरिक और बाहरी विशेषताओं का गहराई से विश्लेषण करते हैं
१	विश्लेषण का समर्थन करने के लिए कहानी से उपयुक्त उदाहरण देते हैं
१	स्पष्ट रूप से व्यक्त करते हैं और वर्तनी या व्याकरण की त्रुटियों के बिना लिखते हैं

11 आवश्यक विचार और आकलन

कक्षा११ और १२ – आवश्यक विचारों के आधार पर आकलन

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**पठन**	
आवश्यक विचार	**वास्तवादी कहानियां वास्तविक जीवन से मिलती-जुलती हैं, अक्सर वास्तविक दुनिया के मुद्दों को उजागर करती हैं, और टेक्स्ट-टू-सेल्फ और टेक्स्ट-टू-वर्ल्ड कनेक्शन बनाकर सबसे अच्छी तरह समझी जाती हैं।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	*'नमक का दरोगा'* कहानी से दी गई पंक्ति को पढ़ें। *"लाला जी, एक हज़ार के नोट बाबू साहेब को भेंट करो, आप इस समय भूखे सिंह हो रहे हैं।"* इसके आधार पर उन विशेषणों का चयन कीजिए जो पंडित अलोपीदीन के व्यक्तित्व का सर्वोत्तम वर्णन करते हैं।	
सही उत्तर	जिद्दी और बेखौफ	विद्यार्थी समझते हैं कि उन्होंने हार नहीं मानी और गलत होने के बावजूद डरे नहीं।
विचलित करने वाला उत्तर १	क्रोधी और जिद्दी	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि उन्होंने क्रोध का कोई चिन्ह नहीं दिखाए और अपना संयम बनाए रखा।
विचलित करने वाला उत्तर २	भ्रष्ट और कायर	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि भले ही वह भ्रष्ट थे, वह कानून और अधिकार से बिल्कुल बेखौफ थे।
विचलित करने वाला उत्तर ३	मूर्ख और क्रोधी	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि भले ही वे यह नहीं देख पाए कि वंशीधर बहुत ईमानदार थे, वे काफी चतुर थे।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**पठन**
आवश्यक विचार	**वास्तवादी कहानियां वास्तविक जीवन से मिलती-जुलती हैं, अक्सर वास्तविक दुनिया के मुद्दों को उजागर करती हैं, और टेक्स्ट-टू-सेल्फ और टेक्स्ट-टू-वर्ल्ड कनेक्शन बनाकर सबसे अच्छी तरह समझी जाती हैं।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	उस सामाजिक और नैतिक मुद्दे के बारे में सोचें जिस पर 'नमक का दरोगा' कहानी आधारित है। क्या आपको लगता है कि कहानियों के लिए ऐसे मुद्दों से निपटना महत्वपूर्ण है? एक कारण और वास्तविक जीवन के उदाहरण के साथ अपनी राय का समर्थन करें।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर हां, मुझे लगता है कि कहानियों के लिए भ्रष्टाचार और रिश्वत जैसे वास्तविक दुनिया के मुद्दों से निपटना महत्त्वपूर्ण है, जिन्हें इस कहानी में निपटाया गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कहानियां हमें इस मुद्दे को निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से देखने में मदद करती हैं। एक कहानी में पात्रों, उनके कार्यों और उनकी भावनाओं के बारे में पढ़ते समय हम अपनी भावनाओं से घिरे नहीं होते हैं, और उन्हें वास्तविक दुनिया में अपने अनुभवों से जोड़ने में सक्षम होते हैं। उदाहरण के लिए, मेरे बड़े भाई ने कुछ महीने पहले कॉलेज शुरू किया। वह हमेशा से ही काफी क्रिएटिव रहे हैं और उनका सपना एक कलाकार बनने का है। इस कारण वह आर्ट्स डिग्री करना चाहते थे। पर, मेरे माता-पिता ने उन्हें एक इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला दिलाने पर जोर दिया और यहाँ तक कि कई हफ्तों तक उनसे बात करना भी बंद कर दिया क्योंकि वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई नहीं करना चाहते थे। वास्तव में, उन्होंने उसे एडमिशन दिलाने के लिए रिश्वत भी दी। कहानी पढ़ने के बाद मुझे एहसास हुआ कि हमारे जीवन में पैसा और पावर कितनी बड़ी भूमिका निभाते हैं, और यहां तक कि जिन लोगों को हमें समझना चाहिए और हमारी देखभाल करनी चाहिए, वे स्वार्थी कारणों से हमें चोट पहुँचाते हैं।	-

विषय – वस्तु और संगठन ● इस बारे में अपनी राय साझा करते हैं कि क्या कहानियों को वास्तविक मुद्दों पर बात करनी चाहिए। (मैं सहमत हूं कि / मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि कहानियों को वास्तविक मुद्दों से निपटना चाहिए।) ● स्पष्ट कारण प्रदान करते हैं। (कहानियां हमें वास्तविक मुद्दों का निष्पक्ष विश्लेषण करने में मदद करती हैं।) ● प्रासंगिक वास्तविक जीवन का उदाहरण प्रदान करते हैं। कारण और उदाहरण द्वारा समर्थित अन्य मान्य स्पष्टीकरण भी स्वीकार करें।	४
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	पठन	
आवश्यक विचार	**कथात्मक कहानियां हमें कालक्रम के अनुसार काल्पनिक घटनाओं के बारे में बताती हैं, और पाठकों की सहानुभूति और परिप्रेक्ष्य विकसित करती हैं।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	निम्नलिखित पैराग्राफ कथात्मक कहानी 'द हाउंड ऑफ बेसकरविल्स' से है, जो 'शर्लाक होल्म्स' श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने पहले कभी इतना कुछ नहीं कहा था, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि उनके शब्दों ने मुझे बहुत खुशी दी, क्योंकि मैं अक्सर अपनी प्रशंसा के प्रति उनकी उदासीनता और उनके तरीकों को प्रचारित करने के लिए किए गए प्रयासों के प्रति उदासीन था। मुझे यह सोचकर भी गर्व हुआ कि मैंने अब तक उनकी प्रणाली में महारत हासिल कर ली है ताकि उसे इस तरह से लागू किया जा सके जिससे उनकी स्वीकृति प्राप्त हो। उन्होंने अब मेरे हाथों से छड़ी ली और अपनी नग्न आंखों से कुछ मिनटों तक उसकी जांच की। फिर रुचि की अभिव्यक्ति के साथ उन्होंने अपनी सिगरेट रखी, और छड़ी को खिड़की पर ले जाकर, उन्होंने फिर से उत्तल लेंस से देखा। *Source: https://sherlock-holm.es/stories/html/houn.html* अब, उस वास्तवादी कहानी के बारे में सोचें जो आपने पढ़ी है, 'सिल्वर वेडिंग'। वह मुख्य विशेषता क्या है जो एक कथात्मक कहानी को वास्तवादी कहानी से अलग करती है?	
सही उत्तर	कथात्मक कहानी एक विशेष पात्र के दृष्टिकोण से बताई जाती है।	विद्यार्थी समझते हैं कि ऐसी कहानियों में कथन एक विशेष पात्र को ध्यान में रखकर किया जाता है।
विचलित करने वाला उत्तर १	कथात्मक कहानी हमें काल्पनिक घटनाओं के बारे में बताती है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि दोनों प्रकार की कहानियां हमें उन घटनाओं के बारे में बताती हैं जो वास्तव में नहीं हुई हैं।

विचलित करने वाला उत्तर २	कथात्मक कहानी की घटनाएँ वास्तविक जीवन में नहीं हो सकतीं।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि ऐसी कहानियों में घटनाएँ वास्तवादी या काल्पनिक - दोनों हो सकती हैं।
विचलित करने वाला उत्तर ३	कथा के पात्र वास्तविक लोगों की तरह व्यवहार नहीं करते हैं।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि काल्पनिक पात्र आमतौर पर वास्तविक लोगों के बिल्कुल समान होते हैं।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**पठन**
आवश्यक विचार	**कथात्मक कहानियां हमें कालक्रम के अनुसार काल्पनिक घटनाओं के बारे में बताती हैं, और पाठकों की सहानुभूति और परिप्रेक्ष्य विकसित करती हैं।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	निम्नलिखित पैराग्राफ कथात्मक कहानी 'द हाउंड ऑफ बेसकरविल्स' से है, जो 'शर्लाक होल्म्स' श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने पहले कभी इतना कुछ नहीं कहा था, और मुझे यह स्वीकार करना होगा कि उनके शब्दों ने मुझे बहुत खुशी दी, क्योंकि मैं अक्सर अपनी प्रशंसा के प्रति उनकी उदासीनता और उनके तरीकों को प्रचारित करने के लिए किए गए प्रयासों के प्रति उदासीन था। मुझे यह सोचकर भी गर्व हुआ कि मैंने अब तक उनकी प्रणाली में महारत हासिल कर ली है ताकि उसे इस तरह से लागू किया जा सके जिससे उनकी स्वीकृति प्राप्त हो। उन्होंने अब मेरे हाथों से छड़ी ली और अपनी नग्न आंखों से कुछ मिनटों तक उसकी जांच की। फिर रुचि की अभिव्यक्ति के साथ उन्होंने अपनी सिगरेट रखी, और छड़ी को खिड़की पर ले जाकर, उन्होंने फिर से उत्तल लेंस से देखा। *Source: https://sherlock-holm.es/stories/html/houn.html*

	'कथात्मक कहानी' कहानी बताने का एक अनूठा रूप है क्योंकि इसे आमतौर पर एक पात्र के दृष्टिकोण से बताया जाता है। यह फ़ॉर्म पाठकों को सहानुभूति विकसित करने में कैसे मदद करता है? अपने उत्तर को ऊपर दी गई पंक्तियों के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर पात्र का दृष्टिकोण हमें दुनिया को उनकी आँखों से देखने में मदद करता है। क्योंकि हम पात्र के अंतरतम विचारों और भावनाओं को जानते हैं, हम उनके साथ अधिक सहानुभूति रखने में सक्षम हैं। ऊपर उद्धृत पंक्तियों में हम देख सकते हैं कि पात्र शर्लाक होल्म्स की स्वीकृति चाहता है और उनका बहुत सम्मान करता है। यदि कहानी उनके दृष्टिकोण से नहीं बताई जाती, तो हम केवल उनके कार्यों को देखते, जो शायद हमें उनकी भावनाओं और प्रेरणाओं की इतनी स्पष्ट समझ नहीं देते। अन्य कहानियों में हम पात्रों के विचारों को स्पष्ट रूप से नहीं देख पाते हैं। यह हमें वास्तविक जीवन में लोगों के साथ सहानुभूति रखने में भी मदद करता है, और उन्हें जज करने से पहले उनके आंतरिक विचारों और संघर्षों के बारे में सोचने पर मजबूर करता है।	-
विषय – वस्तु और संगठन ● बताते हैं कि कैसे पात्र का दृष्टिकोण हमें सहानुभूति विकसित करने में मदद करता है। (हम पात्र के विचारों और भावनाओं को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं।) ● दी गई पंक्तियों के संदर्भ में विस्तार से बताते हैं। (पात्र शर्लाक होल्म्स की स्वीकृति चाहता है।)	२

भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**पठन**	
आवश्यक विचार	**कथात्मक कथेतर साहित्य पाठक को कहानी के रूप में सच्ची घटनाओं के बारे में बताती है, जिसका उद्देश्य पाठक को सूचित करने के साथ-साथ मनोरंजन प्रदान करना है।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	कथात्मक कथेतर साहित्य नॉन-फिक्शन की एक बहुत ही विशिष्ट शैली है। इनमें से कौन सा विकल्प **कथात्मक** कथेतर साहित्य पाठ से है?	
सही उत्तर	१०:५६ पी एम् EDT। मेरा दिल मेरे सीने में ढोल पीट रहा था। मेरा मन सैकड़ों विचारों से भर गया - क्या गलत हो सकता है, क्या गलत होगा? अज्ञात व्याप्त हैं। लेकिन यहां मैं दूसरी दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार था, ऐसा करने वाला पहला इंसान। पचास करोड़ से अधिक लोग टेलीविजन पर देख रहे थे। मैं सावधानी से सीढ़ी से नीचे उतरा। गड्ढा, ६० फीट गहरा, घर से लाखों मील दूर एक खगोलीय पिंड पर… और मेरा पैर, एक महत्वहीन अंग,	विद्यार्थी समझते हैं कि कथात्मक कथेतर साहित्य कहानी के रूप में पाठक को सच्ची घटनाओं के बारे में बताती है।

	इसकी सतह पर। "यह एक आदमी के लिए एक छोटा कदम है, मानव जाति के लिए एक बड़ी छलांग है।"	
विचलित करने वाला उत्तर १	नील आर्मस्ट्रांग नासा के अंतरिक्ष यात्री थे, जो २० जुलाई, १९६९ को चंद्रमा पर चलने वाले पहले व्यक्ति होने के लिए सबसे प्रसिद्ध थे। आर्मस्ट्रांग ने १९६६ में नासा के जेमिनी ८ मिशन पर भी उड़ान भरी थी। वह १९७१ में नासा से सेवानिवृत्त हुए पर एयरोस्पेस समुदाय में सक्रिय रहे। हालांकि उन्होंने ज्यादातर पब्लिक स्पॉटलाइट से बाहर रहने का फैसला किया। आर्मस्ट्रांग का ८२ वर्ष की आयु में २५ अगस्त २०१२ को निधन हो गया।	विद्यार्थी सूचनात्मक पाठ और कथात्मक कथेतर साहित्य के बीच के अंतर को नहीं समझते हैं।
विचलित करने वाला उत्तर २	**नील एल्डन आर्मस्ट्रांग** **जन्म:** ५ अगस्त १९३०, वैपकोनेटा, ओहियो, संयुक्त राज्य अमेरिका **मृत्यु:** २५ अगस्त २०१२, सिनसिनाटी, ओहियो, संयुक्त राज्य अमेरिका **स्पेस मिशन:** अपोलो ११, जेमिनी ८ **जीवनसाथी:** कैरल हेल्ड नाइट (१९९४-२०१२), जेनेट शीरॉन (१९५६-१९९४) **बच्चे:** करेन आर्मस्ट्रांग, मार्क आर्मस्ट्रांग, एरिक आर्मस्ट्रांग **माता-पिता:** स्टीफन आर्मस्ट्रांग, वियोला आर्मस्ट्रांग	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि कथात्मक कथेतर साहित्य तथ्यों को सीधे तरीके से सूचीबद्ध नहीं करती है बल्कि उन्हें कहानी के रूप में प्रस्तुत करती है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	"वैज्ञानिक हमें बताते हैं कि वहां कोई वातावरण नहीं है; कोई पौधे नहीं; पानी नहीं है; और यह कि मनुष्य वहां जा सकते हैं, पर वहां नहीं रह सकते। मैं सब कुछ ठीक कर रहा हूँ, चाँद पर काम कर रहा हूँ ताकि जब हम वहाँ जाएँ तो हमें जीवन काफी सुखद लगे। मैं आर्कटिक महासागर से चंद्रमा पर पानी से लदे रॉकेट प्रोजेक्टाइल भेज रहा हूं। यहाँ एक प्रोजेक्टाइल बर्फ से लदा हुआ निकलता है; इसके ठीक पीछे तरल हवा, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन ले जाने	विद्यार्थी विज्ञान की कथा और कथात्मक कथेतर साहित्य के बीच अंतर को नहीं समझते हैं।

	वाला एक अन्य प्रोजेक्टाइल जाता है। दोनों प्रोजेक्टाइल चंद्रमा पर एक ही स्थान पर उतरते हैं, और तरल हवा फट जाती है, और बर्फ के पानी के पिघलने पर एक सुरक्षात्मक मखमल बन जाती है।"	
स्रोत: *https://www.space.com/१५५१९-neil-armstrong-man-moon.html* *https://en.wikipedia.org/wiki/Neil_Armstrong* *https://www.gutenberg.org/files/४७५७६/४७५७६-h/४७५७६-h.htm*		

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**पठन**
आवश्यक विचार	**कथात्मक कथेतर साहित्य पाठक को कहानी के रूप में सच्ची घटनाओं के बारे में बताती है, जिसका उद्देश्य पाठक को सूचित करने के साथ-साथ मनोरंजन प्रदान करना है।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	२००३ की शरद ऋतु में एक दोपहर, व्रोकला पुलिस विभाग में एक अड़तीस वर्षीय जासूस, जेसेक व्रोबलेव्स्की ने अपने दफ्तर में तिजोरी को खोला, जहाँ वह अपनी फाइलें रखते थे, और "जेनिसज़ेवस्की" नामक एक फ़ोल्डर निकाला। देर हो रही थी, और डिपार्टमेंट के अधिकांश सदस्य जल्द ही घर जा रहे थे, उनके मोटे लकड़ी के दरवाजे एक के बाद एक, किले जैसी इमारत के लंबे पत्थर के गलियारे में बंद हो रहे थे, जिसे जर्मनों ने बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में बनाया था, जब व्रोकला जर्मनी का हिस्सा था। (इमारत में भूमिगत सुरंगें हैं जो सड़क के उस पार जेल और कोर्टहाउस की ओर जाती हैं।) व्रोबलेव्स्की, जो देर रात तक काम करना पसंद करते थे, अपने डेस्क के पास एक कॉफ़ीपॉट और एक छोटा रेफ्रिजरेटर रखते थे; इस छोटे से कमरे में बस इतना ही फिट किया जा सकता था।

	स्रोत: https://www.newyorker.com/magazine/२००८/०२/११/true-crime लेख 'ट्रू क्राइम: ए पोस्टमॉडर्न मर्डर मिस्ट्री' २००० में एक पोलिश व्यवसायी की रहस्यमय हत्या को सुलझाने में एक जासूस के अनुभव के बारे में है। सच्ची घटनाओं को कहानी के रूप में प्रस्तुत करने का मुख्य लाभ क्या है? अपने उत्तर को ऊपर दिए गए गद्यांश के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर सच्ची घटनाओं और सूचनाओं को विभिन्न रूपों में प्रस्तुत किया जा सकता है - एक सूची के रूप में, एक ग्राफिक आयोजक के रूप में, एक रिपोर्ट के रूप में, एक लेख के रूप में, और एक कहानी के रूप में भी। सच्ची घटनाओं को कहानी के रूप में प्रस्तुत करने से पाठक की रुचि बनाए रखने और उन्हें पढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित करने का लाभ मिलता है। कहानियां, अपने स्वभाव के कारण, पाठकों को आकर्षित करने, प्रत्याशा बनाने और कठिन या अन्यथा थकाऊ जानकारी को काफी आसान और रोचक बनाने में सक्षम हैं! पैराग्राफ केस के माहौल को बहुत अच्छे से सेट करता है। यह हमें स्पष्ट रूप से बताता है कि जासूस अकेले ही काम कर रहा था; कि इस रहस्यमयी मामले को लेकर कोई उत्साह नहीं था; कि कोई भी मारे गए व्यक्ति के बारे में नहीं सोच रहा था। इस धीमी शुरुआत से पता चलता है कि जल्द ही केस में एक नया रोमांचक ट्विस्ट आने वाला है और घटनाएँ बहुत दिलचस्प हो जाएँगी।	-
विषय – वस्तु ● जानकारी को कहानियों के रूप में प्रस्तुत करने के कम से कम एक मुख्य लाभ की व्याख्या करते हैं। (आकर्षक प्रारूप; संदर्भ निर्धारित करने की क्षमता; पढ़ने में आसान।) ● प्रदान किए गए पैराग्राफ का उपयोग करके लाभ की व्याख्या करते हैं।	३

(माहौल सेट करता है; आगे क्या होगा इसके बारे में सुराग देता है।) अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	
संगठन ● शुरुआत कहानियों के लाभ से करते हैं। ● दिए गए पैराग्राफ के संदर्भ में लिखते हैं। ● विचारों को तार्किक प्रवाह में प्रस्तुत करते हैं। मानदंडों को पूरा करने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें। यदि मानदंड में सुधार की आवश्यकता है तो आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें। यदि मानदंड पूरा नहीं किया गया है तो ० अंक प्रदान करें।	२
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

<table>
<tr><th>कौशल</th><th colspan="2">पठन</th></tr>
<tr><td>आवश्यक विचार</td><td colspan="2">सूचनात्मक पाठ पाठकों को प्राकृतिक या सामाजिक दुनिया के बारे में सूचित करने के उद्देश्य से विषयों या घटनाओं के बारे में तथ्यों को सीधे तरीके से प्रस्तुत करते हैं।</td></tr>
<tr><td>प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न</td><td colspan="2">निम्नलिखित पैराग्राफ सुशील जोशी द्वारा लिखे गए सूचनात्मक पाठ 'अंतरिक्ष यात्री स्पेस-सूट क्यों पहनते हैं?' से लिया गया है।

अन्तरिक्ष में वायुमण्डल नहीं होता। इसलिए वहाँ वायुमण्डलीय दबाव भी नहीं होता। इस स्थिति में शरीर का रक्तचाप धमनियों और शिराओं को फाड़ सकता है जिससे रक्त बाहर आ सकता है। इस तरह की चीज़ दरअसल होती भी है। जैसा कि मैंने पहले कहा था, जैसे-जैसे आप पहाड़ों पर ऊपर की ओर जाएँगे हवा कम होती जाएगी। इसलिए उसका दबाव भी कम होता जाएगा। इसी वजह से, कभी-कभी, ऊँचे पहाड़ों पर लोगों की नाक से खून बहने लगता है। आप इसकी कल्पना कर सकते हैं कि यदि हवा न हो (जैसा कि अन्तरिक्ष में होता है) तो यह रक्त-स्राव एक बड़ी समस्या साबित हो सकता है।

स्रोत: https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/२५५-sandarbh-from-issue-९१-to-१००/sandarbh-issue-९१/९४०-९१

इसके आधार पर, आपके विचार में एक शैली के रूप में सूचनात्मक पाठ का मुख्य उद्देश्य क्या है?</td></tr>
<tr><td>सही उत्तर</td><td>अपने पाठकों को सही और सटीक जानकारी सीधे तरीके से पेश करना</td><td>विद्यार्थी समझते हैं कि सूचनात्मक पाठ पाठकों को प्राकृतिक या सामाजिक दुनिया के बारे में सूचित करने के उद्देश्य से विषयों या घटनाओं के बारे में तथ्यों को सीधे तरीके से प्रस्तुत करते हैं।</td></tr>
<tr><td>विचलित करने वाला उत्तर १</td><td>अपने पाठकों की भावनाओं को जगाने और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए प्रेरित करना</td><td>विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि सूचनात्मक पाठ पाठकों की भावनाओं को आकर्षित करने के लिए कथा या कविता की तकनीकों का उपयोग नहीं करते हैं।</td></tr>
</table>

विचलित करने वाला उत्तर २	दुनिया भर में हो रही महत्व की वर्तमान घटनाओं के बारे में अपने पाठकों को सूचित करना	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि वर्तमान घटनाओं के बारे में सूचित करना उद्देश्य का हिस्सा है लेकिन सूचनात्मक गैर-कथा का मुख्य उद्देश्य नहीं है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	अपने पाठकों को महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक विशिष्ट दृष्टिकोण की ओर राजी करना	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि सूचनात्मक पाठ विषयों के पक्ष या विपक्ष में तर्क प्रस्तुत नहीं करते हैं, लेकिन जानकारी को वैसे ही प्रस्तुत करते हैं जैसे वह है।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**पठन**
आवश्यक विचार	**सूचनात्मक पाठ पाठकों को प्राकृतिक या सामाजिक दुनिया के बारे में सूचित करने के उद्देश्य से विषयों या घटनाओं के बारे में तथ्यों को सीधे तरीके से प्रस्तुत करते हैं।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	सूचनात्मक पाठ के विभिन्न संरचनाओं में सूची,विवरण, समस्या और समाधान, कारण और प्रभाव,तुलना और घटनाओं का क्रम शामिल हैं। मधुमक्खियों के विलुप्त होने के बारे में सूचनात्मक पाठ लिखने के लिए कौन सी संरचना सबसे प्रभावी है? उचित कारण के साथ अपनी चुनी हुई संरचना का समर्थन करें।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर	-

मेरी राय में, मधुमक्खियों के विलुप्त होने के बारे में सूचनात्मक पाठ लिखने के लिए 'कारण और प्रभाव' संरचना सबसे प्रभावी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस अवधारणा के दो स्तरों पर कारण और प्रभाव शामिल हैं - एक, मानवीय क्रियाएं मधुमक्खी आबादी में कमी का कारण बन रही हैं; और दूसरा, मधुमक्खियों के विलुप्त होने से बहुत जल्द भोजन की व्यापक कमी हो जाएगी। समस्याओं की प्रकृति इस संरचना का अच्छी तरह से समर्थन करती है।	
विषय–वस्तु और संगठन ● एक संरचना चुनते हैं और इसे स्पष्ट रूप से बताते हैं। (विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किसी भी विकल्प को स्वीकार करें।) ● विकल्प के समर्थन में स्पष्ट कारण प्रदान करते हैं। (मुद्दे की प्रकृति में कारणों और प्रभावों के शामिल होने के कारण 'कारण और प्रभाव'। / 'समस्या और समाधान' क्योंकि मधुमक्खी विलुप्त होना एक ऐसी समस्या है जिसका हम सामना कर रहे हैं जिसके लिए तत्काल समाधान की आवश्यकता है।) ● विचारों को तार्किक प्रवाह में प्रस्तुत करते हैं। कारणों से समर्थित अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	२
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**पठन**	
आवश्यक विचार	**कविता पढ़ने के लिए पाठक को विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछने और उसके संदर्भ को समझने की आवश्यकता होती है।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	भवानी प्रसाद मिश्रा एक कवि थे, जो सरल, भावनात्मक कविताएँ लिखने के लिए प्रसिद्ध थे। उनकी कई कविताएँ प्रकृति की महिमा पर केंद्रित हैं। १९४२ में उन्हें एक स्कूल खोलने के लिए जेल में डाल दिया गया था। जेल की सजा के दौरान उन्होंने 'घर की याद' कविता लिखी थी। इस संदर्भ के आधार पर, आपके विचार में 'घर की याद' कविता का विषय या “थीम” क्या है?	
सही उत्तर	परिवार का बंधन	विद्यार्थी समझते हैं कि कविता के थीम में कविता का संदर्भ बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
विचलित करने वाला उत्तर १	स्थिति की लाचारी	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि कविता सकारात्मकता और प्रेम पर केंद्रित है, न कि नकारात्मक भावनाओं पर।
विचलित करने वाला उत्तर २	प्यार का संतोष	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि जबकि कविता परिवार के सदस्यों के प्यार के बारे में है, इसका मुख्य फोकस परिवार और बंधन है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	अन्याय का क्रोध	विद्यार्थी केवल संदर्भ पर ध्यान केंद्रित करते हैं न कि कविता के शब्दों और विषय पर।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**पठन**
आवश्यक विचार	कविता पढ़ने के लिए पाठक को विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछने और उसके संदर्भ को समझने की आवश्यकता होती है।
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	किसी कविता के बारे में विश्लेषणात्मक प्रश्न पूछने से हमें उसे गहराई से समझने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए: भावनाओं को व्यक्त करने के लिए कवि रूप और संरचना का उपयोग कैसे करते हैं? कवि के शब्दों का चुनाव कविता के अर्थ और स्वर को कैसे प्रभावित करता है? भवानी प्रसाद मिश्रा की कविता 'घर की याद' के संदर्भ में इन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंकन योजना	
विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर भवानी प्रसाद मिश्रा ने जेल में जीवन की एकरसता को उजागर करने के लिए संरचनात्मक तत्वों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया है। वह बार-बार शब्दों को दोहराते हैं, और यह दोहराव और थकान की भावना पैदा करता है जो जेल में जीवन की विशेषता है। इससे हमें उसकी मनःस्थिति का आभास होता है। कवि बारिश के बारे में बात करते हैं, और यह उदासी और लालसा का स्वर पैदा करता है, और अपने परिवार के बारे में उनकी भावनाओं और इस दुख से पैदा हुए आंसुओं को दर्शाता है।	-
विषय–वस्तु और संगठन ● कविता के अर्थ को प्रभावित करने वाले संरचनात्मक तत्वों की व्याख्या करते हैं।	३

(शब्दों की पुनरावृत्ति, नीरस प्रभाव।) ● शब्द चयन के अर्थ और स्वर पर प्रभाव की व्याख्या करते हैं। (बारिश उनकी लालसा और उदासी को दर्शाती है।) ● विचारों को तार्किक प्रवाह में प्रस्तुत करते हैं। साक्ष्य द्वारा समर्थित अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**पठन**	
आवश्यक विचार	**नाटक लिखित संवाद और मंच निर्देश के प्रदर्शन के लिए एक स्क्रिप्ट है, जो एक ऐसी कहानी बताती है जो आमतौर पर पात्रों के बीच संघर्ष पर केंद्रित होती है।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	नाटक 'रजनी' की निम्नलिखित पंक्तियाँ पढ़ें। बोल्ड में लिखी पंक्तियाँ मंच निर्देश हैं। ***(अपराधी की तरह सफाई देते हुए)*** *तुझे अंग्रेजी को लेकर थोड़ी परेशान थी सो अंग्रेजी में करवा दी थी ट्यूशन। अब दो-दो विषयों की ट्यूशन... फिर लम्बी-चौड़ी फीस। बेटे...* ***(अपनी आर्थिक मजबूरी की बात वह शब्द से नहीं, चेहरे से व्यक्त करती है)*** *पर यह तो अंधेर ही हुआ की सारा पेपर ठीक हो, फिर भी नंबर काट लो।* मंच पर किए जा रहे नाटक में मंच निर्देश का क्या महत्व होता है?	
सही उत्तर	मंच निर्देश अभिनेताओं को उनके भाव, शारीरिक हाव-भाव और मंच पर प्रदर्शन के बारे में दिशा-निर्देश देते हैं।	विद्यार्थी समझते हैं कि प्रदर्शन केवल मंच पर बात करने के बारे में नहीं है बल्कि भाव और शारीरिक हाव-भाव के बारे में भी है।
विचलित करने वाला उत्तर १	मंच निर्देश अभिनेताओं को दिशा-निर्देश देते हैं कि उन्हें मंच पर कहाँ खड़ा होना चाहिए।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि अभिनेताओं को मंच पर कहाँ खड़ा होना चाहिए, यह प्रदर्शन का सिर्फ एक पहलू है जिसके बारे में मंच निर्देश उन्हें बताते हैं।
विचलित करने वाला उत्तर २	मंच निर्देश निर्देशक को निर्देश देते हैं कि मंच पर फर्नीचर और अन्य वस्तुओं को कैसे रखा जाना चाहिए।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि मंच निर्देश दर्शकों के लिए अभिनय करने वाले अभिनेता के दृष्टिकोण से लिखे जाते हैं।

विचलित करने वाला उत्तर ३	मंच निर्देश निर्देशक को नाटक को निर्देशित करने के तरीके के बारे में दिशा-निर्देश देते हैं।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि मंच निर्देश मुख्य रूप से अभिनेताओं के लिए कुछ खास तरीकों से प्रदर्शन करने के लिए होते हैं।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**पठन**
आवश्यक विचार	**नाटक लिखित संवाद और मंच निर्देश के प्रदर्शन के लिए एक स्क्रिप्ट है, जो एक ऐसी कहानी बताती है जो आमतौर पर पात्रों के बीच संघर्ष पर केंद्रित होती है।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	***हैडमास्टर:*** *आप बहस करके बेकार ही अपना और मेरा समय बर्बाद कर रही हैं। मैंने कह दिया न कि इन कॉपियों को दिखाने का नियम नहीं है और मैं नियम नहीं तोड़ूंगा।* ***रजनी:*** *(व्यंग्य से) नियम! यानी कि आपका स्कूल बहुत नियम से चलता है।* ***हैडमास्टर:*** *(गुस्से से) व्हॉट डू यू मीन?* ***रजनी:*** *आई मीन व्हॉट आई से । नियम का ज़रा भी खयाल होता तो इस तरह की हरकतें नहीं होतीं स्कूल में। कोई बच्चा बहुत अच्छा है किसी विषय में फिर भी उसे मजबूर किया जाता है कि वह ट्यूशन ले। यह कौन-सा नियम है आपके स्कूल का?* एक नाटक हमें एक कहानी बताता है जो आमतौर पर पात्रों के बीच संघर्ष पर केंद्रित होती है। नाटक का संवाद इसमें कैसे योगदान देता है? नाटक 'रजनी' से ली गई उपरोक्त पंक्तियों के संदर्भ में अपने उत्तर की व्याख्या कीजिए।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर	-

कहानी और पात्रों के बीच संघर्ष को प्रकट करने में नाटक का संवाद नाटक का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। एक नाटक, आखिरकार एक किताब नहीं है - पात्रों की आंतरिक भावनाओं या पिछले अनुभवों का कोई वर्णन नहीं है। यह संवाद है जो बताता है कि पात्र क्या महसूस कर रहे हैं और उनके उद्देश्य क्या हैं। दी गई पंक्तियों से हम बता सकते हैं कि रजनी अधीर महसूस कर रही है और स्थिति को लेकर काफी चिड़चिड़ी है। हेडमास्टर खारिज और नाराज हैं, क्योंकि उन्हें यह पसंद नहीं है कि कोई उनसे कठिन प्रश्न पूछ रहा है या उनके काम करने के तरीके को चुनौती दे रहा है। रजनी संवाद के माध्यम से दिखाती है कि वह अन्याय को स्वीकार नहीं करती है और जो सही है उसे पूछने से डरती नहीं है, चाहे उसे किसी से भी लड़ना पड़े। यह पात्रों के बीच का संघर्ष है, और उनके बीच के संवाद से पता चलता है कि वे क्या महसूस कर रहे हैं और ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं।	
विषय– वस्तु ● नाटक में संवाद के महत्व की व्याख्या करते हैं। (यह पात्रों की भावनाओं और लक्षणों को दर्शाता है।) ● दी गई पंक्तियों का प्रयोग करते हुए संवाद की भूमिका की व्याख्या करते हैं। (रजनी अन्याय को स्वीकार नहीं करती है।) साक्ष्य द्वारा समर्थित अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	३
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।*	१

३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें। *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**शब्दज्ञान**	
आवश्यक विचार	**संदर्भ, विशेष रूप से भाषाई और स्थितिजन्य सुराग से अपरिचित शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने और पूर्व ज्ञान का उपयोग करने से हमें ग्रंथों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	प्राचीन काल में युद्ध पर वर्ल्ड हिस्ट्री इनसाइक्लोपीडिया के लेख का एक पैराग्राफ निम्नलिखित है। युद्ध और राष्ट्रों का उदय पूरे इतिहास में व्यक्तियों, राज्यों या राजनीतिक गुटों ने युद्ध के माध्यम से क्षेत्रों पर **संप्रभुता** प्राप्त की है। मेसोपोटामिया की दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक का इतिहास लगभग निरंतर संघर्ष का इतिहास है। अक्कड़ के महान सरगोन के बाद भी अक्कादियन साम्राज्य के तहत इस क्षेत्र को एकीकृत किया गया था, फिर भी विद्रोहों को कम करने या आक्रमणकारियों को रोकने के लिए युद्ध छेड़ा गया था। माना जाता है कि मिस्र का प्रारंभिक राजवंश काल युद्ध से उत्पन्न हुआ था जब दक्षिण के फर्रो माइंस ने उत्तरी मिस्र के क्षेत्र पर विजय प्राप्त की थी। *स्रोत: https://www.worldhistory.org/war/* रेखांकित शब्द '**संप्रभुता**' का अर्थ क्या है? अनुमान लगाने के लिए भाषा और संदर्भ संकेतों का प्रयोग करें।	
सही उत्तर	प्राधिकरण	विद्यार्थी अर्थ का अनुमान लगाने के लिए भाषा और संदर्भ दोनों सुरागों का उपयोग करते हैं।

विचलित करने वाला उत्तर १	धार्मिकता	विद्यार्थी अर्थ का अनुमान लगाने के लिए संदर्भ सुराग का उपयोग नहीं करते हैं बल्कि केवल भाषा सुराग का उपयोग करते हैं|
विचलित करने वाला उत्तर २	अभिभावकता	विद्यार्थी अर्थ का अनुमान लगाने के लिए भाषा के सुरागों का उपयोग नहीं करते हैं, केवल संदर्भ सुराग का उपयोग करते हैं|
विचलित करने वाला उत्तर ३	दहशतगेज़ी	विद्यार्थी अर्थ का अनुमान लगाने के लिए संदर्भ सुराग या भाषा सुराग का उपयोग नहीं करते हैं|

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**शब्दज्ञान**
आवश्यक विचार	**संदर्भ, विशेष रूप से भाषाई और स्थितिजन्य सुराग, से अपरिचित शब्दों के अर्थ का अनुमान लगाने और पूर्व ज्ञान का उपयोग करने से हमें ग्रंथों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	मछली पकड़ने वाली बिल्लियों पर एक साइंस न्यूज़ के लेख से निम्नलिखित उद्धरण दिया गया है। गहरे पानी में - जहां बिल्ली के शरीर का अधिकांश हिस्सा डूबा हुआ होता है - बिल्ली के बच्चे हमला करने के सही अवसर के लिए धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करते हैं। वे लगभग ५२ प्रतिशत समय स्थिर रहते हैं और केवल ३.९ प्रतिशत समय शिकार पर हमला करने की कोशिश करते हैं, जैसा कि वीडियो में दिखाया गया है। यह 'बैठो और प्रतीक्षा करो' दृष्टिकोण मछली पकड़ने वाली बिल्लियों को ऊर्जा बचाने में मदद करता है और शिकार को सफलतापूर्वक पकड़ने की संभावना भी बढ़ाता है। मछली पकड़ने वाली बिल्ली कूदने से पहले बहुत सोचती है। इसे अपने [ऊर्जा] लाभ को अनुकूलित करना होता है।

	जब उथले पानी में शिकार किया जाता है, तो मछली पकड़ने वाली बिल्लियाँ अधिक सक्रिय होती हैं, लगभग ९६ प्रतिशत समय गश्त करती हैं और कभी-कभी मछलियों को बाहर निकालने के लिए पानी को थपथपाती हैं। यह अंतर्दृष्टि मछली पकड़ने वाली बिल्ली की अर्धजलीय प्रकृति के बारे में हमारी समझ पर विस्तार करती है। *स्रोत: https://www.sciencenews.org/article/fishing-cat-hunt-fish-india-scientists* एक भाषा सुराग और एक संदर्भ सुराग देते हुए अर्धजलीय शब्द का अर्थ स्पष्ट करें।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर भाषा सुराग: शब्द का पहला भाग, 'अर्ध' का अर्थ है 'आधा', और दूसरा भाग, 'जलीय,' का अर्थ है 'पानी।' चूंकि शब्द का उपयोग विशेषण के रूप में किया गया है, हम कह सकते हैं कि यह मछली पकड़ने वाली बिल्ली की प्रकृति का वर्णन कर रहा है। यह हमें बताता है कि मछली पकड़ने वाली बिल्ली आंशिक रूप से पानी में और आंशिक रूप से जमीन पर रहती है। संदर्भ सुराग: अर्क मछली पकड़ने वाली बिल्लियों के बारे में है। हम जानते हैं कि बिल्लियाँ ज़मीन पर रहती हैं। अर्क से हम समझते हैं कि मछली पकड़ने वाली बिल्लियाँ भोजन के रूप में मछली का शिकार करती हैं और मछली का शिकार करने की कोशिश में गहरे और साथ ही उथले पानी में समय बिताती हैं। इस संदर्भ के आधार पर हम कह सकते हैं कि 'अर्ध-जलीय' शब्द का अर्थ है 'आंशिक रूप से जमीन पर और आंशिक रूप से पानी में रहना'।	-
विषय–वस्तु और संगठन	३

● शब्द का सही अर्थ बताते हैं। (आंशिक रूप से भूमि पर और आंशिक रूप से पानी में।) ● १ प्रासंगिक भाषा सुराग प्रदान करते हैं। (शब्द के दो भाग: अर्ध और जलीय।) ● १ प्रासंगिक संदर्भ सुराग प्रदान करते हैं। (अर्क एक ऐसे जानवर के बारे में बात करता है जो जमीन पर रहता है लेकिन भोजन के लिए मछली का शिकार करता है।) अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**शब्दज्ञान**	
आवश्यक विचार	**विशिष्ट शब्द विकल्पों का अर्थ और स्वर पर बहुत प्रभाव पड़ता है, जिसमें समान अर्थ वाले शब्द या विशेष रूप से आकर्षक भाषा शामिल हैं।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	एक पुरातात्विक खुदाई में ८००० साल पहले के आभूषण और हथियार मिले हैं। आपको इन वस्तुओं के संग्रहालय प्रदर्शन के लिए एक पोस्टर बनाने का काम सौंपा गया है। आपके पोस्टर का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक आगंतुकों को आकर्षित करना है। आप अपने पोस्टर के लिए कौन सा वाक्य चुनेंगे?	
सही उत्तर	प्राचीन आभूषणों और हथियारों का अद्भुत प्रदर्शन!	विद्यार्थी समझते हैं कि संग्रहालय में आभूषण और हथियारों के संबंध में प्राचीन शब्द का अर्थ सकारात्मक है और इसलिए यह कई आगंतुकों को आकर्षित करेगा।
विचलित करने वाला उत्तर १	पुराने गहनों और हथियारों का अद्भुत प्रदर्शन!	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि संग्रहालय में आभूषण और हथियारों के संबंध में पुराने शब्द का अर्थ बहुत सकारात्मक नहीं है और इसलिए कई आगंतुकों को आकर्षित नहीं कर सकता है।
विचलित करने वाला उत्तर २	जीर्ण-शीर्ण आभूषण और हथियारों का अद्भुत प्रदर्शन!	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि जीर्ण-शीर्ण शब्द का एक नकारात्मक अर्थ है, जो आगंतुकों को संग्रहालय की ओर आकर्षित नहीं करेगा।
विचलित करने वाला उत्तर ३	बूढ़े गहनों और हथियारों का अद्भुत प्रदर्शन!	विद्यार्थी यह नहीं समझता है कि बूढ़े शब्द का प्रयोग लोगों का वर्णन करने के लिए किया जाता है न कि वस्तुओं के लिए।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**शब्दज्ञान**
आवश्यक विचार	**विशिष्ट शब्द विकल्पों का अर्थ और स्वर पर बहुत प्रभाव पड़ता है, जिसमें समान अर्थ वाले शब्द या विशेष रूप से आकर्षक भाषा शामिल हैं।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	जंगल में एक युवा लड़की के अनुभवों के बारे में लिखते समय आप कौन सा विकल्प चुनेंगे? अपने उत्तर को शब्दावली और स्वर पर केंद्रित करें। विकल्प १: राफिया बिना किसी लक्ष्य के जंगल में चल रही थी। एक बार, वह एक जंगली फर्न को देखने के लिए रुकी। दूसरी बार, वह पेड़ों से गिरने वाले वर्षा जल को सुनने के लिए रुकी। उसे दूर पक्षियों को गाते हुए सुनना भी अच्छा लगता था। विकल्प २: राफिया जंगल में भटकती रही, कभी रुककर जंगली फर्न की प्रशंसा करती और कभी टपकते पानी और दूर चिड़ियों की चहचहाहट सुनती।

अंकन योजना	
विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर मैं विकल्प २ चुनूंगा।	-

विकल्प २ अधिक विशिष्ट शब्दावली का उपयोग करता है और पाठक के दिमाग में एक स्पष्ट तस्वीर बनाता है। उदाहरण के लिए, ' बिना किसी लक्ष्य के चल रही थी' कहने के बजाय, वाक्य भटकती रही' कहता है, जो हमें तुरंत पात्र की भावनात्मक स्थिति और शारीरिक गतिविधियों के बारे में बताता है। इसी तरह, ' देखने' के बजाय ' प्रशंसा' शब्द का इस्तेमाल हमें पात्र के विचारों और बॉडी लैंग्वेज के बारे में बताता है। विकल्प २ में अधिक आशावादी और जीवंत स्वर भी है। यह हमें बताता है कि राफिया जंगल में घूमने का आनंद ले रही है। उदाहरण के लिए, ' दूर चिड़ियों की चहचहाहट' ' दूर पक्षियों को गाते हुए' की तुलना में हल्का वातावरण बनाता है।	
विषय–वस्तु और संगठन ● बताते हैं कि वह कौन सा विकल्प चुनेंगे। ● शब्दावली और उसके प्रभाव के उदाहरणों का उपयोग करते हुए चुनाव की व्याख्या करते हैं। (विशिष्ट शब्दावली का प्रयोग।) ● स्वर और उसके प्रभाव के उदाहरणों का उपयोग करते हुए चुनाव की व्याख्या करता है। (अधिक आशावादी और जीवंत स्वर।) साक्ष्य द्वारा समर्थित अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	३
भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। २ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें। ३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें। ४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**व्याकरण**	
आवश्यक विचार	**वाक्य रचना और काल व्याकरण की प्रमुख अवधारणाएँ हैं और ये हमारी समझ और संचार को मौलिक रूप से प्रभावित करती हैं।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित भाग में व्याकरण संबंधी त्रुटि है। वह विकल्प चुनें जो इस त्रुटि को ठीक करेगा। स्वतंत्रता को सक्षम करने के अलावा, इस तरह के कार्यक्रम — जैसे ग्रामीण महिला रोजगार कार्यक्रम और बालिका शिक्षा कोष — देश की अर्थव्यवस्था में सुधार करेंगे, **क्योंकि यह आयात पर हमारी निर्भरता को कम करता है।**	
सही उत्तर	क्योंकि ये आयात पर हमारी निर्भरता को कम करते हैं।	विद्यार्थी समझते हैं कि सर्वनाम और पूर्ववृत्त (antecedent) दोनों बहुवचन होने चाहिए।
विचलित करने वाला उत्तर १	क्योंकि यह आयात पर हमारे निर्भरता को कम करता है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि यह एक नई त्रुटि पैदा करता है क्योंकि 'निर्भरता' शब्द के पहले एकवचन सर्वनाम की आवश्यकता होती है।
विचलित करने वाला उत्तर २	क्योंकि यह आयात में क्रमिक कमी पर निर्भर करता है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि वाक्य रचना को बदलने से अर्थ त्रुटि पैदा होती है और व्याकरण संबंधी त्रुटि ठीक नहीं होती है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	क्योंकि वे निर्यात पर हमारी निर्भरता को कम करते हैं।	विद्यार्थी व्याकरण संबंधी त्रुटि की पहचान करते हैं लेकिन अर्थ त्रुटि पर ध्यान नहीं देते हैं।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**व्याकरण**
आवश्यक विचार	**वाक्य रचना और काल व्याकरण की प्रमुख अवधारणाएँ हैं और ये हमारी समझ और संचार को मौलिक रूप से प्रभावित करती हैं।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	एन्ड्रयू फ्रेज़र ने जिन भारतीय अधिकारियों के साथ काम किया, उनमें से एक थे - खान बहादुर औलाद हुसैन। औलाद हुसैन ने सेटलमेंट अधिकारी के रूप में जबलपुर-सिवनी में काम किया था। औलाद हुसैन उर्दू-फारसी के अच्छे जानकार थे। वो इंग्लिश पढ़ लेते थे लेकिन बोलने में खुद को सहज नहीं पा रहे थे। उन्होंने सेटलमेंट कोड का उर्दू में अनुवाद किया था। जब एन्ड्रयू फ्रेज़र ने जबलपुर में काम सम्हाला था तो उनके औलाद हुसैन के साथ काफी दोस्ताना ताल्लुकात बन गए थे। काम के सिलसिले में हुसैन फ्रेज़र का मार्गदर्शन करते थे। हुसैन के बेटे सैय्यद अली मोहम्मद ने आगरा से स्नातक स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वो सेंट्रल प्रोविंसेस की सिविल सेवा में शामिल हो गया। *स्रोत: https://eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/२३७-sandarbh-from-issue-७१-to-८०/sandarbh-issue-७८/३५९९-angreji-hukumat-aur-uska-sthaniya-sansar* (१) उपरोक्त पैराग्राफ में व्याकरण संबंधी त्रुटि क्या है? यह त्रुटि क्यों है? (२) बताएं कि आप त्रुटि को कैसे ठीक करेंगे। फिर, सही वाक्य लिखें।

अंकन योजना		
भाग	**विवरण**	**अंक**
	नमूना उत्तर	-

	(१) पैराग्राफ के चौथे वाक्य में त्रुटि है। वाक्य है: वो इंग्लिश पढ़ लेते थे लेकिन बोलने में खुद को सहज नहीं पा रहे थे। इस वाक्य का रेखांकित भाग अपूर्ण भूतकाल में लिखा गया है, लेकिन शेष अनुच्छेद पूर्ण भूतकाल में लिखा गया है। यह पैराग्राफ इतिहास और उन कार्यों के बारे में बात करता है जो अतीत में पूरे किए गए थे, और इसलिए अपूर्ण भूत काल का उपयोग नहीं किया जा सकता है। (२) हम वाक्य के उस भाग के काल को पूर्ण भूतकाल में बदलकर त्रुटि को ठीक कर सकते हैं। इससे पता चलता है कि कार्य अतीत में पूरा किया गया था। सही वाक्य है: वो इंग्लिश पढ़ लेते थे लेकिन बोलने में खुद को सहज नहीं पाते थे।	
(१)	• व्याकरण संबंधी त्रुटि की पहचान करते हैं। (चौथे वाक्य में अपूर्ण भूतकाल का प्रयोग।) • बताते हैं कि यह एक त्रुटि क्यों है। (अनुच्छेद और वाक्य अतीत में पूरे किये गए कार्यों के बारे में बात करते हैं।)	२
(२)	• बताते हैं कि त्रुटि को कैसे ठीक किया जाएगा। (पूर्ण भूतकाल का प्रयोग।) • सही वाक्य लिखते हैं।	२

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	व्याकरण	
आवश्यक विचार	**उपवाक्यों और वाक्यांशों का उपयोग वाक्य संरचना को बदलने और जानकारी को सटीक रूप से व्यक्त करने के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	निम्नलिखित वाक्य प्रधान और आश्रित उपवाक्य से बने हैं। विराम चिह्नों का सही उपयोग करने से ये वाक्य स्पष्ट और समझने में आसान हो जाते हैं। किस वाक्य में विराम-चिह्न त्रुटि है?	
सही उत्तर	वह पुराना महल जिसे हाल ही में पुनर्निर्मित किया गया था, एक नीली झील के बगल में था।	विद्यार्थी समझते हैं कि 'जिसे हाल ही में पुनर्निर्मित किया गया था' आश्रित उपवाक्य है और इसके पहले और बाद में अल्पविराम की आवश्यकता होती है।
विचलित करने वाला उत्तर १	छात्रा का परिचय एक प्रसिद्ध कलाकार से हुआ, जिससे वह मिलने के लिए उत्साहित थी।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि 'जिससे वह मिलने के लिए उत्साहित थी' आश्रित उपवाक्य है और इससे पहले अल्पविराम की आवश्यकता है क्योंकि यह वाक्य के अंत में लिखा गया है।
विचलित करने वाला उत्तर २	भले ही मैं गुस्से में हूं, मैं समझता हूं कि आपको ऐसा क्यों करना पड़ा।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि 'भले ही मैं गुस्से में हूं' आश्रित उपवाक्य है और और इसके बाद अल्पविराम की आवश्यकता है क्योंकि यह वाक्य के शुरू में लिखा गया है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	स्कूल लाइब्रेरी, जो कैफेटेरिया के बगल में है, स्कूल में मेरी सबसे पसंदीदा जगह है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते हैं कि 'जो कैफेटेरिया के बगल में है' आश्रित उपवाक्य है और इसके पहले और बाद में अल्पविराम की आवश्यकता होती है।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**व्याकरण**
आवश्यक विचार	**उपवाक्यों और वाक्यांशों का उप्योग वाक्य संरचना को बदलने और जानकारी को सटीक रूप से व्यक्त करने के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	एक पहाड़ी शहर में प्रवेश करने वाले एक राक्षसी प्राणी का निम्नलिखित विवरण केवल सरल वाक्यों से बना है, जो इसे नीरस बना देता है। दिए गए वाक्यों को जोड़कर आवश्यकतानुसार मिश्रित या संयुक्त वाक्य बनाकर विवरण में सुधार करें। राक्षसी प्राणी टाउन स्क्वायर की ओर बढ़ा। काले बादल आसमान में इकट्ठा होते रहे। पहाड़ी पर एक भयानक उदासी छा गई। शहरवासी आने वाले खतरे से अनजान थे। वे त्योहार मनाते रहे। वे गाते रहे। वे नाचते रहे।

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर जैसे राक्षसी प्राणी टाउन स्क्वायर की ओर बढ़ा, काले बादल आसमान में इकट्ठा होते रहे, जिससे पहाड़ी पर एक भयानक उदासी छा गई। आने वाले खतरे से अनजान शहरवासी त्योहार के जश्न में गाते और नाचते रहे।	-
● कम से कम १ मिश्रित वाक्य या संयुक्त वाक्य लिखते हैं।	१

• मिश्रित या संयुक्त वाक्य लिखने के लिए व्याकरण के नियमों का पालन करते हैं।	१
• संबंधित वाक्यों को जोड़कर उन्हें एक आकर्षक प्रवाह में लिखते हैं।	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**लेखन**
आवश्यक विचार	**एक अच्छी तरह से संरचित तर्क विशिष्ट और तर्कपूर्ण दावों का परिचय देता है, उन्हें प्रतिदावे से अलग करता है, और कारण और सबूत प्रदान करता है।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	दिए गए तर्कपूर्ण निबंध के प्रारंभिक पैराग्राफ को पढ़ें, विविधता: नए वैज्ञानिक तकनीक: वरदान या अभिशाप? आज टेक्नोलॉजी का हर किसी के जीवन में खास महत्त्व है क्योंकि यह न सिर्फ व्यक्ति के विकास में मदद करती है, बल्कि देश-दुनिया के विकास में भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाती है। टेक्नोलॉजी से कई ऐसी मशीनें, सॉफ्टवेयर अथवा उपकरण बनाए गए हैं जिससे माल बनाने की प्रक्रिया में तेजी आई है और औद्योगिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। टेक्नोलॉजी से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिला है, तो वहीं दूसरी तरफ उद्योगों से निकलने वाली दूषित गैसें पर्यावरण के संतुलन को बुरी तरह बिगाड़ रही हैं और प्रदूषण को बढ़ावा दे रही हैं, जिससे धरती का तापमान बढ़ रहा रहा है, और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पैदा हो रही है। *Source: https://www.gyanipandit.com/essay-on-technology-in-hindi/ (edited)* इस शुरूआती पैराग्राफ में कौनसे मुख्य सुधार की ज़रुरत है? तर्कपूर्ण निबंध के उद्देश्य को ध्यान में रखें।

सही उत्तर	पैराग्राफ को लेखक के दावे को बताए गए मुद्दे पर या तो पक्ष में या विपक्ष में व्यक्त करने की आवश्यकता है।	विद्यार्थी समझते हैं कि एक तर्कपूर्ण निबंध लेखक के दावे और संक्षिप्त कारणों के साथ शुरू होना चाहिए और फिर प्रतिदावे की ओर बढ़ना चाहिए।
विचलित करने वाला उत्तर १	विषय वैज्ञानिक तकनीक को संदर्भित करता है और इसलिए पैराग्राफ को सॉफ्टवेयर पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है न कि मशीनों पर।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि मशीनें वैज्ञानिक तकनीक का एक रूप हैं और यह अवधारणा तर्क की गुणवत्ता को कम नहीं करती हैं।
विचलित करने वाला उत्तर २	भाषा की शुद्धता के लिए अंतिम वाक्य से अतिरिक्त शब्द 'रहा' को हटाना होगा।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि जबकि यह एक आवश्यक संपादन है, मुख्य सुधार तर्क के प्रवाह और प्रस्तुति पर केंद्रित होना चाहिए।
विचलित करने वाला उत्तर ३	पैराग्राफ में नई वैज्ञानिक तकनीक के अर्थ और महत्त्व के बारे में बात करने की जरूरत है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि तर्कपूर्ण निबंध की शुरुआत शब्दों की परिभाषा से नहीं होनी चाहिए बल्कि लेखक के दावे पर ध्यान देना चाहिए।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**लेखन**
आवश्यक विचार	**एक अच्छी तरह से संरचित तर्क विशिष्ट और तर्कपूर्ण दावों का परिचय देता है, उन्हें प्रतिदावे से अलग करता है और कारण और सबूत प्रदान करता है।**
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	इस विषय पर ३५० – ४०० शब्दों का एक स्पष्ट और संरचित तर्कपूर्ण निबंध लिखें: क्या डिजिटल युग मनुष्य को कम बुद्धिमान बना रहा है?

अंकन योजना	
विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर जबकि डिजिटल युग के आगमन और उदय और मानव जीवन के सभी पहलुओं में प्रौद्योगिकी की घुसपैठ से जुड़ी बहुत सारी नकारात्मकताएं हैं – जैसे कि शारीरिक गति और व्यायाम में कमी, तनावपूर्ण सामाजिक कौशल और संबंध, अमीर और गरीब के बीच बढ़ता विभाजन। हम ऐसा नहीं कह सकते कि यह मनुष्य को कम बुद्धिमान बना रहा है। इस बात के पर्याप्त प्रमाण हैं कि प्रौद्योगिकी हमारी सोच का पूरक है, इस प्रकार हमें उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है और निर्णय लेने के कौशल को भी बढ़ाता है और साथ ही इस बात का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि डिजिटल युग हमारी संज्ञानात्मक क्षमताओं को नुकसान पहुंचा रहा है। विरोधी दृष्टिकोण के कई समर्थकों का दावा है कि कोई तर्क नहीं है – हमारी सोच और प्रौद्योगिकी के दैनिक कार्यों के प्रबंधन की "आउटसोर्सिंग" हमें कम बुद्धिमान बना रही है। 'री-इंजीनियरिंग ह्यूमैनिटी' के लेखक ब्रेट फ्रिस्कमैन का मानना है उदाहरण के लिए, हमारे फोन में जीपीएस को हमारे गंतव्य तक पहुंचने के लिए हमारे मार्ग को मैप करने की अनुमति देकर, हम एक उपकरण को सोचने का महत्वपूर्ण कार्य सौंप रहे हैं। यह हमारी बुद्धि में सुधार करने में मदद नहीं करता है बल्कि प्रौद्योगिकी कंपनियों को हमारी आदतों और जरूरतों के बारे में डेटा एकत्र करने में सक्षम बनाता है। हालाँकि, लेखक इस बात का कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं करता है कि रोज़मर्रा के कार्यों की ऐसी आउटसोर्सिंग हमारी बुद्धिमत्ता को कम कर रही है।	-
अपने पेपर 'नेचर ह्यूमन बिहेवियर' में सिनसिनाटी विश्वविद्यालय के व्यवहार विशेषज्ञ एंथनी केमेरो बताते हैं कि कैसे डिजिटल तकनीक हमारी सोच को पूरक कर रही है और जिस तरह से हम अपनी संज्ञानात्मक क्षमताओं को संलग्न करते हैं उसे बदल रही है, जिसे हमारे दिमाग के लिए फायदेमंद दिखाया गया है। हमारे फोन मैपिंग मार्गों के उदाहरण का उपयोग करते हुए उनका तर्क है कि यह सोचने के लिए ऊर्जा को मुक्त करता है। इसी तरह, जब हमें कलम और कागज पर जटिल गणना करने में समय नहीं लगाना पड़ता है, तो हमारा दिमाग अधिक उत्पादक कार्यों और निर्णय लेने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्वतंत्र होता है। डिजिटल तकनीक जानकारी को याद रखने, संग्रहीत करने और प्रस्तुत करने का काम करती है जो अन्यथा हमारे दिमाग में संज्ञानात्मक स्थान और क्षमताओं को ले लेती है। यह मानव मस्तिष्क को विश्लेषण करने, तर्क करने, मूल्यांकन करने और निर्णय लेने के उच्च-क्रम कौशल का अभ्यास करने में सक्षम बनाता है। इन कारणों से मुझे विश्वास है कि प्रौद्योगिकी, अपनी अंतर्निहित प्रकृति के कारण, हमें कम नहीं बल्कि वास्तव में अधिक बुद्धिमान बना रही है।	

विषय–वस्तु ● विषय के पक्ष या विपक्ष में दावा करते हैं। ● (मैं सहमत हूं कि / मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि प्रौद्योगिकी मनुष्य को कम बुद्धिमान बना रही है।) ● कम से कम १ प्रतिदावा प्रदान करते हैं। ● (कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि हम अपनी सोच को प्रौद्योगिकी के लिए आउटसोर्स कर रहे हैं।) ● दावे के समर्थन में कम से कम २ साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं। (प्रौद्योगिकी मस्तिष्क की संज्ञानात्मक क्षमताओं में सुधार कर रही है। प्रौद्योगिकी हमें निर्णय लेने में मदद कर रही है।) साक्ष्य द्वारा समर्थित कोई अन्य मान्य स्पष्टीकरण स्वीकार करें।	४
संगठन ● विषय के पक्ष या विपक्ष में स्पष्ट रूप से बताए गए दावे से शुरू करते हैं। ● एक प्रतिदावा प्रस्तुत करते हैं। ● विचारों को तार्किक प्रवाह में प्रस्तुत करते हैं। मानदंडों को पूरा करने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें। यदि मानदंड में सुधार की आवश्यकता है तो आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें। यदि मानदंड पूरा नहीं किया गया है तो ० अंक प्रदान करें।	४

भाषा नियम ● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। २ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें। ३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें। ४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।	२

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	**लेखन**	
आवश्यक विचार	**एक आकर्षक कथा एक अच्छी तरह से तैयार की गई साजिश के भीतर उपयुक्त सेटिंग में यादगार पात्रों के साथ पाठक का ध्यान आकर्षित करती है।**	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	अमाना एक युवा लड़के के दैनिक जीवन पर प्रतिबिंबों के बारे में एक उपन्यास लिख रही है। वह चाहती हैं कि इस उपन्यास का स्वर शांतिपूर्ण सादगी का हो। इस तरह के स्वर को सेट करने में कौन सा सेटिंग विवरण सबसे अच्छा काम करेगा?	
सही उत्तर	रयाज़ पत्थर की बनी आखरी सीढ़ी पर बैठ गया। वह अपने नीचे फैली पहाड़ियों को देखने में खो गया – डूबते सूरज की कोमल सुनहरी किरणें धीरे से उनकी चोटियों को सहला रही थीं।	विद्यार्थी समझते हैं कि प्राकृतिक सेटिंग्स और नरम शब्द शांतिपूर्ण सादगी के स्वर को स्थापित करने में मदद करते हैं।

विचलित करने वाला उत्तर १	रात के सन्नाटे ने रयाज़ को घेर लिया, उसे खामोशी में डुबा दिया। उसके तेज़ दिल की धड़कन कमरे में इकलौती आवाज़ थी। एक उल्लू बाहर अकेला बैठा, पुकार रहा था।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि नकारात्मक शब्दों के साथ प्रयोग की जाने वाली प्राकृतिक सेटिंग्स भय और अकेलेपन का स्वर सेट करती हैं।
विचलित करने वाला उत्तर २	युवा रयाज़ उबड़-खाबड़ रास्ते पर तेज़ी से आगे बढ़ा। छोटे-छोटे कंकड़ पहाड़ी से नीचे की ओर गिर रहे थे। रयाज़ के भारी कदमों ने उन्हें उनके पथरीले घरों से हटा दिया था।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि नकारात्मक और तेज शब्द जल्दबाजी और गति का एक स्वर सेट करते हैं।
विचलित करने वाला उत्तर ३	गंदे भूरे पानी की एक बूंद जंग लगे नल से बाहर निकल गई, जिससे वह धुएं से भरी हवा में और कालीन के फर्श की ओर अपनी एकान्त यात्रा कर रही थी।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि परित्यक्त परिवेश का वर्णन निराशा और नकारात्मकता का स्वर सेट करता है।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	**लेखन**
आवश्यक विचार	एक आकर्षक कथा एक अच्छी तरह से तैयार की गई साजिश के भीतर उपयुक्त सेटिंग में यादगार पात्रों के साथ पाठक का ध्यान आकर्षित करती है।
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	सान्या एक छोटे लड़के और उसके पिता के बीच मधुर मित्रता के बारे में एक लघु कथा लिख रही है। वह चाहती हैं कि पिता एक सौम्य लेकिन विचित्र पात्र बनें। कथा के पहले मसौदे का एक उद्धरण दिया गया है। मसौदे को फिर से इस तरह लिखें ताकि पिता की विशेषताएँ स्पष्ट रूप से देखी जा सकें और वह एक यादगार पात्र बन जाए। "पापा!" राज ने कहा। "हाँ बेटा?" प्रदीप ने पूछा। उसके सिर के चारों ओर एक विचित्र कोंटरापशन था।

	"वो आ गया है, पापा! पीला मखमली-पंख! जिस लुप्तप्राय तितली का हम इंतजार कर रहे थे!" प्रदीप इतने अभिभूत हुए कि उन्होंने अपने बेटे को गले से लगा लिया। वह एक सज्जन व्यक्ति थे, अपने पुत्र पर बहुत स्नेह करते थे। "चलो चलते हैं, पापा!" आप निम्न बिंदुओं का उपयोग कर सकते हैं: ● शारीरिक भाषा और क्रियाएं ● आवाज और संवाद

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर "पापा! डैडड्ड! डैडड!" प्रदीप – एक चमड़ी का छोटा बेल्ट, धातु की पाइपें और कांच के टुकड़ों से बना एक कोंटरापशन उनके सिर के चारों ओर बंधा हुआ – ने अपना सिर धीरे से उठाया और अपने बेटे की ओर घूरने लगे। "क्या हुआ राज?" उन्होंने धुंधली आवाज़ में पूछा। "वो आ गया है, पापा! पीला मखमली-पंख!" प्रदीप अपने बेटे को घूरते रह गए, उनकी आंखें चौड़ी, उनके होठों पर एक छोटा 'ओ'। "पापा?"	-

प्रदीप ने अपने बेटे को गले से लगाया और ख़ुशी के मारे चारों ओर इतने ज़ोरों से घुमाने लगे की कमरे में हर तरफ कांच और कागज़ के टुकड़े उड़ने लगें। "पापा!" हंसा राज, "चलो चलते हैं, चलते हैं!"	
● पात्र की विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए शारीरिक भाषा और क्रियाओं का उपयोग करते हैं। (प्रदीप अपने बेटे को घूरते रह गए) अन्य मान्य उदाहरण स्वीकार करें जो विशेषताएं प्रदर्शित करते हैं।	१
● पात्र की विशेषताओं को प्रदर्शित करने के लिए आवाज और संवाद का उपयोग करते हैं। (धुंधली आवाज़ में पूछा) अन्य मान्य उदाहरण स्वीकार करें जो विशेषताएं प्रदर्शित करते हैं।	१
● आकर्षक ढंग से लिखते हैं।	१
● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	लेखन	
आवश्यक विचार	एक सूचनात्मक पाठ विचारों के संरचित संगठन, प्रासंगिक विवरण, वाक्य रचना, शब्दावली, ग्राफिक्स और स्वरूपण का उपयोग करके जटिल विचारों और सूचनाओं का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और व्याख्या करता है।	
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	आपको मानव शरीर के बारे में एक विश्वकोश में एक पेज बनाने का कार्य दिया गया है। आपको जो पेज बनाना है उसका शीर्षक है: हमारी जीभ हमें स्वाद लेने में कैसे मदद करती है। पेज पर जानकारी को संरचित या व्यवस्थित करने का सबसे अच्छा तरीका कौन सा है?	
सही उत्तर	✓ हमारी जीभ पर धक्कों में टैस्ट बड्स होते हैं ✓ टैस्ट बड्स में सूक्ष्म बाल मस्तिष्क को संदेश भेजते हैं ✓ नाक स्वाद की पहचान करने में टैस्ट बड्स की सहायता करती है	विद्यार्थी समझते हैं कि जीभ हमें स्वाद में कैसे मदद करती है, इस बारे में एक विश्वकोश पृष्ठ को स्वाद की विशिष्ट भूमिका और प्रक्रिया के बारे में जानकारी देनी चाहिए।
विचलित करने वाला उत्तर १	✓ जीभ और स्वाद कलियों के बारे में एक टंग-ट्विस्टर ✓ अपनी जीभ से विभिन्न खाद्य पदार्थों को चखने के बारे में एक कहानी ✓ जीभ की सफाई के महत्व के बारे में एक छोटी कविता	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि एक विश्वकोश पृष्ठ एक सूचनात्मक पाठ है और इसलिए इसे पूरी तरह से गद्य और कविता से नहीं बनाया जाना चाहिए।

विचलित करने वाला उत्तर २	✓ जीभ की विभिन्न मांसपेशियां कैसे काम करती हैं ✓ कैसे मांसपेशियां हमें शब्द बनाने और भोजन खाने में मदद करती हैं ✓ कैसे टैस्ट बड्स हमें विभिन्न खाद्य पदार्थों का स्वाद लेने में मदद करती हैं	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि एक विश्वकोश पृष्ठ को विशिष्ट विषय पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए न कि संपार्श्विक जानकारी पर।
विचलित करने वाला उत्तर ३	✓ जीभ की संरचना और कार्य क्या है ✓ जीभ के विभिन्न भाग क्या हैं ✓ टैस्ट बड्स की संरचना कैसी होती है	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि इस विश्वकोश पृष्ठ को विषय के अनुसार प्रक्रिया पर भी ध्यान देना चाहिए न कि केवल संरचना पर।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	लेखन
आवश्यक विचार	एक सूचनात्मक पाठ विचारों के संरचित संगठन, प्रासंगिक विवरण, वाक्य रचना, शब्दावली, ग्राफिक्स और स्वरूपण का उपयोग करके जटिल विचारों और सूचनाओं का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और व्याख्या करता है।
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	निम्नलिखित संक्षिप्त लेख क्रिप्टोकरेंसी के बारे में है। यह कक्षा ८ के छात्रों के लिए लिखा गया है ताकि वे इस नई मुद्रा को समझ पाएं। आपका काम फीडबैक शीट भरकर इसकी समीक्षा करना है। क्रिप्टोकरेंसी क्या है? क्रिप्टोकरेंसी विकेन्द्रीकृत डिजिटल पैसा है जो ब्लॉकचेन तकनीक पर आधारित है जिसे इंटरनेट पर उपयोग करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बिटकॉइन,जिसे २००८ में लॉन्च किया गया था, पहली क्रिप्टोकरेंसी थी, और यह अब तक की सबसे बड़ी, सबसे प्रभावशाली और सबसे प्रसिद्ध है। क्रिप्टोकरेंसी कैसे काम करती है? क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज का एक माध्यम है जो डिजिटल, एन्क्रिप्टेड और विकेन्द्रीकृत है। कोई केंद्रीय प्राधिकरण नहीं है जो क्रिप्टोकरेंसी के मूल्य का प्रबंधन और रखरखाव करता है। इसके बजाय, वे मुफ़्त, ओपन-सोर्स सॉफ़्टवेयर चलाने वाले कंप्यूटरों के पीयर-टू-पीयर नेटवर्क द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। आम तौर पर, जो कोई भी भाग लेना चाहता है वह ले सकता है। सभी लेन-देन की जांच एक ब्लॉकचेन नामक तकनीक द्वारा की जाती है। एक क्रिप्टोकरेंसी ब्लॉकचैन बैंक की बैलेंस शीट या लेजर के समान है। प्रत्येक मुद्रा का अपना ब्लॉकचेन होता है जो उस मुद्रा का उपयोग करके किए गए प्रत्येक लेन-देन का एक सतत, निरंतर पुन: सत्यापित रिकॉर्ड है।

आप नियमित सामान और सेवाओं को खरीदने के लिए क्रिप्टो का उपयोग कर सकते हैं, हालांकि अधिकांश लोग क्रिप्टोकरेंसी में उसी तरह निवेश करते हैं जिस तरह वे अन्य संपत्तियों जैसे स्टॉक या कीमती धातुओं में निवेश करते हैं। जबकि क्रिप्टोकरेंसी एक उपन्यास और रोमांचक संपत्ति वर्ग है, इसे खरीदना जोखिम भरा हो सकता है और आपको इसे पूरी तरह से समझने के लिए उचित मात्रा में शोध करना होगा कि प्रत्येक सिस्टम कैसे काम करता है।

Sources:

https://www.forbes.com/advisor/investing/what-is-cryptocurrency/

https://www.coinbase.com/learn/crypto-basics/what-is-cryptocurrency

	फीडबैक	**सुधार हेतु सुझाव**
विषय - वस्तु		
भाषा		
प्रवाह / संरचना		
समझने में आसानी		

अंकन योजना

विवरण	**अंक**
नमूना उत्तर	-

	फीडबैक	**सुधार हेतु सुझाव**
षय-वस्तु	लेख संक्षिप्त और स्पष्ट है। हालाँकि, अवधारणाओं को आयु-उपयुक्त तरीके से नहीं समझाया गया है क्योंकि स्कूली छात्र 'विकेंद्रीकृत डिजिटल धन', 'ब्लॉकचैन' आदि जैसे शब्दों को पूरी तरह से नहीं समझ सकते हैं।	स्कूल के छात्र जो जानते हैं उसे ध्यान में रखते हुए लेख लिखा जाना चाहिए। छात्रों को यह समझने में मदद करने के लिए एक साधारण सादृश्य का उपयोग किया जा सकता है कि सामान्य मुद्रा कैसे काम करती है और डिजिटल मुद्रा कैसे काम करती है। ब्लॉकचेन तकनीक जैसी अवधारणाओं को उदाहरणों के साथ समझाया जाना चाहिए।
षा	प्रयुक्त भाषा व्याकरणिक और अन्य त्रुटियों से मुक्त है। हालांकि यह स्तर स्कूली छात्रों के स्तर से काफी ऊपर है।	स्कूली छात्रों के शब्दावली स्तर को ध्यान में रखते हुए सरल भाषा का प्रयोग करना चाहिए।

वाह / संरचना	जानकारी को अच्छी तरह से संरचित किया गया है: क्रिप्टोकरेंसी क्या है, यह कैसे काम करती है, और इस का क्या उपयोग किया जा सकता है।	लेख की शुरुआत इस बात से होनी चाहिए कि सामान्य मुद्रा कैसे काम करती है ताकि छात्र समझ सकें कि विकेन्द्रीकृत मुद्रा कैसे अलग है?	
समझने में आसानी	इसे पढ़ना बहुत आसान नहीं है क्योंकि लंबी जटिल वाक्यों के रूप में बहुत सारी जानकारी दी गई है।	ग्राफिक आयोजकों और बुलेट बिंदुओं के उपयोग से अवधारणा को समझना आसान हो जाएगा। समझने को आसान बनाने के लिए छोटे वाक्यों का उपयोग किया जा सकता है।	
विषय-वस्तु ● विषय वस्तु की आयु-अनुपयुक्तता को इंगित करते हैं। (अवधारणाओं को इस तरह से समझाया गया है जो स्कूली छात्रों के लिए कठिन होगा।) ● स्पष्टीकरण के सरलीकरण का सुझाव देते हैं। (उदाहरणों , उपमाओं या कहानियों का उपयोग।) कारणों से समर्थित अन्य मान्य दृष्टिकोणों को स्वीकार करें।			३
भाषा ● बताते हैं कि भाषा उम्र-अनुचित है । (कठिन शब्दावली का प्रयोग किया गया है) ● शब्दावली के सरलीकरण का सुझाव देते हैं।			३

(कठिन शब्दों के स्थान पर विद्यालय स्तर के शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए) कारणों से समर्थित अन्य मान्य दृष्टिकोणों को स्वीकार करें।	
प्रवाह/संरचना ● संरचना के बारे में एक राय प्रदान करते हैं। (जानकारी को तार्किक तरीके से संरचित किया गया है।) ● बताई गई कमियों, यदि कोई हो के आधार पर सुधार का सुझाव देते हैं। (सामान्य मुद्रा के बारे में एक और खंड शामिल कर सकते हैं) कारणों से समर्थित अन्य मान्य दृष्टिकोणों को स्वीकार करें।	३
समझने में आसानी ● पढ़ने में कठिनाई की पहचान करते हैं। (लंबे और जटिल वाक्य,बहुत अधिक जानकारी) ● पठनीयता में सुधार करने के तरीके सुझाते हैं। (छोटे वाक्य,ग्राफिक्स और बुलेट पॉइंट का उपयोग) कारणों से समर्थित अन्य मान्य दृष्टिकोणों को स्वीकार करें।	३

बहुवैकल्पिक प्रश्न

कौशल	लेखन
आवश्यक विचार	पत्र या ई-मेल के रूप में लिखित संचार का एक निश्चित उद्देश्य होता है जो स्पष्ट और सम्मानजनक भाषा में लिखा जाता है, जानकारी को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करता है और पाठक को एक विशेष कार्रवाई करने के लिए राजी करता है।
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	एक अच्छे ईमेल का एक निश्चित उद्देश्य होता है जो स्पष्ट और सम्मानजनक भाषा में लिखा जाता है, स्पष्ट रूप से जानकारी देता है और पाठक को एक विशेष कार्रवाई करने के लिए राजी करता है। इस ई-मेल में उपरोक्त में से किस विशेषता का अभाव है? To: aashna.k@dreamschool.edu From: atul.w@tmail.com Subject: स्टेटमेंट ऑफ़ पर्पस: प्रतिक्रिया प्रिय आशना, आशा है आप कुशल हैं। हमारे स्कूल के रीयूनियन में आपसे मिलकर और आपके अनुभवों के बारे में सुनकर बहुत अच्छा लगा। मैं वास्तव में आपको एक प्रेरणा के रूप में देखता हूं। मैं ड्रीम स्कूल में मास्टर्स प्रोग्राम के लिए आवेदन कर रहा हूं। मैंने अपना स्टेटमेंट ऑफ़ पर्पस लिखा है, जिसे दो सप्ताह में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। इस स्टेटमेंट ऑफ़ पर्पस में मैंने समझाया है कि कला के साथ मेरे शुरुआती अनुभव और जिन विभिन्न परियोजनाओं में मैंने भाग लिया है, वे मुझे इस कार्यक्रम के लिए एक सही उम्मीदवार बनाते हैं।

	मैंने दस्तावेज़ संलग्न किया है। आपको धन्यवाद, अतुल [संलग्नक: स्टेटमेंट ऑफ़ पर्पस_अतुल]	
सही उत्तर	ई-मेल यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि पाठक को क्या कार्रवाई करनी चाहिए।	विद्यार्थी समझते हैं कि लेखक विशेष रूप से पाठक को यह नहीं बताता कि क्या करने की आवश्यकता है।
विचलित करने वाला उत्तर १	ई-मेल सम्मानजनक और स्पष्ट भाषा में नहीं लिखा गया है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि अनौपचारिक होने पर भी भाषा सम्मानजनक है।
विचलित करने वाला उत्तर २	ई-मेल बिना प्रारूप वाला, लंबा और पढ़ने में कठिन है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि जानकारी को बड़े करीने से प्रस्तुत किया गया है।
विचलित करने वाला उत्तर ३	ई-मेल का कोई निश्चित उद्देश्य नहीं है।	विद्यार्थी यह नहीं समझते कि ई-मेल का उद्देश्य निहित है।

निर्मित प्रतिवचन के प्रश्न

कौशल	लेखन
आवश्यक विचार	पत्र या ई-मेल के रूप में लिखित संचार का एक निश्चित उद्देश्य होता है जो स्पष्ट और सम्मानजनक भाषा में लिखा जाता है, जानकारी को स्पष्ट रूप से संप्रेषित करता है और पाठक को एक विशेष कार्रवाई करने के लिए राजी करता है।
प्रश्न का पूर्वार्द्ध + प्रश्न	निम्नलिखित एक ई-मेल है जिसे एक छात्र ने अपने प्रोफेसर को भेजा है। ई-मेल का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें और तीन क्षेत्रों की व्याख्या करें जिन पर छात्र को अपने ई-मेल लेखन कौशल में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए। जहां भी जरूरत हो, उदाहरण दें। To: prof.bose@dreamschool.edu From: student.rahul@tmail.com Subject: असाइमेट हाय प्रोफेसर बोस कल आपने हमें एक असाइनमेंट दिया था लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूँ। फिर समझाओ रा

अंकन योजना

विवरण	अंक
नमूना उत्तर सम्मानजनक भाषा: छात्र को सम्मानजनक या औपचारिक भाषा का प्रयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, यह अभिवादन एक प्रोफेसर के लिए बहुत अनौपचारिक है। इसके बजाय, उन्हें 'रेस्पेक्टेड मैम' या बस 'मैम' लिखना चाहिए। छात्र को आदेशों का उपयोग नहीं करना चाहिए बल्कि अनुरोधों का उपयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, 'फिर समझाओ' कहने के बजाय उसे लिखना चाहिए 'क्या आप कृपया मुझे यह समझने में मदद कर सकते हैं कि मुझे असाइनमेंट में क्या करना है?'	-

अपेक्षाओं की स्पष्टता: छात्र ने यह निर्दिष्ट नहीं किया है कि उसे किस असाइनमेंट में मदद चाहिए या असाइनमेंट के किस पहलू से वह जूझ रहा है। विषय पंक्ति में विशेष रूप से उल्लेख होना चाहिए कि वह किस असाइनमेंट का उल्लेख कर रहा है और साथ ही इस तथ्य का भी उल्लेख करना चाहिए कि उसे सहायता की आवश्यकता है। उदाहरण के लिए, 'असाइनमेंट K११३: सहायता का अनुरोध'। भाषा नियम: छात्र को अपनी वर्तनी और व्याकरण पर काम करने की जरूरत है। सब्जेक्ट लाइन में 'असाइनमेंट' की स्पेलिंग गलत है। इसी तरह, ई-मेल के मुख्य भाग में व्याकरण के नियमों का पालन नहीं किया गया है, जैसे लापता अल्पविराम और पूर्ण विराम।	
● सुधार के ३ प्रासंगिक क्षेत्रों की पहचान करते हैं। (सम्मानजनक भाषा, अपेक्षाओं की स्पष्टता, भाषा के नियम, अपना परिचय, आधिकारिक ई-मेल एड्रेस का प्रयोग) साक्ष्य द्वारा समर्थित अन्य मान्य बिंदु स्वीकार करें।	१
● उदाहरणों द्वारा समर्थित सुधार के प्रत्येक क्षेत्र को स्पष्ट रूप से और विस्तार से बताते हैं।	३
● सही व्याकरण, वर्तनी और अन्य भाषा नियम का उपयोग करते हैं। *२ छोटी त्रुटियां या १ बड़ी त्रुटि होने पर पूर्ण आवंटित अंक प्रदान करें।* *३ से ४ छोटी त्रुटियां या २ बड़ी त्रुटियां होने पर आवंटित अंकों का आधा पुरस्कार दें।* *४ से अधिक छोटी त्रुटियां या २ से अधिक बड़ी त्रुटियां होने पर ० अंक प्रदान करें।*	१

12 संदर्भ दस्तावेज़

1. आधार पत्र: भारतीय भाषाओं की शिक्षण पर नेशनल फोकस समूह, एन.सी.ई.आर.टी, २००६
2. सीबीएसई ड्राफ्ट सीखने के उद्देश्य
3. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा, एन.सी.ई.आर.टी, २००५
4. हिंदी पाठ्यचर्या दस्तावेज, एन.सी.ई.आर.टी
5. आरोह, भाग-१, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
6. वितान, भाग-१, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
7. आरोह, भाग-२, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
8. वितान, भाग-२, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
9. अभिव्यक्ति और माध्यम, एन.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
10. स्नो, सी. (२००२). रीडिंग फॉर अंडरस्टैंडिंग: टुवर्ड एन आर एंड डी प्रोग्राम इन रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन. रैंड कॉर्पोरेशन.
11. मर्फी, पी.के., विल्किंसन, आई.ए., सोटर, ए.ओ., हेनेसी, एम.एन., और अलेक्जेंडर, जे.एफ. (२००९). एक्सामिनिंग द इफेक्ट्स ऑफ़ क्लासरूम डिस्कशन ओन स्टूडेंट्स कॉम्प्रिहेंशन ऑफ़ टेक्स्ट: अ मेटा- एनालिसिस. जर्नल ऑफ़ एजुकेशनल साइकोलॉजी, १०१(३), ७४०.

अभिस्वीकृति

सलाहकार

- श्रीमती निधि छिब्बर, आई.ए.एस., अध्यक्ष, सीबीएसई

मार्गदर्शन और समर्थन

- डॉ. जोसेफ़ इमैनुएल, निर्देशक (शैक्षणिक), सीबीएसई
- डॉ. प्रज्ञा एम. सिंह, निर्देशक (शैक्षणिक–असेसमेंट), सीबीएसई
- डॉ. श्वेता सिंह, संयुक्त सचिव (शैक्षणिक), सीबीएसई
- श्री. मनीष त्यागी, अवर सचिव (शैक्षणिक), सीबीएसई
- श्री. श्रीधर राजागोपालन, मुख्य शिक्षण अधिकारी, ईआई
- श्री. निश्चल शुक्ला, उपाध्यक्ष - विषय विकास और शिक्षाशास्त्र अनुसंधान, ईआई

योजना और निष्पादन

- श्री. रितेश अग्रवाल, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, ईआई
- श्री. वरूण कप्पल, परियोजना निदेशक, ईआई
- सुश्री. मनीषा उप्रेती, प्रबंधक, ईआई
- श्री. एच.एम. शाहनवाज खान, एसोसिएट मैनेजर, ईआई
- श्री. मुज़फ़्फ़र अहमद, शिक्षा विशेषज्ञ, ईआई

विषय विकास टीम

- श्रीमती प्रीति पुरोहित, ईआई
- श्रीमती पूनम शर्मा, ईआई

समीक्षक

- डॉ. शिक्षा कौशिक , पी जी टी

Central Board of Secondary Education
Shiksha Sadan, 17, Rouse Avenue,
New Delhi -110002